THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 242 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.8 2082 शुक्रवार, 28 नवंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये


## ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट को रेग्युलेट करने की जरूरत : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील, आपत्तिजनक या कंटेंट कॉन्टेंट को रेग्युलेट करने के लिए एक स्वतंत्र और ऑटोनोमस बॉडी की जरूरत बताई। चीफ जस्टिस ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है लेकिन यह विकृति का कारण नहीं बन सकती। सीजेआई ने कहा कि यदि किसी कार्यक्रम में एडल्ट कंटेंट है, तो पहले से चेतावनी अवश्य दी जानी चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी। >14

# 'युवाशक्ति नई ऊंचाइयों को छू रही'

## स्काईरूट के इनफिनिटी कैंपस का प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

### विक्रम-I रॉकेट का भी हुआ अनावरण

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस के इनफिनिटी कैंपस का वर्चुअल उद्घाटन किया और इसे देश के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों का परिणाम बताया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कंपनी के पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-I का भी अनावरण किया, जो उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के निर्णय के बाद स्काईरूट जैसी कंपनियां उभरकर सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि आज देश में 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप नवाचार को नई दिशा दे रहे हैं और भारत का अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र पहले से कहीं अधिक मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इनफिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति का प्रतीक है। युवाओं की जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता ने देश को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है और भारतीय निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है। मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआती यात्रा का भी उल्लेख किया, जब सीमित साधनों के बीच रॉकेट के पुर्जे साइकिल पर ढोए जाते थे। उन्होंने कहा कि आज भारत सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यानों के निर्माण में सक्षम है, जो यह साबित करता है कि सपनों की ऊँचाई संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बदलते समय में अंतरिक्ष का उपयोग संचार, मौसम पूर्वानुमान, शहरी नियोजन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में तेजी से बढ़ा है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़े सुधार किए, नई अंतरिक्ष नीति बनाई और इन-स्पेस की स्थापना कर स्टार्टअप और उद्योगों को नवाचार से जोड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में परमाणु क्षेत्र को भी निजी कंपनियों के लिए खोले जाने की योजना है। स्काईरूट की नई अत्याधुनिक सुविधा लगभग दो लाख वर्ग फुट में विकसित की गई है, जिसमें बहु-प्रक्षेपण वाहनों के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण की क्षमता होगी। कंपनी के अनुसार, इस सुविधा में हर महीने एक कक्षीय रॉकेट तैयार किया जा सकेगा। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनियों में से एक है। इसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की, जो दोनों आईआईटी के पूर्व छात्र और इसरो के पूर्व वैज्ञानिक हैं।

# 'चुनाव आयोग को एसआईआर का पूरा अधिकार'

## > नहीं डालेंगे उसके काम में रुकावट : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग को कानूनी रुप से पूरे भारत में वोटर लिस्ट या रोल को अपडेट करने का अधिकार है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग के इस काम में कोई रुकावट भी नहीं डालेगा। सुप्रीम कोर्ट ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि अगर फिर भी चुनाव आयोग की ओर से कोई गड़बड़ी होती है तो वो उसको ठीक करने का आदेश देगा।

**सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की दलीलें :**

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने एसआईआर के सही होने पर सवाल उठाने वाली दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कहने पर प्रोसेस को ठीक करने के बाद वोटर रोल के अपडेट के खिलाफ एक भी आपत्ति दर्ज नहीं की गई। वहीं राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा की ओर से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने एसआईआर की संवैधानिक वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा कि लाखों अनपढ़ लोग हैं जो वोटर एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं भर सकते, जो बाहर करने का एक तरीका बन गया है।

**ज्यादातर लोग अनपढ़ तो कैसे भरेंगे फॉर्म :**

वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि किसी वोटर से एन्यूमरेशन फॉर्म भरने के लिए क्यों कहा जाना चाहिए? ईसी कौन होता है यह तय करने के लिए कि कोई व्यक्ति भारतीय नागरिक है या नहीं? आधार कार्ड में रहने की जगह और जन्म की तारीख लिखी होती है, जो 18 साल से ज़्यादा उम्र के लोगों के लिए वोटर बनने के लिए काफी होनी चाहिए, अगर वे खुद यह घोषणा करते हैं कि वे भारतीय नागरिक हैं।

**ग्रामीण इलाकों में त्योहार की तरह होता है चुनाव :**

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि सिब्बल, आपको दिल्ली में चुनाव लड़ने का अनुभव है, जहां बहुत से लोग वोट नहीं देते हैं। लेकिन ग्रामीण इलाकों में चुनाव एक त्योहार होता है। वहां, हर कोई अपने वोट को लेकर परेशान रहता है। ज्यादा से ज्यादा लोग हिस्सा लेते हैं, और हर कोई जानता है कि गांव का निवासी कौन है।

# कोर्ट कौनसी जादू की छड़ी चला सकता है?

**हम निर्देश जारी करें और तुरंत स्वच्छ हवा मिलने लगे**

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सख्त तेवर अपनाए। खराब वायु गुणवत्ता के मुद्दे पर दायर याचिकाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 3 दिसंबर की तारीख मुकर्रर कर दी। साथ ही कहा कि यह मुद्दा लगातार निगरानी की मांग करता है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह की इस दलील पर ध्यान दिया कि दिल्ली-एनसीआर में बेहद गंभीर स्थिति बनी हुई है और यह स्वास्थ्य आपातकाल जैसे हालात है। सिंह इस मामले में न्यायालय की सहयोगी (एमिकस क्यूरी) के रूप में नियुक्त हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, न्यायपालिका के पास कौन सी जादुई छड़ी है? हमें पता है कि दिल्ली-एनसीआर के लिए यह स्थिति खतरनाक है। समस्या सबको पता है, मुद्दा यह है कि समाधान क्या हैं। हमें इसकी वजहें पहचाननी होंगी और इसका हल तो विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हम आशा करते हैं कि लंबी अवधि तक प्रभावी समाधान खोजे जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, हमें बताइए कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं? क्या कोई निर्देश देकर हम तुरंत स्वच्छ हवा मिल सकती है? हर क्षेत्र के हालात अलग हैं। देखते हैं कि सरकार ने समितियों के स्तर पर क्या कदम उठाए हैं। यह मामला दीपावली के आसपास औपचारिक तौर पर भी सूचीबद्ध होता है, लेकिन इसकी नियमित निगरानी अब जरूरी है। बता दें कि 19 नवंबर को अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा था कि दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में नवंबर-दिसंबर में खुले मैदान पर होने वाले खेल आयोजनों को सुरक्षित महीनों तक टालने पर विचार किया जाए।

# 10 राज्यों में 15 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

**मेडिकल कॉलेजों में रिश्वतखोरी के आरोप**

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मेडिकल शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने 10 राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी की, जिनमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई 30 जून 2025 को दर्ज सीबीआई की एफआईआर (संख्या आरसी2182025ए0014) से जुड़ी हुई है। एफआईआर में आरोप है कि कुछ सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई। इसके एवज में मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा की गई। इसमें राष्ट्रीय मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के अधिकारी भी शामिल हैं। जांच में सामने आया कि ये गोपनीय निरीक्षण विवरण मेडिकल कॉलेजों के प्रमुख प्रबंधकों और कुछ मध्यस्थों तक पहुंचाए गए। इस जानकारी का इस्तेमाल आरोपियों ने निरीक्षण के मानदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में अकादमिक कोर्स चलाने की अनुमति पाने के लिए किया। ईडी की छापेमारी में सात मेडिकल कॉलेजों से जुड़े परिसरों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, कई निजी व्यक्तियों के परिसरों पर भी कार्रवाई की गई, जो एफआईआर में आरोपी बताए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये लोग कथित रिश्वतखोरी में अहम भूमिका निभा रहे थे। इस व्यापक कार्रवाई का उद्देश्य कथित नेटवर्क की जड़ तक पहुंचना और अवैध धन के प्रवाह का पता लगाना है। यह कार्रवाई सीबीआई की चल रही जांच से प्राप्त विस्तृत सुरागों पर आधारित है और इसका लक्ष्य भ्रष्टाचार के इस जाल को उजागर करना है। >14

# 'खुशी है नक्सलवाद खत्म हो रहा'

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने सेवानिवृत्त होने के बाद कई मुद्दों पर बेबाकी से बात रखी है। इनमें न सिर्फ कुछ राज्यों की बुलडोजर कार्रवाई को लेकर खुल कर बात की गई है, बल्कि संविधान पर हमले को लेकर उठ रही चर्चाओं तक पर जवाब दिया गया है। ऐसा ही एक इंटरव्यू में सीजेआई (रिटायर्ड) ने कई सवालों के जवाब दिए हैं।

**'संविधान खतरे में है' की चर्चाओं पर क्या बोले पूर्व सीजेआई**

रिटायर्ड जस्टिस गवई ने कहा कि वे नहीं मानते कि संविधान खतरे में है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संविधान बदला ही नहीं जा सकता 1973 का जजमेंट से एकदम साफ है।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 1973 में केशवानंद भारती मामले में सुनवाई के दौरान फैसला दिया था कि संविधान के मूल ढांचे से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

**न्यायपालिका में सरकार के हस्तक्षेप पर :**

जस्टिस (रि.) गवई ने इस मुद्दे पर कहा, सरकार का न्यायपालिका में कोई हस्तक्षेप नहीं है। ये बात गलत है कि सरकार का न्यायपालिका में कोई हस्तक्षेप होता है।

कॉलेजियम किसी के दबाव में काम नहीं करता है। पूर्व सीजेआई से इंटरव्यू में जब सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर सवाल किया गया तो उन्होंने इस खतरे के मद्देनजर संसद को कानून बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल हो रहा है सभी को मिलकर इसके लिए काम करना पड़ेगा और संसद को कानून बनाना चाहिए जो इस खतरे को नियंत्रण में ला सके।

**अपने कार्यकाल और रिटायरमेंट के बाद पद लेने पर**

रिटायर्ड जस्टिस ने कहा, मैं अपने कार्यकाल से पूरी तरह संतुष्ट हूं। मुझे नहीं लगता कि कोई भी काम जो मैं करना चाहता था अगर नहीं पाया। इसके अलावा उन्होंने रिटायरमेंट के बाद पद लेने को गलत नहीं ठहरांया। गवई ने कहा कि मैंने कभी नहीं कहा रिटायरमेंट के बाद पद लेना गलत है। अदालतों में अलग-अलग मामलों पर सुनवाई करने वाले जजों को सोशल मीडिया पर ट्रोल किए जाने और उन्हें निशाना बनाए जाने की घटना पर भी रिटायर्ड जस्टिस ने अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि जज को निजी तौर पर निशाना बनाना और उन्हें ट्रोल करना सही नहीं है। इस दौरान उन्होंने अपने से जुड़े एक मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान विष्णु के बारे में उनकी टिप्पणी को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया था, जो कि गलत था।

# 22 दिन में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत

## ✻ मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा 9 लोगों की जान गई ✻ यूपी-गुजरात में 4-4 मौतें

नई दिल्ली/भोपाल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 12 राज्यों में 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं के घर दस्तक दे रहे 5.32 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) पर काम के दबाव का आरोप लग रहा है। एसआईआर प्रोसेस के दौरान 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत हो गई है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने केवल पश्चिम बंगाल में 34 लोगों की मौत का दावा किया। इन मौतों पर बंगाल, एमपी, राजस्थान, यूपी में सियासत जोरों पर है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग जिला और राज्यों की रिपोर्ट के इंतजार में है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि अब तक किसी काम के दबाव से किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है। पश्चिम बंगाल के मंत्री अरुप बिस्वास ने कहा है कि एसआईआर के चलते राज्य में 34 लोगों ने जान दी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि इसका उद्देश्य 'पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करना' और डर पैदा करना है।

**एक्सपर्ट बोले- आयोग ध्यान दे तो थोड़ी आसानी हो सकती है :**

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने कहा- आयोग ध्यान दे तो थोड़ी आसानी हो सकती है। जैसे, मध्य प्रदेश में बीएलओ को एप में कैप्चा भरना समस्या दे रहा था। उसे हटाने से काम आसान हो गया। बड़ी संख्या में फॉर्म अपलोड करने से सर्वर बैठ जाता है। ऐसे में फॉर्म अपलोड करने का काम रात में करके इसे ठीक किया गया। टीचर्स पर स्कूलों में दिसंबर में कोर्स पूरा कराने का भी दबाव है। डेडलाइन सिर पर है। बीएलओ अपने स्तर पर समाधान निकाल रहे हैं, जबकि यह काम सिस्टम को करना चाहिए था।

### भारतीय सेना में होंगे अहम बदलाव!

# जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने तय किए 4 टारगेट

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने चार अहम लक्ष्य तय किए हैं। उन्होंने 2047 तक तय किए गए इन 4 टारगेट को स्प्रिंगबोर्ड कहा है, जो आने वाले सालों में सेना में बड़े बदलाव लाएंगे। गुरुवार को दो दिवसीय चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन के मौके पर उन्होंने बताया कि ये चारों लक्ष्य 2047 तक सेना को बदलने की तीन चरणीय योजना का हिस्सा होंगे।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि सेना को सशक्त करने के लिए पहला लक्ष्य आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के माध्यम सशक्तिकरण है। जिसके नतीजे रक्षा निर्माण, अंतरिक्ष में उपलब्धियां और सैन्य तकनीक को सेना द्वारा तेजी से अपनाने में दिख रहे हैं। जबकि स्प्रिंगबोर्ड में दूसरा टारगेट इनोवेशन है। सेना प्रमुख ने दूसरे लक्ष्य पर बात करते हुए कहा, हमें अब एआई, साइबर, क्वांटम, अंतरिक्ष और एडवांस मटेरियल में प्रयोग से आगे बड़े पैमाने पर प्रभाव डालना होगा। उन्होंने कहा, स्प्रिंगबोर्ड में हमने अनुकूलन, पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार अहम है। उन्होंने चौथे प्रिंगबोर्ड पर बात करते हुए कहा कि है इसके तहत मिलिट्री सिविल फ्यूजन का टारगेट तय किया गया है। इसे विस्तार से समझाते हुए सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि युद्ध लड़ने की क्षमता का विकास एक मल्टी-एजेंसी, मल्टी मॉडल प्रयास है। जिसमें शिक्षाविदों, उद्योग और सेना को विभिन्न डोमेन में गहरी तालमेल हासिल करनी चाहिए।

**2047 तक चलेगी तीन-चरणीय योजना :**

कार्यक्रम में सेना प्रमुख जनरल ने भारतीय सेना की तीन-चरणीय योजना के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि योजना का पहला चरण 2032 तक पूरा होने की उम्मीद है। जबकि दूसरा चरण 2032 से 2037 तक चलेगा। जबकि तीसरा चरण 2037 से 2047 तक पूरा होगा।

सेना प्रमुख ने कहा कि दुनिया तेजी से बहुध्रुवीय होती जा रही है, जहां बड़ी शक्तियां लगातार एक-दूसरे से आगे निकलने और प्रतिस्पर्धा करने में लगी हुई हैं। दुनिया राष्ट्रीय सुरक्षा युद्ध लड़ने की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इससे यह मौलिक सवाल उठता है कि इस तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारतीय सेना को निर्णायक और तैयार रहने के लिए कैसे बदलना चाहिए।

# सोशल मीडिया पोस्ट में सीएम विजयन पर बम से हमले की धमकी

**खुद को नन कहने वाली महिला पर केस दर्ज**

तिरुवनंतपुरम, 27 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन पर सोशल मीडिया के जरिए बम से हमले की धमकी देने के आरोप में एक स्वयंभू नन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि टीना जोस नामक महिला के खिलाफ फेसबुक पर एक अन्य यूजर के पोस्ट पर कमेंट किया गया था। इसमें उन्होंने लिखा था- मुख्यमंत्री पर बम हमला करने की कथित अपील करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि नई दिल्ली स्थित एक वकील की शिकायत पर बुधवार को तिरुवनंतपुरम सिटी साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। स्वयंभू नन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से उकसावा) और 351(2) (आपराधिक डराना-धमकाना) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फेसबुक पोस्ट का स्रोत भी ढूंढने की कोशिश कर रही है और जल्द ही जोस से पूछताछ की बात कही गई है। बताया गया है कि यह घटना पिछले हफ्ते तब सामने आई जब सेल्टन एल डीसूजा नाम के व्यक्ति ने स्थानीय निकाय चुनाव अभियान के दौरान मुख्यमंत्री विजयन की भागीदारी से जुड़ी एक पोस्ट साझा किया। इसी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए जोस ने कथित रूप से मुख्यमंत्री पर बम हमले की बात कही थी। उन्होंने कमेंट में लिखा था- जो दुनिया पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जैसे अच्छे इंसान की हत्या कर सकती है, वह यह भी कर सकती है। बाद में जिस धार्मिक संगठन से वह पहले जुड़ी थीं, उसने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट किया कि उसकी सदस्यता उन्हें 2009 में ही रद्द कर दी गई थी।

# बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को 21 साल की जेल

## > भ्रष्टाचार के तीन मामलों में कोर्ट ने सुनाई सजा

ढाका, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की एक कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के तीन मामलों में कुल 21 साल की सजा सुनाई। ये तीनों मामले पुरबाचोल स्थित राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट में प्लॉट आवंटन में कथित गड़बड़ियों से जुड़े थे।

बांग्लादेश की सरकारी न्यूज एजेंसी के अनुसार, हसीना पर आरोप था कि उन्हें बिना किसी आवेदन के प्लॉट आवंटित किया गया और यह आवंटन कानूनी अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर किया गया। शेख हसीना इस समय भारत में हैं, इसलिए कोर्ट ने यह फैसला उनकी अनुपस्थिति में सुनाया। हर मामले में कोर्ट ने हसीना को सात-सात साल की सजा सुनाई, जो मिलाकर कुल 21 साल की कैद बनती है। कोर्ट ने हसीना परिवार के अलावा, पूर्व आवास राज्य मंत्री शरीफ अहमद तथा आवास मंत्रालय और राजधानी उन्नयन कर्त्रीपक्षा के अधिकारियों सहित कुल 20 अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया गया।

इनमें से एक को छोड़कर सभी को विभिन्न अवधि की सजा सुनाई गई। इस मामले में मंत्रालय के एक कनिष्ठ अधिकारी को बरी किया गया है। केवल एक आरोपी ने अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना किया और उसे तीन वर्ष की सजा सुनाई गई।

**इसी महीने फांसी का सजा का भी हुआ ऐलान :**

इससे पहले शेख हसीना को इस महीने की शुरूआत में मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में मौत की सजा सुनाई गई थी।

उन पर पिछले साल हुए जनविद्रोह के दमन का आरोप है, जिसके बाद उनकी 15 साल की सत्ता खत्म हो गई थी। शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग उनके खिलाफ चलाए जा रहे मुकदमों को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। उन्होंने अपने लिए किसी वकील की नियुक्ति नहीं की थी, जबकि अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने भी इन मुकदमों की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं।

# कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

### जमात-ए-इस्लामी के सपोर्ट नेटवर्क पर फोकस

श्रीनगर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बैन आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने के शक में कई लोगों के घरों-ठिकानों की तलाशी ली।

अधिकारियों ने बताया कि घाटी में सुरक्षा अभियान के तहत शोपियां, पुलवामा, श्रीनगर, बारामूला और कुलगाम में तलाशी ली है। इस दौरान पुलिस टीमों ने वेरिफिकेशन और कई लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने कहा कि सर्च ऑपरेशन का मकसद बैन संगठनों को दोबारा सक्रिय होने से रोकना, आतंकी सपोर्ट नेटवर्क और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। साथ ही आतंकियों को फाइनेंशियल और लॉजिस्टिक मदद करने वालों पर कार्रवाई करना है।

# 'अगर हाईकमान बुलाएगा तो दिल्ली जाएंगे'

## कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच सीएम का बयान

बेंगलूरू,27 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि अगर पार्टी आलाकमान उन्हें बुलाता है तो वे दिल्ली जाएंगे। सीएम का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में जारी खींचतान पर कहा कि पार्टी आलाकमान इस पर फैसला करेगा।

**कर्नाटक सरकार को ढाई साल का कार्यकाल पूरा :**

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को बीती 20 नवंबर को ढाई साल का वक्त पूरा हो गया। दरअसल जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो सिद्धारमैया के साथ ही डीके शिवकुमार भी सीएम पद के दावेदार थे। इसे लेकर कई दिनों तक खींचतान भी हुई और दोनों नेता दिल्ली भी गए थे। वहां पार्टी आलाकमान से चर्चा के बाद सिद्धारमैया का नाम तय हुआ था। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच ढाई-ढाई साल के लिए सीएम बनने की बात पर सहमति बनी। यही वजह रही कि अक्सर कर्नाटक सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की खबरें सुर्खियों में रहीं। अब जब ढाई साल का समय पूरा हो गया है तो नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज हो गई है। हाल ही में बेंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन का फैसला सभी से चर्चा के बाद लिया जाएगा।

## पाकिस्तान में निकाह कर फंसी सरबजीत कौर, भारतीय पति ने मांगा निर्वासन

### लाहौर एचसी पहुंचा मामला

अमृतसर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान स्थित पंजाब विधानसभा के पूर्व सदस्य महिंदर पाल सिंह ने लाहौर हाई कोर्ट में याचिका दायर कर उक्त महिला की गिरफ्तारी और उसे भारत वापस भेजने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि 48 वर्षीय सरबजीत कौर भारत से तीर्थयात्रियों के साथ पाकिस्तान आई थीं, लेकिन यहां पहुंचने के बाद अचानक लापता हो गईं। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि कौर संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हो सकती हैं और उनके खिलाफ भारत में भी आपराधिक रिकॉर्ड मौजूद है। उनका कहना है कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद पाकिस्तान में रहना राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मसला है, इसलिए उन्हें गिरफ्तार कर तुरंत निर्वासित किया जाए। सरबजीत कौर इस महीने की शुरुआत में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व में शामिल होने के लिए लगभग 2,000 सिख श्रद्धालुओं के साथ वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर पहुंची थीं। 13 नवंबर को सभी तीर्थयात्री भारत लौट गए, लेकिन कौर वापस नहीं आईं।

# आपत्तिजनक कंटेंट पर सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट

### सोशल मीडिया, ओटीटी कंटेंट पर सरकार से 4 हफ्तों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेफॉर्म पर काफी संख्या में आपत्तिजनक कंटेंट मौजूद है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से 4 हफ्तों में जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जैसे ही आप फ़ोन चालू करते हैं और कुछ ऐसा आ जाता है जो आप नहीं चाहते या आप पर थोपा जाता है, तो क्या? अश्लीलता किताबों, पेंटिंग आदि में हो सकती है। अगर नीलामी होती है, तो प्रतिबंध भी हो सकते हैं। न्यायमूर्ति जयमाला बागची ने कहा कि ऐसे लोगों के लिए चेतावनी होनी चाहिए जो ऐसा कंटेंट से चौंक सकते हैं।

**चेतावनी सिर्फ कुछ सेकंड के लिए**

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, देखिए, मुद्दा यह है कि अस्वीकरण दिया जाता है और शो शुरू हो जाता है। लेकिन जब तक आप इसे न देखने का फैसला करते हैं, तब तक यह शुरू हो जाता है।

चेतावनी कुछ सेकंड के लिए हो सकती है। फिर शायद आपका आधार कार्ड वगैरह मांगा जाए, ताकि देखने वाले की उम्र पता लग सके और फिर कार्यक्रम शुरू हो। जस्टिस बागची ने कहा, इसको लेकर एक चेतावनी होनी चाहिए, अगर ऐसा कुछ अनचाहा कंटेंट किसी यूजर को चौंकाता है। ये सिर्फ 18 साल से अधिक उम्र जैसा नहीं।।। बल्कि ये कहना कि ऐसा कंटेंट आम उपभोग के लिए नहीं है।

**एक जिम्मेदार समाज बनाने की जरूरत**

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम जाहिर है, एक सुझाव दे रहे हैं।।। एक समिति का गठन होना चाहिए, जो विशेषज्ञों का एक समूह हो सकता है। इसमें न्यायपालिका और मीडिया से भी कोई शामिल हो सकता है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर कुछ सामने आने दें और अगर इससे अभिव्यक्ति की आज़ादी बाधित होती है, तो उस पर विचार किया जा सकता है। हमें एक जिम्मेदार समाज बनाने की जरूरत है और एक बार ऐसा हो जाए, तो ज्यादातर समस्याएं हल हो जाएंगी।

**ऑपरेशन सिंदूर में भी यही देखने को मिला।।।**

न्यूज ब्रॉडकास्टिंग ऑर्गेनाइजेशंस द्वारा यह दलील दिए जाने पर कि नए नियमों का मतलब सेंसरशिप नहीं होना चाहिए। इस पर जस्टिस जॉयमाला बागची ने कहा कि 48 घंटे बाद कंटेंट हटाने की कार्रवाई की गई और तब तक ये वायरल हो चुका था। ऑडियो वीडियो के लिए प्री-पब्लिकेशन सेंसरशिप है। ऐसा क्यों है।।। क्योंकि यह तेज़ी से फैलने की क्षमता रखता है। सोशल मीडिया के लिए यह और भी अस्पष्ट है, क्योंकि यह सीमाओं को पार कर वैश्विक हो जाता है। बेशक, अधिकारों का गला घोंटने का विचार नहीं है।

लेकिन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ कंटेंट को व्यवस्थित करने की बेहद शक्ति है। मुख्य न्यायाधीश कांत ने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था । एक्स पर एक व्यक्ति था। उसने आकर पोस्ट किया कि मैं पाकिस्तान के साथ हूं। फिर उसने कहा कि उसने एक घंटे बाद पोस्ट हटा दिया, तो क्या हुआ? नुकसान तो हो ही चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को उपयोगकर्ता-जनित सामग्री, सोशल मीडिया/ओटीटी सामग्री से निपटने के लिए नियम बनाने हेतु चार हफ़्ते का समय दिया।

# दिल्ली के करोल बाग में अवैध मोबाइल फैक्ट्री का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी के करोल बाग थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को अवैध मोबाइल फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो गैर-कानूनी रूप से मोबाइल असेंबलिंग और आईएमईआई से छेड़छाड़ करते थे। आरोपियों के कब्जे से कुल 1826 मोबाइल फोन (कीपैड और स्मार्टफोन) बरामद किए गए। पुलिस से मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, आरोपियों से आईएमईआई बदलने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लैपटॉप जब्त किया गया है। मालूम हो कि करोल बाग थाने की पुलिस पिछले 15 दिनों से इलाके में गैर-कानूनी मोबाइल फोन गतिविधियों को रोकने के लिए काम कर रही थी, इस दौरान, दिल्ली के करोल बाग में बीडनपुरा, गली नंबर 22 में एक बिल्डिंग से चल रही अवैध मोबाइल बनाने और सॉफ्टवेयर के जरिए आईएमईआई बदलने वाली यूनिट के बारे में जानकारी मिली। आरोपित गैर-कानूनी तरीके से बदले हुए डिवाइस को बाजार में बेचते थे। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे कबाड़ बेचने वालों से पुराने मोबाइल फोन खरीद रहे थे।

उन्होंने बताया कि नए मोबाइल बॉडी पार्ट्स चीन से खरीदे गए थे। इन डिवाइस को पुराने मदरबोर्ड को इन नई बॉडी के साथ मिलाकर असेंबल किया गया था। इसके अलावा यह भी पता चला कि असेंबल किए गए मोबाइल के आईएमईआई नंबर सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके बदले गए थे। आरोपियों ने कबूल किया कि वे पिछले दो सालों से चुपके से यह गैर-कानूनी रैकेट चला रहे थे। मामले को लेकर करोल बाग थाने में केस दर्ज किया गया और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

# भतीजे अजित पर भड़के शरद पवार

### बोले- वित्तीय आश्वासनों के आधार पर वोट मांगना गलत

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के 'वोट दो नहीं तो फंड नहीं' वाले बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के प्रमुख शरद परवार ने निशाना साधा है। शरद पवार ने कहा है कि वित्तीय आश्वासनों के आधार पर वोट मांगना बिल्कुल गलत है। पुणे जिले के बारामती में मीडिया से बातचीत के दौरान शरद पवार ने यह भी कहा कि राज्य सरकार की ओर से बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को दी गई आर्थिक सहायता नाकाफी है। गौरतलब है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष अजित पवार ने पिछले हफ्ते बारामती के मालेगांव में मतदाताओं से कहा था कि अगर वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनते हैं तो वे फंड की कमी नहीं होने देंगे, लेकिन अगर वे उन्हें नकारते हैं तो वह भी नकार देंगे। बता दें कि महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानीय निकायों के चुनाव 2 दिसंबर को होने वाले हैं। उपमुख्यमंत्री के बयान के बाद राज्य कोषागार पर नियंत्रण को लेकर जारी बहस पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार ने कहा कि इस समय यह प्रतिस्पर्धा चल रही है कि कितना फंड दिया जाए। उन्होंने कहा, "काम के आधार पर वोट मांगने के बजाय वित्तीय आश्वासनों पर वोट मांगे जा रहे हैं। यह सही नहीं है। अगर चुनाव जीतने का लक्ष्य सिर्फ वित्तीय पहलुओं को सामने रखकर है, तो ऐसी टिप्पणियों की क्या आवश्यकता है।" हाल ही में राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण हुए नुकसान पर बात करते हुए राकांपा (एसपी) प्रमुख ने कहा कि किसानों को पर्याप्त मदद की आवश्यकता थी।

उन्होंने कहा, "राज्य ने किसानों के लिए एक वर्ष तक कर्ज वसूली रोकने का फैसला लिया है। यह कदम किसानों को अस्थायी राहत देगा, लेकिन लंबी अवधि में नहीं। किसानों को हुए नुकसान को देखते हुए राज्य को आंशिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए थी, जिससे उन्हें ठीक ढंग से मदद मिल पाती।"

## नवजात बेचने वाला गिरोह पकड़ा नौ गिरफ्तार

जालंधर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जालंधर देहात पुलिस ने नकोदर क्षेत्र से नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि यह गिरोह अब तक कई बच्चों को 3 से 5 लाख रुपये में बेच चुका है। पुलिस ने कुल नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 6 महिलाएं और 3 पुरुष शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक पिता भी शामिल है, जिसने अपना ही नवजात बेटा 3 लाख रुपये में बेच दिया। पिता ने अपनी पत्नी को झूठ कहकर बहला दिया कि बच्चा मृत पैदा हुआ था और उसकी बेहोशी की हालत में ही अंतिम संस्कार कर दिया गया। सूचना मिलने पर जालंधर देहात पुलिस ने विशेष जाल बिछाया और सौदा करने के दौरान ही पिता सहित पूरी टीम को पकड़ लिया।

## खुद को आईएएस अधिकारी बताने वाली संदिग्ध महिला गिरफ्तार

# पाकिस्तान से फंडिंग कनेक्शन भी आया सामने

छत्रपति संभाजीनगर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में खुद को आईएएस अधिकारी बताकर फाइव स्टार होटल में रह रही एक संदिग्ध महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, महिला के बैंक खातों में अफगानिस्तान में रहने वाले उसके बॉयफ्रेंड और पाकिस्तान में उसके भाई के खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर की गई थी।

महिला के खिलाफ सिडको पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। वहीं एटीएस और आईबी की टीम ने भी महिला से गहन पूछताछ शुरू कर दी है। गिरफ्तार की गई महिला का नाम 45 वर्षीय कल्पना त्रिंबकराव भागवत है और वह चिनार गार्डन, पडेगांव की रहने वाली है। पुलिस जांच में उसके अफगानिस्तान-पाकिस्तान कनेक्शन का भी खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, महिला के बैंक खातों में अफगानिस्तान में रहने वाले उसके बॉयफ्रेंड अशरफ खलील और पाकिस्तान में उसके भाई आवेद खलील के खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर की गई थी। महिला के मोबाइल में इन दोनों विदेशियों के पासपोर्ट, वीज़ा और भारत आने की आवेदन कॉपी जैसी संवेदनशील तस्वीरें भी मिली हैं।

**आईएएस की नियुक्ति पत्र की बनावटी फोटो कॉपी बरामद**

पुलिस द्वारा कमरे की तलाशी लेने पर महिला ने शुरुआत में रौब दिखाकर पूछताछ से बचने की कोशिश की, लेकिन उसके बैग से यूपीएससी 2017 की चयन सूची की फर्जी कॉपी, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) नियुक्ति पत्र की बनावटी फोटो कॉपी बरामद हुई। यह दस्तावेज़ देखकर पुलिस ने तुरंत महिला को हिरासत में ले लिया। महिला के खिलाफ सिडको पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। सूत्रों के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस और आईबी ने भी महिला से गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

## शातिर पत्नी: महिला ने पति को नशेड़ी बता भेज दिया डी-एडिक्शन सेंटर जीजा के साथ मिलकर किया कांड, अब फरार

जगरांव, 27 नवंबर (एजेंसियां)। (पंजाब)लुधियाना के जगरांव के गांव ढोलन की एक महिला ने अपने ही पति को जायदाद हड़पने की नीयत से साजिश के तहत उसे नशा छुड़वाओ केंद्र में भर्ती करवा दिया। इसके बाद महिला ने घर की संपत्ति को बेच दिया। यह कांड उसने अपने जीजा के साथ मिलकर किया। आरोपी महिला की ससुर ने पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने जांच के बाद महिला और उसके जीजा के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं।

थाना सदर के इंचार्ज सुरजीत सिंह ने बताया कि पीड़ित गुरदीप सिंह ने शिकायत में बताया कि उसके दो बेटों में से एक की मौत हो चुकी है और दूसरा बेटा दर्शन सिंह उसके साथ ही रहता था। उनके पास गांव में करीब 4 एकड़ जमीन है। दर्शन सिंह की शादी वर्ष 2013 में वीरपाल कौर निवासी गांव दुलेवाल से हुई थी। तीन वर्षों से पति-पत्नी में विवाद चल रहा था।

# बिहार के बाद अब मिशन बंगाल

### पांच जोन, पांच महीना, बीजेपी का 'पांडव' प्लान तैयार

कोलकाता, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने बड़ा प्लान तैयार किया है। बिहार चुनाव में सफलता के बाद पार्टी ने राज्य को पांच प्रमुख जोनों में बांटकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की रणनीति बनाई है। इसके लिए छह राज्यों से 12 वरिष्ठ नेताओं को बंगाल में तैनात किया गया है, जिनमें छह संगठन मंत्री और छह सहायक नेता या मंत्री शामिल हैं। ये नेता अगले पांच महीनों तक बंगाल में डेरा डालेंगे और टीएमसी के गढ़ों में सेंध लगाने के साथ-साथ वेलफेयर योजनाओं का प्रचार करेंगे। पार्टी का लक्ष्य है कि इस दौरान 75 प्रतिशत बूथ प्रमुखों की बहाली हो जाए और वोट शेयर में कम से कम पांच से सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हो।

**भूपेंद्र यादव को बंगाल की जिम्मेदारी**

केंद्रीय स्तर पर जिम्मेदारी भूपेंद्र यादव को दी गई है, जो बंगाल के लिए मुख्य चुनाव प्रभारी होंगे। उनके साथ पूर्व त्रिपुरा सीएम और लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार देब सह-प्रभारी के रूप में काम करेंगे।

**छह राज्यों से 12 वरिष्ठ नेताओं की तैनाती**

हर जोन में एक संगठन मंत्री और एक वरिष्ठ नेता तैनात किया गया है। उदाहरण के लिए, उत्तर बंगाल की जिम्मेदारी अरुणाचल प्रदेश के संगठन मंत्री नारायण मिश्र को दी गई है, जबकि राढ़बंगा क्षेत्र में पवन साईं और धन सिंह रावत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह हावड़ा में पवन राणा और संजय भाटिया, मेदिनीपुर में यूपी के मंत्री जेपीएस राठौर, और कोलकाता-दक्षिण 24 परगना में हिमाचल के एम। सिद्धार्थन और कर्नाटक के सीटी रवि को तैनात किया गया है। उत्तर बंगाल जोन की निगरानी राजस्थान के पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी करेंगे।

**उत्तर बंगाल बीजेपी के लिए खास**

बता दें कि उत्तर बंगाल बीजेपी के लिए खास महत्व रखता है क्योंकि यह क्षेत्र राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से लगभग 54 सीटों को कवर करता है। यह नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की सीमाओं से सटा हुआ है, जिससे इसका रणनीतिक महत्व बढ़ जाता है। बीजेपी ने यहां बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया है। इस जोन में दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार, मालदा, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जैसे जिले शामिल हैं। इन जिलों में राज्य के कुल वोट शेयर का 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने यहां 40 प्रतिशत से अधिक सीटें जीती थीं। पार्टी का लक्ष्य है कि इस बार वोट शेयर को 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 44 से 45 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए।

**5 महीने की तैनाती**

बीजेपी की पांच महीने की तैनाती नवंबर 2025 से अप्रैल 2026 तक चलेगी। यह रणनीति बिहार मॉडल पर आधारित है, जिसमें 'ग्राम चालो' जैसे ग्रामीण कार्यक्रम, हिंदू वोट एकीकरण और वेलफेयर योजनाओं का प्रचार शामिल है। दिसंबर से चुनावी जनसभाओं और रैलियों की शुरुआत होगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह कैंपेन का नेतृत्व करेंगे।

## निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

# कल्याण इकाई के अध्यक्ष समेत कई नेताओं ने दिया इस्तीफा

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए बुरी खबर है क्योंकि ठाणे में पार्टी के कई नेताओं ने एक साथ इस्तीफा दे दिया है। ठाणे के कल्याण में कांग्रेस के तमाम पदाधिकारियों ने कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका यानी केडीएमसी चुनाव से पहले इस्तीफा दे दिया है।

त्यागपत्र देने वालों में कांग्रेस की कल्याण यूनिट के चीफ सचिन पोटे भी शामिल हैं। देखें कांग्रेस नेताओं ने इसका क्या कारण बताया है। बताया जा रहा है कि केडीएमसी चुनाव प्रस्तावित हैं लेकिन पार्टी की तरफ से इसका प्रोग्राम अभी तक घोषित नहीं किया गया है। सचिन पोटे ने बुधवार को त्यागपत्र देने के बाद मीडिया से कहा कि उनका इस्तीफा आलाकमान के उस निर्देश के बाद आया है, जिसमें नए पदाधिकारियों के लिए जगह बनाने की बात कही गई थी। सचिन पोटे ने कहा कि यह फैसला किसी प्रकार की नाराजगी का संकेत नहीं है।

बाहरी दबावों और अन्य सियासी दलों से उनकी पार्टी में शामिल होने के प्रपोजल मिलने के बावजूद वह और उनके समर्थक कांग्रेस की आईडियोलॉजी और उसके नेतृत्व के प्रति वफादार रहेंगे। जान लें कि दिसंबर के पहले हफ्ते में महाराष्ट्र में निकाय चुनाव है। 2 दिसंबर को महाराष्ट्र के 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के चुनाव के लिए मतदान होगा, और इसका परिणाम अगले ही दिन 3 दिसंबर को घोषित किया जाएगा। वहीं, नगर निगम चुनाव के अगले साल जनवरी 2026 में होने की उम्मीद है।

# पुलिस की बड़ी छापेमारी, प्रतिबंधित संगठन जेईएल से जुड़े लोगों पर कार्रवाई

जम्मू, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) के कुछ सदस्यों की कथित देश-विरोधी गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की है। पुलिस ने गुरुवार (27 नवंबर) को उससे जुड़े कई जगहों पर सुबह-सुबह छापे मारे और तलाशी ली। ये छापे बडगाम, अनंतनाग, शोपियां और कुपवाड़ा जिलों में मारे गए और जांच के लिए कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार (27 नवंबर) सुबह बडगाम जिले के चदूरा, सोइबुघ और बीरवाह इलाकों में मिलकर तलाशी अभियान चलाए गए। छापे पूरी तरह से कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार मारे गए और इसमें पुलिस अधिकारियों, महिला पुलिसकर्मियों और स्थानीय नंबरदारों की टीमें शामिल थीं।

**हंदवाड़ा के वारीपोरा में भी पुलिस की छापेमारी**

तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने जेईएल से जुड़े लोगों के घरों के साथ-साथ जेईएल से जुड़े संस्थानों से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज और दूसरा सामान ज़ब्त किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हंदवाड़ा के वारीपोरा में जामिया इस्लामिया संस्थान में भी छापा मारा और परिसर की पूरी तलाशी ली गई।

**भरोसेमंद इनपुट के आधार पर कार्रवाई**

अधिकारियों ने कहा कि यह रेड संदिग्ध गैर-कानूनी गतिविधियों और बैन संगठनों के साथ संभावित लिंक के बारे में 'भरोसेमंद इनपुट' के आधार पर की गई थी। ऑपरेशन के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए और उन्हें फोरेंसिक जांच के लिए ज़ब्त कर लिया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, इन्वेस्टिगेटर मटेरियल का एनालिसिस कर रहे हैं ताकि इसके इस्तेमाल का पता लगाया जा सके और किसी भी संदिग्ध कनेक्शन को वेरिफाई किया जा सके, जिसमें बैन जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) के साथ संभावित लिंक भी शामिल हैं।

**टेरर सपोर्ट स्ट्रक्चर को खत्म करने को लेकर एक्शन**

अनंतनाग पुलिस ने भी बैन संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) पर इस बड़ी कार्रवाई के तहत जिले में कई जगहों पर बड़े पैमाने पर रेड मारी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, जेईएल सदस्यों और उनके साथियों से जुड़े रिहायशी इलाकों और दूसरी जगहों पर तलाशी ली गई, ताकि टेरर इकोसिस्टम और उसके सपोर्ट स्ट्रक्चर को खत्म करने की चल रही कोशिशों को पूरा किया जा सके।

**एसपी मुश्ताक अहमद चौधरी ने रेड को लेकर की पुष्टि**

अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में पुलिस ने बैन जमात-ए-इस्लामी (जेईएल) से जुड़े लोगों और जगहों को टारगेट करते हुए कई जगहों पर मिलकर तलाशी शुरू की। सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, मुश्ताक अहमद चौधरी ने कन्फर्म किया कि पुलिस टीमों ने शोपियां शहर और तुर्कवांगम, इमामसाहिब, बरथीपोरा और ज़ैनपोरा समेत कई गांवों में तलाशी ली। जमात-ए-इस्लामी जम्मू और कश्मीर को पहली बार फरवरी 2019 में कथित अलगाववादी गतिविधियों के लिए अनलॉफुल एक्टिविटीज़ (प्रिवेंशन) एक्ट (यूएपीए) के तहत बैन किया गया था। फरवरी 2024 में बैन को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया गया था, जिसमें गृह मंत्रालय ने कहा था कि संगठन राष्ट्रीय सुरक्षा और पब्लिक ऑॅर्डर के लिए खतरा बना हुआ है।

## 'कंगना रनौत के बयान बेहद जहरीले', कैंसर जैसे घुसपैठिए वाले बयान पर कांग्रेस ने साधा निशाना

मंडी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत ने घुसपैठियों को लेकर जो बयान दिया उस पर सियासत तेज हो गई है। कंगना ने घुसपैठियों को शरीर में कैंसर की तरह बताया जिस पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कंगना के सारे बयान जहरीले होते है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने बीजेपी सांसद पर निशाना साधते हुए कहा कि कंगना रनौत के सारे बयान बेहद जहरीले हैं। उन्हें राजनीति की तो कोई समझ नहीं है और जिस तरह से वो लगातार हमारे पंजाब के किसानों, हमारी धरती माता के बेटों और हमारे अन्नदाताओं को आतंकवादी कहती हैं। जो उनकी माताओं और बहनों को कह सकती है कि ये सौ-सौ रुपये में धरने पर बैठती है ऐसे बेहुदे लोगों के खिलाफ बयान देने का कोई मतलब नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जिनके पास राजनीति की तमीज़ न हो जो अपने क्षेत्र में ये कहें कि मैं नहीं आ सकती जब प्राकृतिक आपदा आई हो और वो फिल्म की शूटिंग कर रही हों। ऐसे लोगों के बयानों को कोई महत्व नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी है, जो ऐसे बेहूदे लोगों को ही सांसद बनाती है। बता दें कि देश में एसआईआर को लेकर हो रही सियासत पर कंगना रनौत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर पर निशाना साधते हुए कहा कि था कि देश उनकी धमकियों से डरने वाला नहीं है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 28 नवंबर, 2025 3

सुविचार: मौन से मस्तिष्क को आराम मिलता है और इसका अर्थ है शरीर को आराम मिलना

# सड़क और भवन विभाग की तेलंगाना के विकास में निर्णायक भूमिका : कोमटिरेड्डी

## मंत्री ने 'विजन 2047' की समीक्षा की, विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचा पर जोर

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन तथा सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को मुख्यालय, एर्रमांज़िल, हैदराबाद में राज्य की दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा योजना विजन 2047 की विस्तृत समीक्षा की। इस समीक्षा में मंत्री वकाती श्रीहरी, आरडीसी अध्यक्ष मल्ल रेड्डी राम रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव विकास राज, आरएंडबी ईएनजी मोहन नाइक, जयभारी और एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी शिव शंकर आदि वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मंत्री ने कहा कि सड़क और भवन विभाग तेलंगाना के विकास में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि सरकार मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के $3 ट्रिलियन तेलंगाना अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने की दिशा में काम कर रही है। कोमटिरेड्डी ने अधिकारियों को अगले 5, 10 और 15 वर्षों की यातायात आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने और भविष्य की मोबिलिटी मांगों को पूरा करने के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि केवल दो वर्षों में आरएंडबी प्रणाली में एक करोड़ वर्ग फीट का निर्माण कार्य पूरा करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और वर्तमान प्रशासन के तहत बुनियादी ढांचा विकास की गति को दर्शाता है। मंत्री ने कहा कि कई मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएँ जैसे एनएएम मॉडल सड़क कार्य, रीजनल रिंग रोड (आरआरआर), आउटर रिंग रोड से रेडियल रोड, एक्सप्रेसवे और एलीवेटेड कॉरिडोर तेलंगाना की कनेक्टिविटी इकोसिस्टम को पूरी तरह बदल देंगी। उन्होंने नए हवाईअड्डों, हाई-स्पीड कॉरिडोर और शहरी एलीवेटेड मोबिलिटी सिस्टम से संबंधित प्रस्तावों को तेज करने पर भी जोर दिया ताकि आर्थिक विकास, औद्योगिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। अधिकारियों को मौजूदा सड़क नेटवर्क सिंगल लेन, डबल लेन और फोर-लेन को वर्गीकृत करने और भविष्य की मांग के अनुसार परियोजना-वार अपग्रेडेशन योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। 8 और 9 दिसंबर को होने वाले ग्लोबल समिट के मद्देनज़र, मंत्री ने विभाग को उच्च गुणवत्ता वाला वीडियो प्रेजेंटेशन और विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करने को कहा, जिसमें पूर्ण हुई परियोजनाएँ और आगामी प्रमुख परियोजनाएँ जैसे मन्नानुर-श्रीसैलम एलीवेटेड कॉरिडोर, भारत फ्यूचर सिटी-बंदरु पोर्ट ग्रीनफील्ड हाईवे और हैदराबाद-विजयवाड़ा एक्सप्रेसवे शामिल हों। कोमटिरेड्डी ने कहा कि नया विज़न डॉक्यूमेंट सरकार की विश्व-स्तरीय बुनियादी ढांचा, दीर्घकालिक योजना और भविष्य के लिए तैयार कनेक्टिविटी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाएगा।

## जीएचएमसी ने विज्ञापन अनुमति जारी करने की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत किया

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ने वाणिज्यिक और व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए विज्ञापन और नाम बोर्ड से संबंधित अनुमति प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत करने की घोषणा की है।

इन अनुमतियों को पहले केवल जीएचएमसी मुख्य कार्यालय में ही प्रक्रिया के लिए प्रस्तुत किया जाता था, लेकिन अब इन्हें सर्कल स्तर पर संभाला जाएगा, ताकि तेज और नागरिक-अनुकूल सेवा सुनिश्चित की जा सके। इस विकेंद्रीकरण के साथ, नागरिक अब अपने संबंधित सर्कल के डिप्टी कमिश्नरों से व्यवसायिक परिसरों में साइनबोर्ड लगवाने से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं के लिए संपर्क कर सकते हैं। जीएचएमसी ने यह भी स्पष्ट किया कि विज्ञापन और नाम बोर्ड अनुमतियों के लिए सभी आवेदन ऑनलाइन आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत किए जाने चाहिए। निगम ने नागरिकों और व्यवसाय मालिकों से अपील की है कि वे इस सुव्यवस्थित प्रणाली का उपयोग करें, ताकि आवेदन तेजी से संसाधित हों और पहुंच आसान हो।

# मंत्री सीतक्का का बीआरएस पर तीखा हमला

## स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी आरक्षण घटाने का मामला

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव द्वारा लगाए गए उन निराधार आरोपों की कड़ी निंदा की है, जिनमें उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस सरकार ने बीसी आरक्षण को घटाकर 17 प्रतिशत कर दिया है। उन्होंने कहा कि के.टी. रामाराव के बयान पूरी तरह गलत हैं और बीसी आरक्षणों को लेकर फैलाए जा रहे इन झूठों से जनता भ्रमित नहीं होगी।

गुरुवार को प्रजा भवन में बोलते हुए सीतक्का ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जाति जनगणना और आरक्षण प्रक्रिया को पूरी ईमानदारी के साथ पूरा किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 2014 में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बीसी समुदाय को 34 प्रतिशत आरक्षण दिया था, लेकिन 2019 में बीआरएस सरकार ने बीसी आरक्षण को घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया और बीसी वर्ग के साथ बड़ी अन्याय किया। उन्होंने कहा कि बीसी समाज इस अन्याय को कभी नहीं भूलेगा।

सीतक्का ने बताया कि 2019 के स्थानीय निकाय चुनावों में जब बीआरएस सरकार ने सरपंच पदों को राज्य स्तरीय इकाई मानकर आरक्षण तय किया था, तब सुप्रीम कोर्ट ने इस नीति को गलत पाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार सरपंच पदों का आरक्षण मंडल इकाई के आधार पर और वार्ड सदस्यों का आरक्षण ग्राम पंचायत इकाई के आधार पर तय किया गया। मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा का पालन करना अनिवार्य था। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ मंडलों में एससी/एसटी आबादी अधिक होने के कारण कुल सीमा से अधिक न हो जाए, इसलिए बीसी आरक्षणों में कुछ आवश्यक बदलाव किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि स्थानीय निकाय चुनावों में देरी होती है, तो केंद्र से मिलने वाले 3,000 करोड़ रुपये रुक जाएंगे, जिससे गांवों के विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। सीतक्का ने कहा कि सरकार बीसी आरक्षण बढ़ाने की दिशा में संघर्षरत है और कांग्रेस पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी समुदाय के लिए 42 प्रतिशत सीटें देने को तैयार है। उन्होंने पूछा कि क्या बीआरएस भी बीसी समुदाय को 42 प्रतिशत सीटें देने के लिए तैयार है।

## साइबराबाद पुलिस और जीएचएमसी ने ट्रैफिक सुधार पर की संयुक्त बैठक

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस और जीएचएमसी (सेरिलिंगमपल्ली और चारमीनार ज़ोन) के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक आज साइबराबाद सीपी ऑफिस में हुई। बैठक का उद्देश्य क्षेत्र में ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाना और शहरी गतिशीलता सुधारना था। बैठक में साइबराबाद के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) गजराज भूपाल और जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारी भोरखड़े हेमंत, वी. प्रशांति, बी.एल. श्रीनिवास राव, जी. श्रीलक्ष्मी और बी. हरीश उपस्थित थे। प्रमुख मुद्दों में जाम कम करना, पैदल यात्रियों की सुरक्षा, जल निकासी सुधार और खासकर आईटी कॉरिडोर में बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर ध्यान दिया गया।

इस दौरान प्रमुख चौराहों पर अंडरपास, फ्लाईओवर और फुटओवर ब्रिज का निर्माण, आईटी जंक्शन पर केएनआर कार्यों के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन के लिए वैकल्पिक मार्ग योजना, फुटपाथ, स्काईवॉक, सर्विस रोड और संरक्षित क्रॉसिंग का विकास आदि पर चर्चा की गई। बैठक में डीसीपी साई मनोहर और रंजन रतन कुमार, एसीपी, (माधापुर, मेदचाल, बालानगर), ट्रैफिक इंस्पेक्टर और जीएचएमसी इंजीनियर शामिल हुए। इस समन्वित प्रयास का लक्ष्य ट्रैफिक अनुशासन को सुदृढ़ करना, यात्रियों की सुविधा बढ़ाना और साइबराबाद में बुनियादी ढांचे की तैयारी सुनिश्चित करना है।

# दीक्षा दिवस की तैयारियों पर बोले हरीश राव

## > तेलंगाना गठन में केसीआर के उपवास को बताया निर्णायक

सिद्दीपेट, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि यदि के. चंद्रशेखर राव ने 29 नवंबर 2009 को आमरण अनशन शुरू नहीं किया होता, तो तेलंगाना राज्य का सपना अधूरा रह जाता। इसी ऐतिहासिक दिन को दीक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरुवार को बीआरएस कार्यकर्ताओं के साथ दीक्षा दिवस की तैयारियों की बैठक को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि केसीआर के उपवास ने केंद्र सरकार को 9 दिसंबर 2009 को राज्य गठन की घोषणा करने के लिए मजबूर किया, जिसके बिना 2 जून 2014 को तेलंगाना का गठन संभव नहीं था।

उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद सिद्दीपेट को अलग जिले का दर्ज़ा मिला और गोदावरी का पानी पहुंचाने के लिए कई जलाशयों का निर्माण किया जा सका। पिछले एक दशक में जिले में रेलवे लाइन, मेडिकल कॉलेज सहित कई विकास कार्य शुरू किए गए। हरीश राव ने आंदोलन में सिद्दीपेट निवासियों की भूमिका को याद करते हुए बताया कि लोगों ने 9 नवंबर 2009 से लेकर राज्य गठन तक पुराने बस स्टैंड पर लगातार 1,531 दिनों तक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि बस अड्डे पर बना शहीद स्मारक नए बस अड्डे के निर्माण के दौरान आरटीसी द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था और नया स्मारक बनाने की अनुमति भी नहीं दी गई। इसलिए बीआरएस ने विधायक कैंप कार्यालय के पास एक नया स्मारक बनाने का निर्णय लिया है, जिसका शिलान्यास दीक्षा दिवस पर किया जाएगा। उन्होंने तेलंगाना समर्थक संगठनों, बीआरएस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों से शनिवार को बड़े पैमाने पर दीक्षा दिवस में शामिल होने की अपील की। साथ ही, लोगों से सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर आंदोलन के दौरान ली गई दुर्लभ तस्वीरें साझा करने को भी कहा। बैठक में विधायक कोथा प्रभाकर रेड्डी, एमएलसी देशपति श्रीनिवास, एमएलसी डॉ.वी. यादव रेड्डी, तथा बीआरएस नेता फारूक हुसैन और वंतेरू प्रताप रेड्डी उपस्थित थे।

# हैदराबाद विश्वविद्यालयों में अधूरी कार्यकारी समितियां

## > निर्णय प्रक्रिया और स्वायत्तता पर उठे सवाल

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग दो वर्ष बीत जाने के बावजूद तेलंगाना की कांग्रेस सरकार राज्य के विश्वविद्यालयों में पूर्ण कार्यकारी समितियों (ईसी) का गठन नहीं कर सकी है। इसके चलते 10 से अधिक विश्वविद्यालय छोटी कार्यकारी समितियों के आधार पर संचालित हो रहे हैं, जिससे शासन और निर्णय लेने की गुणवत्ता पर चिंता बढ़ गई है। कार्यकारी समिति किसी भी विश्वविद्यालय की सर्वोच्च निर्णयकारी इकाई होती है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में कुलपति, शिक्षा विभाग के दो अधिकारी और वित्त विभाग का एक पदेन सदस्य ही समिति चला रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल न किए जाने से समिति का मूल उद्देश्य भी अधूरा रह गया है।

काकतीय विश्वविद्यालय को छोड़कर राज्य के सभी पारंपरिक व तकनीकी विश्वविद्यालयों में पूर्ण कार्यकारी समिति नहीं है। प्रदेश के सबसे पुराने उस्मानिया विश्वविद्यालय में भी पिछले एक वर्ष से पूर्ण समिति का इंतज़ार बना हुआ है। फिलहाल इसकी समिति में कुलपति प्रो. कुमार मोलुगरम, शिक्षा सचिव डॉ. योगिता राणा, तकनीकी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त ए. श्रीदेवसेना और वित्त सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया शामिल हैं, जबकि समिति के कुल 12 सदस्य होने चाहिए। डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय भी दो वर्षों से पूर्ण कार्यकारी समिति की प्रतीक्षा में है। राज्य सरकार ने काकतीय विश्वविद्यालय में समिति का गठन इसलिए किया था ताकि कुलपति नियुक्ति के लिए विशेषज्ञ का चयन किया जा सके। एक कुलपति ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पूर्ण समिति न होने से बैठकों में विस्तृत चर्चा नहीं हो पाती और सरकार को जल्द कदम उठाने चाहिए।

# तेलंगाना में पशु-समावेशी आपदा प्रबंधन पर पहला सम्मेलन

## यूनिसेफ, ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स और टीएसडीएमए की संयुक्त पहल

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में पहली बार यूनिसेफ और ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया ने तेलंगाना राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (टीएसडीएमए) के साथ मिलकर पशु-समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का उद्देश्य आपदा तैयारी और प्रतिक्रिया प्रणाली में पशु कल्याण को शामिल करने की रणनीतियों पर विचार करना था। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों, सरकारी एजेंसियों, आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, नीति-निर्माताओं, पशु चिकित्सा पेशेवरों और मानवतावादी संगठनों ने भाग लिया।

पैनल चर्चाओं और विशेषज्ञ संवादों के माध्यम से अंतर-क्षेत्रीय समन्वय पर जोर दिया गया, जिससे नीति संरेखण, क्षमता निर्माण और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने के रास्ते खुले। 2024 में जिन जिलों में आपदा पश्चात आवश्यकता आकलन किया गया था, उनके प्रतिनिधियों ने आपदा के दौरान पशुओं के सामने आने वाली चुनौतियों को साझा किया। प्रतिभागियों ने कृषि पशुओं, साथी पशुओं और वन्यजीवों के लिए मौजूदा प्रबंधन उपायों की समीक्षा की और राज्य के लिए एक प्रभावी पशु-समावेशी आपदा प्रबंधन मॉडल तैयार करने हेतु कार्यनीतियां सुझाईं। उन्होंने यह भी चर्चा की कि पशु कल्याण को बाल और परिवार केंद्रित आपदा योजनाओं के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है। कार्यक्रम में पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री वक्ति श्रीहरि, ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी, आपदा राहत एवं प्रतिक्रिया टीम की प्रबंधक आलोकपर्णा सेनगुप्ता, यूनिसेफ इंडिया के आपदा जोखिम एवं लचीलापन अधिकारी प्रवीण सुरेश और महेंद्र राजाराम उपस्थित रहे।

## पूर्व सीएम के ओएसडी से फोन-टैपिंग मामले में पूछताछ

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सनसनीखेज फोन-टैपिंग मामले में एक महत्वपूर्ण विकास में, पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) पीएस राजशेखर रेड्डी से गुरुवार को जुबिली हिल्स में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूछताछ की। जानकारी के अनुसार, एसआईटी ने उन्हें लगभग दो घंटे तक पूछताछ की और उनका पूरा बयान दर्ज किया। सूत्रों के अनुसार, यह पूछताछ पूर्व डीसीपी टास्क फोर्स और मामले के आरोपी राधा किशन के पहले बयान के बाद शुरू हुई, जिसमें उन्होंने कथित रूप से केसीआर का नाम लिया और विस्तार से बताया कि कैसे निगरानी गतिविधियां पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार और करीबी सहयोगियों के 'मामलों को संभालने' के लिए कहा गया था।

# जीएचएमसी का नया मॉडल फुटपाथ, सौर ऊर्जा और हरित डिज़ाइन से सुसज्जित

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ने जुबली हिल्स के सबसे व्यस्त पैदल रास्तों में से एक रोड नंबर 79/82 के रामानायडू स्टूडियो जंक्शन से लेकर सीवीआर चैनल रोड नंबर 82 के बीवीबी जंक्शन तक एक मॉडल फुटपाथ विकसित करने की पहल की है। यह क्षेत्र खैरताबाद ज़ोन के सर्किल-18 के अंतर्गत आता है। इस परियोजना का उद्देश्य पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाना, सुगम आवागमन सुनिश्चित करना और इस व्यस्त मार्ग के शहरी स्वरूप को आधुनिक बनाना है। कार्य 24 नवंबर को शुरू हुए और चार महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। परियोजना की स्वीकृत लागत 1.68 करोड़ रुपये है, जिसके अंतर्गत 1,000 मीटर (बाईं ओर) और 500 मीटर (दाईं ओर) के फुटपाथ का विकास शामिल है। इस मॉडल फुटपाथ की एक प्रमुख विशेषता पारंपरिक कंक्रीट टाइलों के स्थान पर रीसाइकल्ड प्लास्टिक पावर ब्लॉक्स का उपयोग है।

इन पावर ब्लॉक्स में 65-70% उपभोक्ताओं द्वारा उपयोग किए गए सिंगल-यूज़ प्लास्टिक कचरे जैसे एमएलपी, एलडीपीई और एलएलडीपीई का उपयोग किया गया है। शेष हिस्सा फिलर और खनिज पदार्थों से बना है। इनकी विशेषताएँ इस प्रकार हैं। सार्वजनिक उपयोग में समानता सुनिश्चित करने के लिए मॉडल फुटपाथ में टैक्टाइल पावर और गाइडेंस बार लगाए जाएंगे, जिससे दृष्टिबाधित पैदल यात्रियों को सुरक्षित मार्गदर्शन मिल सके। यह कदम जीएचएमसी की बाधारहित और जनहितैषी सार्वजनिक स्थान बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मॉडल फुटपाथ परियोजना पूरे हैदराबाद में पैदलचलन क्षमता बढ़ाने, गैर-मोटर चालित परिवहन सुविधाओं को सुधारने और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के जीएचएमसी के व्यापक मिशन का हिस्सा है। निगम कार्यों में तेजी ला रहा है ताकि परियोजना समय पर पूरी हो सके और जुबली हिल्स में एक आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल पैदल मार्ग उपलब्ध कराया जा सके।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Sri Tejpal Singh, Father of JC 779203P, Sub, Mukesh Kumar, R/o, Dist : Mathura, U P, changed my name from Sri Tejpal Singh to Tejpal Singh vide Affidavit No 282650 dt 26.11.2025, before Medchal - Malkajgiri Court. Telangana.

I , Bhagvan Devi, Mother of JC 779203P, Sub, Mukesh Kumar, R/o, Dist : Mathura, U P, changed my name from Bhagvan Devi to Bhagavan Devi vide Affidavit No. 282651 dt. 26.11.2025, before Med-chal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

## भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं नई ऊंचाइयों पर : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अब विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है, और यह दूरदर्शी नीतियों और युवाओं द्वारा प्रेरित नवाचार का परिणाम है। एक कंपनी के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, किशन रेड्डी ने संस्थापकों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका को बधाई दी, जिन्होंने भारत की सबसे बड़ी निजी रॉकेट सुविधा का निर्माण किया और देश का पहला निजी वाणिज्यिक रॉकेट विक्रम-1 का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में करियर की आकांक्षाओं को बदल दिया है, और युवाओं को अंतरिक्ष यात्री, अंतरिक्ष वैज्ञानिक और एयरोस्पेस उद्यमी बनने का सपना देखने के लिए प्रेरित किया है।

# मंचेरियल में लापता बच्ची का शव कुएं से मिला

## परिजनों ने हत्या का शक जताया, जांच जारी

मंचेरियल, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले में लापता सात वर्षीय बच्ची का शव गुरुवार तड़के दांडेपल्ली मंडल के नंबाला गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक कुएं में मिला। 24 नवंबर से लापता बच्ची शनिगरपु महानविता घर के बाहर खेलते समय अचानक गायब हो गई थी। परिजनों के अनुसार, तीन दिन पहले अज्ञात लोगों ने उसे घर के सामने से कथित रूप से अपहरण कर लिया था। शिकायत दर्ज होने के बाद 25 नवंबर को गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने उसकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित कीं।

टीमों ने सिंचाई टैंकों, गांव के बाहरी इलाकों और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की, लेकिन बुधवार रात तक बच्ची का कोई सुराग नहीं लग सका। गुरुवार तड़के करीब छह बजे उसके माता-पिता ने घर के पास स्थित एक कुएं में बच्ची का शव देखा। परिजनों ने आशंका जताई है कि उनकी बेटी की हत्या की गई है। उनका कहना है कि परिवार से दुश्मनी रखने वाला कोई व्यक्ति इस वारदात के पीछे हो सकता है। उन्होंने पुलिस से मामले की गहराई से जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले को अब संदिग्ध मौत के प्रकरण में तब्दील कर दिया जाएगा और सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी गई है।

# पंचायती चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से करवाए जाएं : बी. शिवधर रेड्डी

## डीजीपी ने राज्यभर के पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने राज्य में होने वाले पंचायती चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के लिए सभी स्तरों के पुलिस अधिकारियों को सतर्क और सक्रिय रहने का निर्देश दिया है। चुनाव संचालन को लेकर गुरुवार को डीजीपी ने राज्यभर के पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक की। इस बैठक में हैदराबाद कमिश्नरेट के अलावा पूरे राज्य के पुलिस कमिश्नर, जिले के पुलिस अधीक्षक और स्टेशन हाउस अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने स्पष्ट किया कि पुलिस कमिश्नरों और जिलों के एसपी को ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले पंचायती चुनावों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव संचालन में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मार्गदर्शक निर्देशों का पालन करें और सभी नियमों के अनुसार चुनाव संपन्न हों। डीजीपी ने यह भी कहा कि किसी प्रकार की शिकायत या आरोपों के बिना शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराए जाएं। वीडियो कांफ्रेंस में अतिरिक्त डीजीपी, शांति एवं सुरक्षा महेश एम. भगवत, मल्टी जोन 2 के अतिरिक्त डीजीपी डी.एस. चौहान, मल्टी जोन 1 के आईजीपी एस. चंद्रशेखर रेड्डी, एआईजी रमण कुमार और लीगल सलाहकार ई. रामुलु सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# 'गरीबों के बाद अब नेताओं को बनाया जा रहा है निशाना'

## राबड़ी देवी के मामले पर बोले पप्पू यादव

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार की सियासत एक बार फिर गरम हो गई है। राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद की वरिष्ठ नेता राबड़ी देवी को मौजूदा सरकारी बंगला खाली कर दूसरे आवास में शिफ्ट होने का नोटिस मिलने के बाद राजनीतिक तापमान अचानक बढ़ गया। इस मामले पर सांसद पप्पू यादव ने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए इसे 'हिटलरशाही' करार दिया है। पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह फैसला केवल एक पूर्व मुख्यमंत्री को बंगला बदलने का मामला नहीं है, बल्कि बिहार में सरकारी कार्रवाई की दिशा और नीयत पर गंभीर सवाल उठाता है।

उन्होंने कहा कि बिहार में लगातार गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं, छोटे दुकानदारों को परेशान किया जा रहा है। यह किस तरह का हिटलर-स्टाइल

शासन है? क्या यह बदले की राजनीति है। सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि राज्य की मौजूदा प्रशासन व्यवस्था भय और दबाव का वातावरण बना रही है। यादव ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कई गरीब परिवारों के आशियाने बिना किसी मानवीय संवेदना के धराशायी कर दिए गए। आज राबड़ी देवी को बंगला खाली करने का नोटिस दिया गया है, कल किसी और को मिल सकता है। यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि सिस्टम की सोच का प्रतिबिंब है। पप्पू यादव ने स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक चश्मे से नहीं देख रहे, बल्कि इसे आम जनता के अधिकारों पर हमला मानते हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन किसी भी कारण से निवास आवंटन में बदलाव करता है, तो कम-से-कम प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायपूर्ण और बिना प्रतिशोध की भावना के होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं संसद में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाऊंगा। लोगों को डराकर या प्रताड़ित कर शासन नहीं चलाया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही जनता के प्रति होती है, न कि विरोधियों को दबाने के लिए शक्ति का दुरुपयोग करने की।

## सफारी 20 फीट गहरी खाई में गिरी, 3 की मौत

जौनपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जौनपुर में बारातियों से भरी सफारी कार 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवार वाराणसी से धर्मापुर शादी में शामिल होने जा रहे थे। मुफ्तीगंज बाजार के पास मोड़ पर कार का संतुलन बिगड़ गया। ड्राइवर ने कार को कंट्रोल करने के लिए ब्रेक तो मारी, लेकिन वह संभल नहीं पाई और हाईवे से सीधे खाई में जा गिरी। कार गिरने और चीख-पुकार सुनकर राहगीर मौके पर दौड़े। उन्होंने देखा कि लोग कार में फंसे मदद के लिए चिल्ला रहे थे। गेट लॉक होने की वजह से कार नहीं खुली, जिसके बाद शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला गया। इसी बीच पुलिस भी पहुंच गई। सभी घायलों को मुफ्तीगंज सीएचसी ले जाया गया, जहां 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

## एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर 100 करोड़ की ठगी

लखनऊ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने के नाम पर 100 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले दो शातिर जालसाजों को साइबर क्राइम पुलिस ने मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों को चिनहट के कठौता इलाके से गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रेम प्रकाश विद्यार्थी और उसके साथी संतोष कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी 'स्टडी पाथवे' नाम से कंसल्टेंसी सेंटर चलाते थे और छात्रों को मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठते थे।

### पुलिस को मिलीं कई शिकायतें

इस मामले पर डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि कुछ दिन पहले विभूतिखंड और साइबर क्राइम थाने में एमबीबीएस में दाखिले के नाम पर अलग-अलग लोगों ने स्टडी पाथवे कंसल्टेंसी के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था। आरोप था कि कंसल्टेंसी के कर्मचारियों ने उन लोगों से दाखिले के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की थी। जांच में पता चला कि स्टडी पाथवे कंसल्टेंसी का दफ्तर विभूतिखंड इलाके में है। पुलिस जब वहां पहुंची तो दफ्तर बंद मिला। वहां काम करने वाले लोग भाग चुके थे। जांच में पता चला कि कंसल्टेंसी का मुख्य संचालक अभिनव शर्मा है, जिसका असली नाम प्रेम प्रकाश विद्यार्थी है। संतोष कुमार उसका मुख्य सहयोगी है।

## 'राम मंदिर पर कमेंट कर अपनी मौत बुला रहा पाकिस्तान', सुरेंद्र राजपूत ने आसिम मुनीर-शहबाज को याद दिलाई औकात

अयोध्या, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर ध्वजारोहण को लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपनी हद में रहना चाहिए क्योंकि भारत अपने आंतरिक मामलों में दखल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। राजपूत ने पाकिस्तान की सरकार और सेना प्रमुख आसिम मुनीर पर निशाना साधते हुए कहा, 'भारत एक मजबूत लोकतंत्र है और हमारा संविधान स्थिर है, जो हर 8-10 साल में नहीं बदलता जैसा पाकिस्तान में होता है।' उन्होंने आगे कहा कि भारत अपने मसले खुद सुलझाने में सक्षम है और पाकिस्तान की ये टिप्पणी उसे 'अपनी मौत बुलाने जैसी है'।

# नीतीश निभाएंगे वादा! 10 लाख महिलाओं को देंगे 10-10 हजार की पहली किस्त

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार सरकार शुक्रवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बड़ी राहत देने जा रही है। योजना के अंतर्गत 10 लाख जीविका दीदियों के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद इस ट्रांसफर की शुरुआत करेंगे। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि इस चरण में ग्रामीण क्षेत्रों की 9 l50 लाख और शहरी क्षेत्रों की 50 हजार महिलाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि 14 दिसंबर तक सभी पात्र जीविका दीदियों के खाते में पैसा पहुंचाने का लक्ष्य है।

योजना के तहत 1 करोड़ 40 लाख महिलाओं को पहले ही 10-10 हजार रुपये दिए जा चुके हैं। अभी भी बड़ी संख्या में पात्र महिलाओं को राशि मिलनी बाकी है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि एक महीने के भीतर फॉर्म भरने वाली सभी महिलाओं को भी दिसंबर तक राशि मिल जाएगी। सरकार का दावा है कि दिसंबर के अंत तक सभी लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल जाएगा।

### दिसंबर तक सभी पात्र महिलाओं को पैसे भेजने का लक्ष्य

बता दें कि चुनाव के बाद यह पहली किस्त जारी हो रही है। इस 28 नवंबर को 10 लाख महिलाओं को लाभ मिलेगा। नीतीश सरकार का लक्ष्य है कि दिसंबर तक सभी पात्र महिलाओं को राशि ट्रांसफर कर दी जाए।

### 'इसी 10 हजार से बनी है नीतीश सरकार'

गौरतलब है कि बिहार में नीतीश सरकार की वापसी के लिए इसी 10 हजार रुपये की रकम को बड़ी वजह माना जा रहा है। जनसुराज के प्रशांत किशोर ने तो चुनावी हार के बाद नीतीश सरकार पर 10 हजार रुपये को लेकर हमला भी बोला। उन्होंने कहा था, 'हर विधानसभा क्षेत्र में 60 से 62 हजार महिलाओं को सीधे तौर पर 10 हजार दिया गया है। सरकार ने वादा किया कि स्वरोजगार के लिए 2-2 लाख रुपये दिए जाएंगे। बयाना के तौर पर ये 10 हजार रुपये दिए गए। प्रशांत किशोर ने जोर देकर सरकार से कहा कि बाकी छह महीने में दो लाख रुपये तक की सहायता दी जाए। जीविका दादी, आंगनबाड़ी का मानदेय बढ़ाकर उन्हें जोड़ा गया।

# बाराबंकी में बड़ा हादसा टला

## ओवरब्रिज तोड़ते हुए रेलवे ट्रैक पर गिरा डंपर

बाराबंकी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी के बाराबंकी में रेलवे ओवरब्रिज से बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, एक लोडेड डंपर अनियंत्रित होकर रेलवे ओवरब्रिज की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे ट्रैक पर जा गिरा। डंपर के गिरने से बिजली के तार टूट गए और वहां से गुजर रही ट्रेन अचानक रुक गई। गनीमत यह रही कि डंपर सीधे ट्रेन पर नहीं गिरा, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। जानकारी के अनुसार, बुढ़वल रेलवे स्टेशन के करीब रामनगर-फतेहपुर मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज से प्लाई से भरा हुआ एक डंपर अनियंत्रित होकर बुधवार की रात रेलवे ट्रैक पर जा गिरा, जिससे बिजली का तार टूट गए। हादसे के समय डाउन लाइन से गरीब रथ (12204) गुजर रही थी।

तार टूटने से ट्रेन अचानक रुक गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे रेलवे अधिकारियों और बाराबंकी प्रशासन ने रेस्क्यू शुरू किया। घण्टों के मशक्कत के बाद ट्रक में फंसे ड्राइवर को निकालकर उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। आरपीएफ इंस्पेक्टर बुढ़वल रवी कुमार ने बताया कि तकरीबन छह घण्टे तक रेस्क्यू चला। गरीब रथ के डी 2 कोच डैमेज हुआ था जिसे मरम्मत के बाद रवाना करा दिया गया। इस दौरान 20 से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित हुई। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि ट्रैक को क्लियर कर लिया गया है। अब सुचारू रूप से आवागमन चल रहा है। साथ ही हादसे की जांच की जा रही है।

# बिहार के दो आईएएस अफसर कर रहे थे बड़ा खेल

## अब ईडी ने एक्शन लेने के लिए बनाया प्लान, कौन हैं ये अधिकारी

पटना, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार कैडर के दो आईएएस अधिकारियों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। ये हैं योगेश कुमार सागर और अभिलाषा कुमारी शर्मा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ मनी लांड्रिंग के मामलों में जांच तेज कर दी है। इस सिलसिले में ईडी ने 19 नवंबर को बिहार की स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) को एक पत्र भेजकर उनसे इन अधिकारियों से जुड़ी जानकारी मांगी है।

ईडी ने अपने पत्र में कहा है कि उनके पास दोनों आईएएस अधिकारियों को लेकर कुछ शुरुआती जानकारी मौजूद है, जिसे उन्होंने एसवीयू के साथ साझा किया है। अब एजेंसी ने एसवीयू से पूरे रिकॉर्ड, दस्तावेज और उन गतिविधियों का ब्योरा मांगा है जो मनी लांड्रिंग से जुड़ी हो सकती हैं। ईडी की यह कार्रवाई मनी लांड्रिंग अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की जा रही है।

### क्या है इन अफसरों पर आरोप?

सूत्रों के मुताबिक ईडी इन दोनों अधिकारियों की अलग-अलग पदों पर तैनाती के दौरान हुई आर्थिक लेन-देन और फैसलों की जांच कर रही है। ये देखा जा रहा है कि कहीं इन पदों पर रहते हुए किसी तरह की अनियमितता या गलत तरीके से आर्थिक लाभ लेने की कोशिश तो नहीं हुई।

### कौन हैं आईएएस योगेश कुमार सागर?

योगेश कुमार सागर 2017 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत अररिया जिले के फारबिसगंज में एसडीओ के के तौर पर की थी। इसके बाद वे भागलपुर नगर निगम के कमिश्नर रहे। 7 मार्च 2024 से 17 फरवरी 2025 तक वे बुडको के प्रबंध निदेशक रहे। ट्रांसफर के बाद फिलहाल वे समाज कल्याण विभाग में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। ईडी विशेष रूप से उनके बुडको कार्यकाल के दौरान हुए आर्थिक फैसलों की जांच कर सकती है।

### कौन हैं आईएएस अभिलाषा कुमारी शर्मा?

अभिलाषा शर्मा 2014 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत गृह मंत्रालय नई दिल्ली से की थी। बिहार में आने के बाद वे कई महत्वपूर्ण पदों पर रहीं, जिनमें सीतामढ़ी की डीएम भी शामिल है। बाद में उन्होंने वित्त विभाग में संयुक्त सचिव के तौर पर काम किया। वर्तमान में वे ग्रामीण विकास विभाग में अतिरिक्त सीईओ और डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं।

### अब आगे क्या होगा इनके साथ?

एसवीयू द्वारा जानकारी उपलब्ध कराने के बाद ईडी दोनों अधिकारियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई या पूछताछ शुरू कर सकती है। फिलहाल ईडी की यह सक्रियता साफ बताती है कि मामला गंभीर है और आने वाले दिनों में नई जानकारियां सामने आ सकती हैं।

## नाच पार्टी में काम करने वाली 17 लड़कियों का रेस्क्यू, महिला कल्याण संगठन को सौंपा

रोहतास, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के नासरीगंज थाना क्षेत्र के बडीहा से 17 लड़कियों का पुलिस ने रेस्क्यू किया है। इनमें से 10 लड़कियां छत्तीसगढ़ और बाकी सात बिहार के विभिन्न जिलों की हैं। पुलिस के अनुसार, लड़कियों को शादी और विवाह के सीजन में आयोजित नाच पार्टी में काम करने के लिए अलग-अलग स्थानों से लाया गया था। रोहतास जिले के अलग-अलग इलाकों में शादी और अन्य उत्सवों के दौरान नाच पार्टी आयोजित की जाती रही हैं। इन पार्टियों में नर्तकियों को बाहरी राज्यों से बुलाया जाता है।

इस बार भी पुलिस को सूचना मिली कि नासरीगंज थाना क्षेत्र के बडीहा में ऐसी नाच पार्टी चल रही है और इसमें कई लड़कियों को काम कराया जा रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 17 लड़कियों को रेस्क्यू किया और उन्हें सुरक्षित स्थान पर लाया। रेस्क्यू के बाद लड़कियों को महिला कल्याण संगठन को सौंपा गया।

## आर्टिफिशियल रंग से बनाए जा रहे थे देसी अंडे

# अंडा कारोबारी के गोदाम पर छापेमारी में सामने आया चौंकाने वाला खेल

मुरादाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़े फर्जीवाड़े का राजफाश किया है। रामपुर दोराहा बरवाला मझरा स्थित अंडे के गोदाम पर छापा मारा है। जिसमे फार्मी अंडों को कृतिम रंग लगाकर देसी अंडे बनाए जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान टीम ने कुल 4,53,60 रंगे हुए अंडे, 35,640 सफेद अंडे, जिन्हें रंगने के लिए रखा गया था जो सीज कर दिए। इन अंडों का अनुमानित मूल्य लगभग 3,89,772 रुपये बताया गया है। साथ ही गोदाम को भी सील कर दिया।

यह कार्रवाई सुबह तीन बजे तक चली। खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर चल रहे सघन अभियान के तहत सहायक आयुक्त खाद्य राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव, खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके यादव, प्रजन सिंह टीम के साथ काशीपुर रोड स्थित रामपुर तिराहा के पास बरवाला मजरा में बनाए गए एक बड़े अंडा गोदाम पर पहुंच गए। कार्रवाई में पुलिस भी शामिल थी। छापे के दौरान टीम ने पाया कि गोदाम में बड़ी मात्रा में सफेद अंडों को कृत्रिम रंग (आर्टिफिशियल कलर) से रंगकर उन्हें देसी अंडों जैसा रूप दिया जा रहा था।

जांच में यह भी सामने आया कि रंगाई की प्रक्रिया गोदाम के अंदर ही खुले में की जा रही थी। इसके लिए खाद्य गुणवत्ता मानकों का कोई पालन नहीं किया जा रहा था। अधिकारीयों ने मौके पर रंगे हुए अंडे, रंगाई में उपयोग होने वाला रंग और सफेद अंडों के ढेर बरामद किए, जो रंगे जाने के लिए तैयार रखे गए थे। मौके से मिले रासायनिक पदार्थों को भी जब्त कर लिया।

## लखनऊ के बाद मायावती अब नोएडा में करेंगी शक्ति प्रदर्शन बीएसपी कैडर पॉवर से खिसका जनाधार साधने की तैयारी

नोएडा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर 9 अक्टूबर को लखनऊ में रैली के बाद मायावती अब नोएडा में शक्ति प्रदर्शन करेंगी। 6 दिसंबर को डॉ। भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर होने वाली श्रद्धांजलि सभा की तैयारी तेज हो गई है। गौतमबुद्ध नगर के बीएसपी जिलाध्यक्ष लख्मी सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में पश्चिमी यूपी के कई मंडलों और जिलों के पदाधिकारी शामिल हुए। लखनऊ की रैली के बाद से मायावती लगातार एक्टिव है।

अपने राजनीतिक विरोधियों को 2027 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दमदार तरीके से उठकर खड़े होने का संदेश देती दिख रही है। नोएडा में होने वाली सभा को इसी नजरिये से देखा जा रहा है। बैठक में मेरठ मंडल मुख्य प्रभारी मेघानंद जाटव, ओमप्रकाश कश्यप, रोहतास जाटव, गोविंद भाटी, बलवीर वाल्मीकि, गोपीचंद जाटव, प्रेम सिंह जाटव, महेश प्रजापति, योगेंद्र भाटी, मनवीर भाटी, दयाराम सेन, मनोज जाटव, नरेश उपाध्याय, राजकुमार गुर्जर, ब्रह्म प्रकाश आदि होंगे।

# एसआईआर के बीच डीएम मेधा रूपम ने बीएलओ की छुट्टियों को लेकर दिया बड़ा आदेश, अब करना होगा पहले ये काम

नोएडा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में चुनावी बिगुल बजने से पहले सियासी रण की तैयारियां चल रहीं। राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इस काम को समय सहते करने के लिए अभी जिलों का प्रशासन एक्टिव मोड में आ गया है। इस बीच गौतमबुद्ध नगर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है। डीएम मेधा रूपम ने एसआईआर में लगे सभी बीएलओ, कर्मचारियों और अधिकारियों की छुट्टियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए नया आदेश जारी किया है। डीएम मेधा रूपम द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अब बिना अनुमति छुट्टी नहीं ले सकेगा। यहां तक कि सार्वजनिक अवकाश वाले दिन भी मुख्यालय छोड़ने के लिए पहले से अनुमति लेनी होगी। प्रशासन का कहना है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत 4 नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वे, फॉर्म

वितरण, संकलन और उसका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। इसके बाद 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी, जबकि 7 फरवरी 2026 को अंतिम नामावली प्रकाशित की जाएगी।

### 60 बीएलओ और 7 सुपरवाइजर पर दर्ज हुई है एफआईआर

गौरतलब है कि गौतमबुद्ध नगर जिले में एसआईआर को लेकर प्रशासन पहले ही सख्त रुख दिखा चुका है। कुछ दिन पहले ही 60 बीएलओ और 7 सुपरवाइजर पर एसआईआर में लापरवाही बरतने को लेकर एफआईआर दर्ज हुई थी। वहीं दो बीएलओ के इस्तीफा देने की पेशकश का वायरल पत्र भी जिले में चर्चा का विषय बना हुआ ह। अब छुट्टी को लेकर जारी सर्कुलर चर्चा तेज है।

### 5 बीएलओ क्यों हुए सम्मानित?

एसआईआर में लापरवाही पर प्रशासन सख्त एक्शन ले रहा है तो वहीं जिला प्रशासन ने एसआईआर में 100% डिजिटाइजेशन का काम पूरा करने वाले 5 बीएलओ को सम्मानित भी किया है।

## सड़क पर अनियंत्रित हुई कार तालाब में गिरी, दो लोगों ने बचाई चालक की जान

पीलीभीत, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत में लिंक रोड से टनकपुर हाईवे की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर गौहनिया तालाब में जा गिरी। हादसा बृहस्पतिवार को सुबह करीब 10 बजे कांशीराम बरातघर के पास हुआ। तालाब में पानी गहरा होने के कारण देखते ही देखते कार डूबने लगी। हादसा देख तालाब में मछली पकड़ रहे दो लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए एक अन्य ग्रामीण के साथ पानी में छलांग लगा दी। दोनों ने साहस दिखाकर कार चालक को बमुश्किल बाहर निकालकर उसकी जान बचाई।

# सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाला कोई भी कृत्य बिगाड़ता है सार्वजनिक व्यवस्था: हाई कोर्ट

प्रयागराज, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मऊ निवासी शोएब की नजरबंदी बरकरार रखी है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज करते हुए कहा है कि कोई भी आपराधिक कृत्य यदि सांप्रदायिक तनाव का कारण बनता है और जीवन की गति को अस्त-व्यस्त करता है तो वह केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि लोक व्यवस्था का उल्लंघन है।

याची ने जिलाधिकारी मऊ के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायालय ने कहा कि यद्यपि आरोपित प्रारंभिक हमला कानून-व्यवस्था के उल्लंघन का साधारण मामला प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका सीधा परिणाम व्यापक दंगा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सांप्रदायिक तनाव था। इसलिए यह मामला पूरी तरह से 'सार्वजनिक व्यवस्था' के दायरे में आता है। कोर्ट प्रशासन के तथ्यात्मक निष्कर्ष को अपील की तरह नहीं सुन सकती। तथ्य की संपुष्टि प्रशासन

का निष्कर्ष है। मुकदमे से जुड़े संक्षिप्त तथ्य ये हैं कि 15 नवंबर, 2024 को घोसी क्षेत्र में याची ने अपनी बाइक से सुक्खू की बाइक में टक्कर मार दी। मौखिक विवाद के बाद याची ने साथियों को बुलाया और उनमें एक ने सुक्खू पर चाकू से हमला कर उसकी गर्दन और कंधे पर गंभीर चोटें पहुंचाई। मामला केवल मारपीट तक ही सीमित नहीं था। जैसे ही पीड़ित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, शोएब की ओर से बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और दोनों पक्षों में झड़प, पथराव शुरू हो गया।

अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। भीड़ ने अस्पताल के दरवाजे, खिड़कियां और अन्य कीमती उपकरण भी क्षतिग्रस्त कर दिए। इसके बाद 200 से अधिक लोगों की भीड़ ने घोसी-दोहरीघाट मुख्य मार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो नारेबाजी करते हुए पुलिस वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। आस-पास की दुकानों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक संपत्ति को भी ईंट-पत्थर फेंककर नुकसान पहुंचाया। अभियोजन के अनुसार उपद्रव में सर्किल आफिसर और थाना प्रभारियों सहित कई पुलिसकर्मी गंभीर घायल हो गए।

खंडपीठ ने कहा, याची के कृत्य के कारण सभी घटनाएं घटीं। याची का कहना था कि सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी घटना से उसका कोई लेना-देना नहीं है। प्राथमिकी में उसके खिलाफ हिंसा के लिए भीड़ का नेतृत्व करने का आरोप नहीं है। यह घटना कानून-व्यवस्था के साधारण उल्लंघन का मामला था और जब भीड़ ने हिंसा की, तब वह हिरासत में था और उसे अस्पताल ले जाया गया था।

कोर्ट ने कहा, यह सच है कि याची और उसके साथियों द्वारा मोटरसाइकिलों में टक्कर लगने की छोटी सी घटना को लेकर सुक्खू पर चाकू से हमला करने का कृत्य कानून-व्यवस्था के उल्लंघन का साधारण मामला हो सकता है,लेकिन उक्त कृत्य का सीधा परिणाम यह हुआ कि दो समुदायों के बीच तनाव फैल गया, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक व्यवस्था बिगड़ गई। कोर्ट ने कहा कि निवारक निरोध के मामलों में न्यायिक समीक्षा की सीमित गुंजाइश है।

वह निरोध प्राधिकारी की व्यक्तिपरक संतुष्टि की सत्यता पर तब तक निर्णय नहीं देता जब तक कि वह अप्रासंगिक विचारों पर आधारित न हो या 'स्पष्ट रूप से बेतुका' न हो। रासुका के आधार सुविचारित थे।

## फाजिल्का में पुलिस एनकाउंटर में बदमाश ढेर

# आरएसएस नेता की हत्या से निकला कनेक्शन

फाजिल्का, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जलालाबाद के माहमूजोईया गांव के निकट वीरवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। यह कार्रवाई फिरोजपुर में 15 नवंबर को आरएसएस नेता के बेटे नवीन अरोड़ा की हत्या से जुड़े मुख्य आरोपित की निशानदेही पर हथियार बरामद करने के लिए की जा रही थी। जैसे ही पुलिस टीम श्मशान घाट पहुंची, वहां पहले से छिपे दो बदमाशों ने अचानक फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की कस्टडी में मौजूद बदमाश ढेर हो गया, जबकि एक पुलिस कर्मी घायल हुआ। इस संबंधी डीआईजी फिरोजपुर रेंज हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि 15 नवंबर 2025 को फिरोजपुर सिटी में आरएसएस नेता के बेटे नवीन अरोड़ा की बाजार में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के तुरंत बाद पुलिस ने तीन आरोपित काली, हर्ष और कनव को गिरफ्तार कर लिया था। काली की गिरफ्तारी के वक्त भी मुठभेड़ हुई थी। जबकि कल पुलिस ने इस मामले में मुख्य शूटर बादल वासी फिरोजपुर को काबू किया था, पूछताछ में उसने बताया कि हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियारों को जलालाबाद के माहमूजोईया श्मशान घाट में छिपाया गया है। इसी खुलासे के आधार पर वीरवार सुबह पुलिस टीम उसे मौके पर लेकर पहुंची।

लेकिन पुलिस टीम जैसे ही गांव के निकट पहुंची, वहां पहले से घात लगाकर बैठे दो बदमाशों ने अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की।इस दौरान पुलिस कस्टडी में मौजूद बादल भी जख्मी हो गया। जबकि एक पुलिस कर्मी ब्लोर सिंह भी घायल हो गया। दोनों को तुरंत सरकारी अस्पताल फाजिल्का में भर्ती कराया गया, जहां पुलिस कर्मी की हालत स्थिर बताई जा रही है। जबकि बादल की मौत हो गई। जबकि दोनों बदमाश फरार होने में कामयाब हो गए।

## दिल्ली के द्वारका में नारकोटिक्स टीम ने कर दिया एनकाउंटर

# हिमांशु भाऊ गैंग का बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका इलाके में गुरुवार को प्रशासन और बदमाश के बीच एनकाउंटर देखने को मिला है। जानकारी के मुताबिक, नारकोटिक्स टीम ने ये एनकाउंटर किया है। उन्होंने इस एनकाउंटर में हिमांशु भाऊ गैग के बदमाश और शूटर अंकित को धर दबोचा है और उसके पैर में गोली लगी है। इस बदमाश ने साल 2020 में हरियाणा पुलिस के एक कांस्टेबल को गोली मारी थी। गिरफ्तार किया गया बदमाश 25 हजार रुपये का इनामी भी है। जानकारी ये भी सामने आई है कि एनकाउंटर के दौरान एंटी नारकोटिक्स सेल द्वारका के एक एचसी कुलदीप बाल-बाल बच गए क्योंकि आरोपियों द्वारा चलाई गई गोली उनके बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी।

### क्या है पूरा मामला?

पुलिस ने इस घटना को लेकर बताया- 28 अक्तूबर 2025 को 04 व्यक्तियों ने रोहित लांबा नाम के एक शख्स पर गोलीबारी की थी। इसके बाद धारा 25/27 आर्म्स एक्ट, पीएस नजफगढ़ के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मामले में भाऊ गिरोह की संलिप्तता पाई गई। इस मामले में 04 अभियुक्तों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि 02 मुख्य शूटर फरार हो गये थे और पुलिस उनकी गहनता से तलाश कर रही थी। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ और ह्यूमन इंटेलिजेंस से फरार आरोपियों की पहचान अंकित और दीपक के रूप में हुई। इसके बाद दिल्ली पुलिस द्वारा प्रत्येक आरोपी पर 25000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

### पुलिस ने एनकाउंटर को लेकर क्या बताया?

पुलिस ने बताया- गुरुवार को एंटी नारकोटिक्स सेल द्वारका की टीम को खबर मिली कि अंकित नाम का एक आरोपी साईं बाबा मंदिर, नजफगढ़ के पास आ रहा है। इसके बाद एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने साईं बाबा मंदिर के पास बस स्टैंड के पास जाल बिछाया। करीब 08:05 बजे आरोपी अंकित बाइक पर आया और जब पुलिस पार्टी ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने भागने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पार्टी पर 03 राउंड फायरिंग की। एक गोली एचसी कुलदीप की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। इसके बाद पुलिस पार्टी ने भी सुरक्षा के लिए फायरिंग की और गोलीबारी के दौरान एक गोली आरोपी अंकित के दाहिने पैर में लगी।

### आरोपी के बारे में क्या पता लगा?

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी की पहचान अंकित पुत्र सुरेंद्र, निवासी- गांव गोराड, सोनीपत, हरियाणा, उम्र 25 वर्ष के रूप में की गई है। वह पहले भी कई मामलों में शामिल रहा है। 2020 में उसने सीआईए, बहादुरगढ़ के कर्मचारियों पर गोलीबारी की और एक कांस्टेबल को घायल कर दिया था।

# सी ग्रेड सेब से बनेगा जूस और जैली, निजी कंपनी करेगी 20 हजार मीट्रिक टन की प्रोसेसिंग

शिमला, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में अगले साल सेब सीजन के दौरान 20 हजार मीट्रिक टन सी ग्रेड सेब की प्रोसेसिंग निजी कंपनी करेगी। बागवानी विभाग, उद्योग विभाग और निजी कंपनियों की भागीदारी से योजना सिरे चढ़ेगी। सी ग्रेड सेब की प्रोसेसिंग के बाद जूस, जैम, जैली, स्क्वैश बनाया जाएगा। इससे प्रदेश के बागवानों को दोहरा लाभ होगा। प्रोसेसिंग के लिए सी ग्रेड सेब की खरीद से पेमेंट समय पर मिलेगी और सी ग्रेड सेब मार्केट में न जाने से बढ़िया सेब को अच्छे दाम मिलेंगे। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने हिमाचल प्रदेश स्टोन फ्रूट एसोसिएशन और संयुक्त किसान मंच के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद अगले सीजन से यह व्यवस्था लागू करने के लिए एचपीएमसी के अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। स्टोन फ्रूट एसोसिएशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष दीपक सिंघा ने बताया कि 2019 में खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय ने ऊना में क्रीमिका फूड पार्क स्थापित किया था। इस फूड पार्क में सेब की प्रोसेसिंग के लिए 24 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं।

अगले सेब सीजन में यहां 20 मीट्रिक टन सेब की प्रोसेसिंग होगी। बागवानी मंत्री ने इसे लेकर एचपीएमसी के महाप्रबंधन को भी निर्देश जारी कर दिए हैं। जल्द ही इस मामले को लेकर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान से भी मुलाकात की जाएगी। संयुक्त किसान मंच के संयोजक हरीश चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार ने एमआईएस योजना के लिए बजट का प्रावधान बंद कर दिया है ऐसे में निजी कंपनियों के सहयोग से सेब की प्रोसेसिंग करके ही बागवानों को राहत दी जा सकती है। प्रदेश सरकार से माइक्रो प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने के लिए बागवानों को अनुदान उपलब्ध करवाने का भी मामला उठाया गया है। स्टोन फ्रूट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक सिंघा ने बताया कि प्रदेश सरकार से स्टोन फ्रूट की प्रोसेसिंग कर प्रीमियम उत्पाद तैयार करने की भी मांग उठाई गई है। मई से जून तक एचपीएमसी के प्रोसेसिंग प्लांट में स्टोन फ्रूट के उत्पाद बनाए जा सकते हैं।

# आप नेता के घर गोलीबारी, गैंगस्टरों ने की 25 राउंड फायरिंग, 5 करोड़ की मांगी फिरौती

फगवाड़ा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फगवाड़ा में आम आदमी पार्टी के नेता और पंजाब सरकार के नशा मुक्त अभियान के कोऑर्डिनेटर दलजीत राजू दरवेश के घर पर रात एक सनसनीखेज हमला हुआ। दो बाइक सवार गैंगस्टरों ने उन पर करीब 25 राउंड फायरिंग की और मौके पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती की धमकी वाला पत्र फेंककर फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। घटना देर रात की बताई जा रही है, जब घर के बाहर अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे घर की दीवारों, दरवाजों में कई जगह गोलियों के छेद बन गए। खिड़कियों के शीशे पूरी तरह टूटकर बिखर गए। फायरिंग के बाद दोनों हमलावर एक धमकी भरा पत्र फेंककर मौके से फरार हो गए। पत्र में दलजीत राजू से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई है, नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई है।

घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना के एसएचओ कृपाल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम शुरू कर दिया। कुछ फुटेज में हमलावरों की बाइक की हल्की झलक दिखाई देने की बात कही जा रही है, हालांकि पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी फगवाड़ा ने तुरंत कई पुलिस टीमें गठित की हैं और पूरे मामले की गहराई से जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी है और गैंगस्टरों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी जारी है।

दलजीत राजू दरवेश फगवाड़ा की स्थानीय राजनीति में एक प्रभावशाली नाम हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी और जिला कपूरथला के प्रधान भी रह चुके हैं। बाद में वह आम आदमी पार्टी में शामिल हुए और पूर्व मंत्री जोगिंदर सिंह मान के करीबी माने जाते हैं। वर्तमान में वह पंजाब सरकार के नशे के खिलाफ युद्ध अभियान के कोऑर्डिनेटर की अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

### परिवार में दहशत का माहौल

घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने दलजीत राजू के घर की सुरक्षा बढ़ा दी है और आसपास के इलाकों में लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। प्राथमिक जांच में यह मामला किसी गैंगस्टर गिरोह द्वारा धमकी और वसूली से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे और पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

## ब्राह्मण बेटियों पर अभद्र टिप्पणी करने वाले आइएएस संतोष वर्मा को एमपी सरकार का नोटिस, 7 दिन में मांगा जवाब

भोपाल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आइएएस अधिकारी और अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के अध्यक्ष संतोष वर्मा ने बीते दिनों ब्राम्हण बेटियों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। इसके बाद से संतोष वर्मा को लेकर आक्रोश जारी है। इस बीच मोहन सरकार ने गंभीरता से लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे सिविल सेवा आचरण नियमावली का उल्लंघन माना है। उनसे सात दिनों में जवाब मांगा गया है। बता दें कि वर्मा ने रविवार को अजाक्स के प्रांतीय अधिवेशन में यह कहा था कि आरक्षण समाप्त हो जाएगा, अगर ब्राह्मण अपनी बेटी दान करें।

उनकी इस असभ्य, अमर्यादित टिप्पणी को लेकर प्रदेश भर में उबाल है। कई संगठनों ने अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए थानों में आवेदन पत्र दिया है। इस बीच मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

# पंजाब के इस गांव में क्यों पहुंचे हैं शिवराज सिंह चौहान, इस तरह करते हैं पराली मैनेजमेंट

मोगा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान पंजाब दौरे पर हैं। यहां वे किसानों, मनरेगा लाभार्थियों और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यक्रमों में संवाद करने वाले हैं। इसी कड़ी में वे आज शिवराज चौहान मोगा के रणसिंह कलांपहुंचे। यहां उन्होंने किसानों के साथ बैठकर खाना खाया और मनरेगा में काम करने वाले लोगों से बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने यहां के पराली मैनेजमेंट को समझा। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा "मैं पराली मैनेजमेंट पर हुए काम को देखना चाहता हूं, जहां पराली को जलाने के बजाय खेतों में मिलाया गया है। मैं इसे पूरे देश को दिखाना चाहता हूं। मैं अभी रणसिह कलां आया हूं, और यहां के लोगों का प्यार और स्नेह अद्भुत है।"

### रणसिंह कलांमें पराली जलाना है बंद

पंजाब के मोगा जिले का रणसिंह कलां गांव देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां के किसान एक तरह से मिसाल बन गए हैं। इस गांव के किसानों ने पिछले सालों से पराली नहीं जलाई गई है। यहां किसानों ने पराली को जलाना पूरी तरह से बंद कर दिया है। 2019 में पंचायत द्वारा पराली जलाने पर बैन लगाने के बाद से 150 किसानों ने 1301 एकड़ में खड़ी पराली को जलाए बिना खेतों की मिट्टी में मिला दिया। इससे मिट्टी उपजाऊ भी हुई है। इसके साथ ही खाद की मांग घट गई है।

### कैसे नष्ट हो रही पराली

रणसिंह कलांगांव में किसानों ने पराली जलाने के बजाय इसे खेतों में ही खत्म करना शुरू कर दिया है। किसानों सुपर सीडर जैसी मशीनों का यूज करके पराली को मिट्टी में मिला रहे हैं। इसके अलावा किसान सोसायटी भी चला रहे हैं। इसके जरिए पराली को खेतों में मिलाने के लिए जरूरी उपकरण खरीदे गए हैं। जिनसे काम किया जा रहा है। रणसिंह कलां की इस पहल के बाद आसपास के गांव भी इसे अपना रहे हैं। यही वजह है कि खुद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी प्रणाली को देखने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने किसानों से पूरी प्रक्रिया को समझा है। यहां किसानों को पराली न जलाने पर मुआवजा भी दिया जाता है। इसके साथ ही लकी ड्रा भी कराया जाता है।

# पॉक्सो एक्ट मामले में विधायक हंसराज को मिली जमानत

## न्यायालय परिसर से भावुक होकर निकले

चंबा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह विधानसभा क्षेत्र के विधायक हंसराज को पॉक्सो एक्ट मामले में अदालत से जमानत मिल गई है। जमानत मिलने के बाद हंसराज न्यायालय परिसर से भावुक होकर बाहर निकले। हंसराज गुरुवार को अग्रिम जमानत की अवधि समाप्त होने पर विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश हुए थे। यह फैसला विधायक के राजनीतिक और कानूनी भविष्य के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत ने इससे पहले 22 नवंबर को दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनी थीं, लेकिन उस दिन फैसला सुरक्षित रखते हुए 27 नवंबर की तारीख निर्धारित की थी। इससे पहले हंसराज से बुधवार को पॉक्सो के मामले में पुलिस ने फिर पूछताछ की।

विधायक से महिला थाना में करीब ढाई घंटे पूछताछ की गई। विधायक हंसराज पर चुराह की एक युवती ने दुष्कर्म के आरोप लगाए हैं। इस मामले में अदालत के आदेशों पर विधायक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) भी दर्ज की जा चुकी है। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए विधायक ने पहले भी अदालत में याचिका लगाई थी, जिस पर उन्हें अग्रिम जमानत मिल गई थी। अब उन्होंने नियमित जमानत के लिए याचिका दी है, जिस पर गुरुवार को फैसला आया है।

# चिंताजनक: आनुवांशिक विविधता नहीं बढ़ी तो खतरे में बाघों की आबादी, तेजी से फैल रहा दुर्लभ काली धारियों वाला जीन

भुवनेश्वर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में बाघ कभी विलुप्ति के कगार पर थे पर संरक्षण अभियानों ने स्थिति बदल दी। आज देश में बाघों की संख्या तीन हजार से अधिक पहुंच चुकी है, लेकिन ओडिशा के सिमिलिपाल टाइगर रिजर्व में यही सफलता एक नए खतरे में बदल रही है। लगातार इनब्रीडिंग के कारण बाघों में दुर्लभ काली धारियों वाला जीन तेजी से फैल रहा है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि आनुवांशिक विविधता नहीं बढ़ाई गई तो यह पूरी आबादी को नष्ट कर सकता है। नेशनल ज्योग्राफिक के फोटोग्राफर और सीनियर रिसर्चर प्रसेनजीत यादव की रिपोर्ट के अनुसार, 1970 के दशक में सरकार ने बाघ संरक्षण के लिए राज्य-निरपेक्ष रिजर्व सिस्टम बनाया और 2005 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) गठित की जिसने निगरानी, साइंटिफिक मैनेजमेंट और रिजर्व्स के बीच प्राकृतिक कॉरिडोर के मॉडल पर काम शुरू किया।

लेकिन सिमिलिपाल का भौगोलिक नक्शा इस सिद्धांत को चुनौती देता है। उसके पड़ोसी रिजर्व सतकोसिया में अब कोई बाघ नहीं बचा और सुंदरबन से जुड़ने वाला कोई वन-कॉरिडोर ही नहीं है। बीच में बस्तियां, शहर, कोलकाता महानगर और धान के विशाल खेत हैं जहां से बाघ गुजर नहीं सकते। नतीजा सिमिलिपाल रिजर्व एक टाइगर आइलैंड बन गया। ऐसे में जीन बार-बार मिलते रहे और एक ही नस्ल ने खुद को बार-बार दोहराना शुरू कर दिया। यही इनब्रीडिंग का संकट अब विस्फोटक रूप ले चुका है।

2006 में राष्ट्रीय सर्वे के दौरान भारत में कुल जंगलों में सिर्फ लगभग 1,400 बाघ बचे थे। सिमिलिपाल में 2014 में सिर्फ चार बाघ थे, जिनमें केवल एक नर था। यहां 2015 में एक शावक का जन्म हुआ। टी-12 यानी काले-जैसी धारियों वाला असामान्य बाघ जिसकी त्वचा गहरे काले रंग की असामान्य धारियों वाली थी। इसकी वजह एक रेससिव सूडो-मेलनिज्म जीन है, जो दुर्लभ है लेकिन सिमिलिपाल में इनब्रीडिंग के कारण तेजी से फैल गया। कुछ वर्षों बाद रिजर्व में दर्जनों युवा बाघों में वही काली धारियां दिखने लगीं।

फील्ड रिपोर्ट के अनुसार सिमिलिपाल और अन्य रिजर्व्स के बीच कोई कॉरिडोर न होने के कारण समाधान निकाला गया कि दूसरी आबादी की बाघिनों को लाकर यहां प्रजनन कराया जाए। इस मिशन के तहत महाराष्ट्र के ताड़ोबा की दो बाघिनों जमुना और जीनत को सिमिलिपाल में छोड़ा गया ताकि वे टी-12 और उसके पुत्रों से प्रजनन कर सकें।

अब निगाहें इन बाघिनों के पहले शावकों पर हैं। क्या वे फिर काली धारियों के साथ पैदा होंगे या अधिक विविध जीन के साथ। फील्ड रिपोर्ट के अनुसार जब मॉलिक्यूलर इकोलॉजिस्ट उमा रामाकृष्णन ने सिमिलिपाल के बाघों के डीएनए का विश्लेषण किया तो उन्होंने पाया कि रेससिव सूडो-मेलनिज्म जीन बाघों की आबादी में तेजी से फैल रहा है।

## गौहरगंज दुष्कर्म: सिगरेट खरीदते कैमरे में कैद हुआ फरार सलमान, विरोध में उतरा किन्नर समाज

रायसेन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। रायसेन के गौहरगंज में 6 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के फरार आरोपी सलमान का एक वीडियो सामने आया है। घटना के छह दिन बाद भी सलमान पुलिस की गिरफ्त से दूर है। वीडियो में सलमान चाय की दुकान से सिगरेट खरीदता दिख रहा है। ये कैमरा दुकान में लगा हुआ है। अलग-अलग दो वीडियो हैं। एक में आरोपी टीशर्ट पहने हुए है तो दूसरे में शर्ट पहने हुए हैं। दोनों वीडियो घटना के बाद के बताए जा रहे हैं। दावा है कि ये वीडियो दुष्कर्म के लगभग तीन घंटे बाद का हो सकता है। सलमान ने मासूम बच्ची से विगत 21 नवंबर को हैवानियत को अंजाम दिया था। आरोपी दो प्रकार के कपड़े पहने हुए सीसीटीवी में नजर आया है। पहले वाले फुटेज में सलमान नीली शर्ट पहने दिख रहा है।

# 989 करोड़ की जीएसटी चोरी: 535 फर्मों की जांच पूरी मेरठ के मास्टरमाइंड की डायरी से खुला बड़ा फर्जीवाड़ा

मेरठ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जीएसटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार मेरठ के मास्टर माइंड इखलाक की डायरी में मिलीं 535 फर्मों की जांच राज्य कर विभाग ने पूरी कर ली है। इस गिरोह ने 335 फर्जी फर्मों पर देशभर में 5478 करोड़ का टर्नओवर किया। इसके साथ ही जीएसटी चोरी का आंकड़ा 989 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। जांच में 200 फर्मों पर लेनदेन होना नहीं पाया गया। राज्य कर विभाग के अधिकारी इसे देश की सबसे बड़ी जीएसटी चोरी मान रहे हैं। जीएसटी चोरी की जांच कर रही एसआईटी के हत्थे चढ़े आरोपी इखलाक की डायरी में 535 फर्मों के नाम और मोबाइल नंबर मिले थे।

बाद में एसआईटी ने डायरी में मिले सबूतों को राज्य कर के अधिकारियों को सौंप दिए। इसके बाद राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों ने फर्मों की जांच कराई। करीब चार दिनों तक चली जांच में 535 में से 200 फर्मों पर कोई लेनदेन होना नहीं पाया गया। जबकि एके इंटरप्राइजेज से जुड़ीं 335 फर्मों पर 5478.35 करोड़ का कारोबार किया गया। यह कारोबार देश के अलग-अलग राज्यों में दर्शाया गया। इसमें 144 फर्मों की जांच पहले ही हो चुकी है। राज्य कर विभाग के मुताबिक सभी फर्मों की जांच पूरी होने के बाद 989.13 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। जांच के दौरान सबसे अधिक दिल्ली और गुजरात की बोगस फर्मों के कनेक्शन मिले हैं। अपर आयुक्त ग्रेड-2 आरए सेठ ने बताया कि प्राथमिक जांच में एके इंटरप्राइजेज से जुड़ी 122 फर्में प्रकाश में आई थीं। 22 अन्य फर्में ईमेल से पकड़ी गईं। अभी इखलाक की गिरफ्तारी के बाद 213 फर्मों की जांच की गई हैं। इनमें 126 फर्में सीजीएसटी और 87 एसजीएसटी से जुड़ी हैं। देश की यह सबसे बड़ी जीएसटी चोरी बताई जा रही है।

मुरादाबाद में राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 24 और 25 अक्तूबर को चेकिंग के दौरान लोहे से लदे दो ट्रक पकड़े थे। अफसरों ने जांच की तो पता चला कि दो मोबाइल नंबरों पर 144 फर्जी फर्में पंजीकृत कराई गई थीं। इन फर्मों पर 400 करोड़ की जीएसटी चोरी की गई थीं। इस मामले में दो एफआईआर होने के बाद एसएसपी ने एसआईटी गठित की। इसके बाद एसआईटी की गिरफ्त में आए मास्टर माइंड इखलाक की डायरी में मिलीं 535 फर्मों की जांच में 989 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा हुआ।

# दोस्ती में दरार: 'हम भगवान राम के अनुयायी, लंका तो हम जलाएंगे!' एकनाथ शिंदे पर सीएम फडणवीस का तीखा हमला

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्ताधारी गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं लग रहा है। दरअसल हाल ही में शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने एक ऐसा बयान दिया था, जिसे भाजपा पर निशाने के तौर पर देखा गया था। अब महाराष्ट्र के सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने भी तीखा पलटवार किया है। फडणवीस ने कहा है कि हम भगवान राम के अनुयायी हैं और लंका तो हम जलाएंगे। महाराष्ट्र के पालघर में दहानु इलाके में नगर पालिका और नगर पंचायत चुनाव में प्रचार के लिए पहुंचे सीएम फडणवीस ने कहा कि 'जो लोग हमारे बारे में गलत बोलते हैं, उन्हें नजरअंदाज करिए। वे भले ही कह रहे हैं कि वे हमारी लंका जलाएंगे, लेकिन हम लंका में नहीं रहते। हम भगवान राम के अनुयायी हैं न कि रावण के। चुनाव के दौरान ऐसी बातें बोल दी जाती हैं, लेकिन इन्हें दिल से न लगाएं।' फडणवीस ने आगे कहा कि 'हम वो हैं, जो जय श्री राम का जाप करते हैं। कल ही हमने अयोध्या के राम मंदिर पर धर्म ध्वजा फहराई है। हम वो पार्टी हैं, जो भगवान राम की पूजा करते हैं। लंका तो हम जलाएंगे।' गौरतलब है कि शिवसेना नेता और पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे ने हाल ही में पालघर जिले में ही अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार करते समय कहा था कि 'रावण का भी अहंकार नहीं रहा था और उसकी लंका जल गई थी। आपको भी 2 दिसंबर (मतदान वाले दिन) को यही करना है।' शिंदे ने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन माना गया कि शिंदे का निशाना भाजपा पर था।

दरअसल भाजपा और शिवसेना के बीच इन दिनों तकरार देखने को मिल रही है। यह तकरार तब शुरू हुई, जब शिवसेना के कुछ पार्षद भाजपा में शामिल हो गए। इसे लेकर शिवसेना विधायकों ने नाराजगी जताई और साप्ताहिक कैबिनेट बैठक से दूरी बनाई। इसे लेकर शिवसेना के नेता सीएम फडणवीस से मिले। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीएम फडणवीस ने कहा कि शिवसेना ने भी उल्हासनगर से भाजपा पदाधिकारियों को अपनी पार्टी में शामिल कराया था। अब भाजपा भी वैसा ही कर रही है। इसके बाद शिंदे ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

पालघर में एक चुनावी सभा के दौरान सीएम फडणवीस ने ये भी कहा कि आगामी वाधवान बंदरगाह प्रोजेक्ट में स्थानीय लोगों को तरजीह दी जानी चाहिए। सीएम ने कहा कि अगर स्थानीय लोगों को नौकरी में प्राथमिकता नहीं दी गई तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम ने कहा कि पालघर में बंदरगाह बनने से 10 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 28 नवंबर- 2025

# भारत विभाजन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

मनीष त्रिपाठी

14 अगस्त 1947 को भारतीय पुण्यभूमि खंडित हुई उस खंडित भूमि का नाम पाकिस्तान पड़ा । भारत विभाजन की विभीषिका इतनी गहरी थी जिसकी कल्पना भी उन लोगों के आज भी रोंगटे खड़े कर देती है जिन्होंने प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष जिनके परिजनों ने विभाजन की विभीषिका को देखा था, सुना है। सदा से सिद्ध है कि बड़े लोग जब गलती करते है या उनसे महत्वपूर्ण निर्णयों के आकलन में गलती होती है तो उसका दुष्परिणाम भी बहुत व्यापक और लंबे कालखंड के लिये होता है। विभाजन की भूमिका का बीज सबसे पहले 1909 में मारले मिंटो सुधार के तहत विधान परिषदों में मुसलमानों के लिये पृथक निर्वाचन अधिनियम में पड़ा था । पहले कांग्रेस ने इसका प्रखर विरोध किया लेकिन 1916 में कांग्रेस ने लीग के साथ लखनऊ समझौते में स्वीकार कर लिया । यही से कांग्रेस ने मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे घुटने टेक कर सैद्धांतिक स्वीकृत दे दी और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे भारत के खंडित होने तक लगातार झुकती रही । 1920 में असहयोग आंदोलन में तुर्की के अपदस्थ खलीफा के समर्थन में खिलाफत को भी इस आंदोलन में गाँधी जी के प्रभाव में जोड़ दिया गया,जिसका भारतीय भूमि से कोई लेना देना नहीं था । इंदुलाल याज्ञिक ने अपनी किताब 'गांधी एज आई न्यू हिम' के पेज 129 में लिखा कि हमने गांधी जी यह सौदा कभी नहीं किया था कि हम उनके साथ किसी धार्मिक या धार्मिक राजनैतिक आंदोलन में शामिल होंगे। आंदोलन की समाप्ति के बाद पूरे देश के छोटे बड़े शहरों में दंगे हुए । मालाबार में तो मुस्लिम मोपलाओं ने हिंदुओं का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया। कांग्रेस कार्यसमिति में इस कुकृत्य की खुलकर निंदा नहीं हुई । आंबेडकर ने अपनी किताब 'पाकिस्तान और भारत विभाजन ' के पेज 148 में लिखा कि महात्मा गांधी ने नरसंहार करने वाले मोपलाओं के बारे में कहा कि मोपला धर्मभीरु वीर लोग है जो उनके विचार से धर्म सम्मत है। पाकिस्तान के हिंदुओ ने सिंध को तत्कालीन बम्बई प्रान्त से अलग न करने की मांग को लेकर गांधी से कहा ऐसा करने से वे अल्पसंख्यक हो जाएंगे उनके जीवन पर पहले से अधिक खतरा हो जाएगा। इस पर गांधी जी ने 10 फरवरी 1940 के अपने हरिजन समाचार पत्र के द्वारा कहा कि हिंदुओं को अपनी जानमाल की हिफाजत करने का तरीका खुद खोजना होगा। नतीजा सिंध, बंबई प्रान्त से अलग हुआ और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक हो गए । उन पर हमलों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई। इसमें कोई शक नहीं कि गांधी ने खेड़ा, चंपारण, असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वारा भारतीय जन समुदाय को स्वतंत्रता की चेतना से जोड़ दिया परन्तु साम्प्रदायिकता के आगे वह लगातार घुटना टेकते रहे । जिससे मुस्लिम लीग को ताकत मिलती गयी और वह लगातार मजबूत होती चली गई। जाने माने इतिहासकार विपिन चंद्रा जिन्हें आमतौर पर गांधीवादी इतिहासकार माना जाता है उन्होंने अपनी किताब 'भारत का स्वतंत्रता संघर्ष' में गाँधी युग की कांग्रेस पर साम्प्रदायिकता से लड़ने में असफल बताकर कांग्रेस की खुलकर आलोचना की । उन्होंने अपनी किताब भारत का स्वतंत्रता संग्राम में 353, 387,395 पेज पर लिखा कि कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता से संघर्ष नही किया और उसके मूल कारणों को नही समझा जिससे मुस्लिम लीग और जिन्ना मजबूत होते गए। कांग्रेस स्वतंत्रता की चेतना का प्रसार तो कर सकी परन्तु राष्ट्र से नहीं जोड़ सकी खासकर मुसलमानों को । यह कांग्रेस की बड़ी कमजोरी थी । भारतीय भूभाग को अलग होने और पाकिस्तान बनने की प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी नही हुई यह लंबे कुटिल ,कुत्सित प्रयासों और राष्ट्रवादी विचारों की दीर्घकालीन असफलताओं के चलते हुआ है। अविभाजित भारत लाहौर के रहने वाले प्रोफेसर 'ए एन बाली' जिन्होंने खुद अपनी आंखों से बटवारे को देखा था । उन्होंने बंटवारे के पीछे की कुटिलताओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवकों की भूमिका को अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने बंटवारे पर 'नाउ इट कैन बी टोल्ड' नामक पुस्तक लिखी है। उन्होंने अपनी इस किताब के पेज 34 में लिखा कि कैसे लाहौर जो कि हिन्दू बाहुल्य 1941 तक था । मुस्लिम लीग ने एक हिन्दू पार्षद के वोट के समर्थन के चलते लाहौर नगर निगम में बहुमत प्राप्त कर नगर निगम द्वारा ग्रामीण मुस्लिम इलाकों को मिलाकर लाहौर को मुस्लिम बाहुल्य बना दिया था । बटवारे तय होने के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने अंतिम समय तक यह तय नही किया था कि लाहौर, कलकत्ता और दिल्ली पाकिस्तान में रहेगा या भारत में । हिंदुओं के बहुमत के कारण कलकत्ता और दिल्ली तो भारत को मिल गए परन्तु प्रभु श्रीराम के पुत्र लव का बसाया शहर लाहौर, हिंदू अल्पसंख्यक हो जाने के कारण पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया। प्रोफेसर 'बाली' लिखते है कि जब तत्कालीन नेहरू कांग्रेस सरकार मुस्लिम दंगाइयों को रोक पाने में असफल थी आरएसएस कार्यकर्ताओं ने अपनी जान पर खेलकर न केवल हिंदू और सिखों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया बल्कि दंगाइयों से बलपूर्वक सशस्त्र मुकाबला कर उन्हें खदेड़ा भी। वह कहते है जान की परवाह किये बिना पंजाब के प्रत्येक मुहल्ले में उन्होंने मोर्चा संभाला और राहत कार्य करने के बाद में ही स्वयं पाकिस्तान छोड़ा। यहां तक कि तमाम कांग्रेसी लोगों ने भी, अपने परिवार की सुरक्षा के लिए संघ कार्यकर्ताओं से ही गुहार की जिस पर संघ कार्यकर्ताओं ने उन्हें निराश नहीं किया। विभाजन के एक और चश्मदीद लेखक गुरुदत्त ने भी अपनी किताबों 'विश्वासघात' और 'देश की हत्या' में आरएसएस और आर्य समाज के कार्यकर्ताओं के अमूल्य योगदान की सराहना की है। बटवारे के बाद सितंबर 1947 में मुस्लिम लीग ने दिल्ली में भारी मात्रा में असलाह, बारूद इकट्ठा कर दिल्ली सरकार का तख्तापलट करने की योजना बनाई थी। तब संघ के जागरूक कार्यकर्ताओं ने नेहरू और पटेल को इस आशय की सूचना पहुँचाई थी जिस पर सरकार ने छापा डालकर भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद जब्त कर लीग की योजना पर पानी फेर दिया था। संघ के तत्कालीन सर संघचालक गोलवरकर जी ने विभाजन के दौरान हिंदुओं, सिखों की सहायता के लिए पंजाब का सघन प्रवास किया था।

साम्प्रदायिकता से नतमस्तक होने और तुष्टीकरण की नीति के चलते भारत का दुखद विभाजन हुआ और विभाजन की ऐसी विभीषिका जनमानस ने झेली जिसका वर्णन करना मुश्किल है। विभाजन के दौरान ब्रिटिश अधिकारी 'मोसले' जिसने अपनी आंखों से दुखद विभाजन को देखा था। उसने बताया था कि पाकिस्तान से भारत में आने वाला एक जत्था 73 मील का था । ये लम्बे जत्थे इसलिये चलते थे क्योंकि जत्थों में शामिल लोगों को लगता था कि बड़े जत्थे के साथ चलना उनके लिये ज्यादा सुरक्षा जनक हो सकता है। फिर भी हालात इतने बुरे थे पाकिस्तान के मुस्लिम बलवाई जत्थों पर हमला करके सामान, महिलाओं, युवतियों को लूट लेते थे फिर भी जत्था रुकता नही था और चलता ही जाता था। विस्थापित हो रहे परिजन और पीड़ित असहाय होकर हमेशा के लिये स्वजनों से बिछड़ जाते थे ।विभाजन की विभीषिका का वर्णन किताब 'फ्रीडम मिडनाइट चिल्ड्रन' तथा लेखक गुरुदत्त की कई पुस्तकों में जिन्होंने विभाजन स्वयं झेला था सहित कई किताबों में वर्णित है । ज्ञात इतिहास में मात्र छह महीनों में इतनी बड़ी त्रासदी आधुनिक दुनिया में शायद ही कहीं हुई हो।

## तालिबान ने सिखाया पाक को सबक!

टीटीपी पर ड्रोन और फाइटर जेट से हमला कर पाकिस्तान इतराता फिर रह था कि उसने तालिबान को सबक सिखा दिया है। लेकिन समय रहते अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को करारा जवाब दे दिया है। अफगान तालिबान मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो अज्ञात ड्रोन ने बुधवार शाम को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले में आईएस के ठिकानों पर आसमानी हमला कर उसे सबक सिखा दिया है। इस दौरान आईएस के ठिकाने पर उसके कई प्रमुख कमांडर मौजूद थे। इसमें अब्दुल हकीम तोहिदी, गुल नाजिम और सादिक यार शामिल थे। तालिबानी मीडिया का दावा है कि ये सभी अफगानिस्तान के अंदर कई हमलों के जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि आईएस के ठिकानों पर हमला करने के बाद ये किलर ड्रोन आसानी से अफगानिस्तान वापस जाने में भी सफल रहे। अब प्रभावित इलाके के लोगों का कहना है कि इस इलाके में बीती रात कई ड्रोन देखे गए थे। ड्रोन हमले के दौरान पाकिस्तानी सेना ने हैवी मशीन गन से ड्रोन पर हमले का प्रयास किया लेकिन वे रोकने में सफल नहीं हो सके। पाकिस्तान ने तो इस अफगान ड्रोन हमले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन तालिबानी मीडिया अल मिरशाद का दावा है कि आईएस के आतंकी खैबर और ओरकजई इलाके के रहने वाले थे। ये सभी स्थानीय आईएस आतंकी अब्दुल मलिक के करीबी सहयोगी थे।मलिक की 8 अगस्त को हत्या कर दी गई थी। आईएस आतंकी अब्दुल हकीम पश्चिमी जोन का प्रमुख है और वह अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में प्रमुख रूप से सक्रिय था। वह पाकिस्तान के खैबर प्रांत के पहाड़ी इलाके में छिपा हुआ था। तालिबान का आरोप है कि पाकिस्तान की सेना आईएसआईएस के आतंकियों को पाल रही है ताकि तालिबान की सरकार पर दबाव बनाए रखा जा सके। पाकिस्तान की मंशा है कि तालिबान उनके लिए गुलाम नौकर की तरह काम करें और भारत के खिलाफ आतंकी हमले कराने में मदद करे। दूसरी तरफ तालिबान सरकार ने साफ मना कर दिया है कि वह पाकिस्तान के आगे नहीं झुकेगी, क्यों कि उसके भारत के साथ रिश्ते बेहद संवेदनशील और मजबूत भी हैं। बता दें कि इस ड्रोन हमले से पहले पाकिस्तानी वायुसेना ने अफगानिस्तान के अंदर एक बड़ा हवाई हमला करा दिया था जिसमें 9 बच्चों समेत 10 लोग मारे गए थे। इससे दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। तालिबान सरकार ने दावा किया है कि समय आने पर वह इसका और भी करारा जवाब देगी। इस बीच तुर्की में पाकिस्तान और तालिबान के बीच बातचीत की गुंजाइश बनी है। लेकिन दोनों ही देश अपनी जिद पर अड़े हैं। पाकिस्तान लगातार तालिबान पर टीटीपी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बना रहा है। वहीं तालिबान का कहना है कि टीटीपी के आतंकी पाकिस्तान के अंदर ही छिपे हुए हैं। टीटीपी के सरगना नूर वली ने पिछले दिनों पाकिस्तान के पहाड़ों से अपना एक वीडियो भी जारी किया था। बहरहाल, दोनों देशों के बीच उत्पन्न विवाद इतनी जल्दी खत्म हो जाएगा इसमें संदेह है।

## कर्नाटक की सियासत में अब डीके रहेंगे या सिद्धारमैया

स्वदेश कुमार

कर्नाटक की राजनीति में इस समय एक बड़ा राजनीतिक घमासान चल रहा है, जिसका केन्द्र बिंदु उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर टकराव है। दोनों के बीच विवाद इतना गहरा हो गया है कि जिससे पार्टी के अंदर मतभेद साफ नज़र आने लगे हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए यह परिस्थिति चुनौतीपूर्ण बन गई है क्योंकि दोनों नेताओं की महत्त्वाकांक्षाएं और राजनीतिक दबाव पार्टी की लाइन के खिलाफ जाकर संकट उत्पन्न कर रहे हैं। डीके शिवकुमार राजनीतिक रूप से कर्नाटक में अपनी पकड़ मजबूत करते आ रहे हैं। वे लंबे समय से पार्टी के मुख्य नेतृत्व में सक्रिय रहे हैं और उनकी पकड़ पार्टी के अधिकांश कार्यकर्ताओं व नेताओं के बीच है। ऐसे में उन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी के मामले में कोई समझौता करने का मन नहीं बनाया। शिवकुमार का मानना है कि उनके अनुभव, जनाधार, और राजनीतिक योगदान के कारण वे इस पद के लिए अधिक योग्य हैं। उन्होंने सीधे तौर पर यह भी संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री की कुर्सी से कम पर वे कभी सहमत नहीं होंगे।सिद्धारमैया, जो अभी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, वे भी अपनी कुर्सी छोड़ने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। उनकी भी पार्टी में अपनी पकड़ है और वे भी इस पद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सिद्धरमैया के समर्थक भी उनकी सरकार को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और किसी भी तरह की बगावत को पार्टी हित के खिलाफ मानते हैं। इसलिए उनके लिए यह कुर्सी छोड़ना कोई आसान फैसला नहीं है।इस बीच, पार्टी के आलाकमान के लिए स्थिति काफी पेचीदा हो गई है। दोनों नेताओं के बीच हो रहे इस टकराव ने कांग्रेस के रणनीतिक कमजोरियों को उजागर कर दिया है। बगावत इतनी बढ़ चुकी है कि अगर पार्टी नेतृत्व समय पर सही और संतुलित निर्णय नहीं लेता है तो इसका असर विधानसभा चुनावों पर भी पड़ सकता है। खासकर जब पार्टी को कर्नाटक में अपनी पकड़ और संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों की राय में अगर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी इस विवाद को शांति से नहीं सुलझाते हैं, तो पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह टकराव आज केवल मुख्यमंत्री पद का नहीं रहा, बल्कि दोनों के समर्थक भी अलग-अलग मोर्चे पर खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि शिवकुमार के समर्थक तो यहां तक कि बीजेपी से भी संपर्क करने में गुरेज नहीं कर रहे, जो कांग्रेस पार्टी के लिए चिंताजनक स्थिति है। यह संकेत है कि अगर पार्टी आलाकमान ने समय रहते स्पष्ट निर्देश या मध्यस्थता नहीं की, तो शिवकुमार के नेतृत्व में पार्टी के भीतर अलगाव या विघटन की संभावना भी जताई जा रही है।पार्टी नेतृत्व ने फिलहाल इस मामले में चुप्पी साध रखी है, लेकिन खबरों के अनुसार राहुल गांधी ने पक्षों की बात सुननी शुरू कर दी है। इसके बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाएगा। परंतु इधर दोनों पक्षों के खेमे भी अपनी-अपनी दलीलों को पार्टी अध्यक्ष तक पहुँचा चुके हैं। दोनों ओर से इसकी उम्मीद जताई जा रही है कि जो भी फैसला आएगा, वह उनके लिए स्वीकार्य होगा। लेकिन राजनीतिक धरातल पर देखा जाए तो ऐसा होना मुश्किल लगता है क्योंकि दोनों नेताओं की महत्वाकांक्षाएं इतनी मजबूत हैं कि वे दोनों ही कम समझौता करने को तैयार नहीं हैं।इस विवाद की वजह से कांग्रेस पार्टी के अंदर सशक्त नेतृत्व की कमी उजागर हो रही है। ऐसी स्थिति में पार्टी के लिए जरूरी होगा कि वह जल्द से जल्द इस मुद्दे का समाधान निकाले ताकि आगे बढ़कर चुनाव तैयारी और संगठन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। यदि लंबे समय तक यह विवाद बना रहा तो इससे पार्टी के कार्यकर्ता भी निराश हो सकते हैं और विरोधी दलों को भी यह मौका मिलेगा कि वे इसका राजनीतिक लाभ उठाएं।

यह मुद्दा कर्नाटक की राजनीति में भी हलचल मचा रहा है। विपक्षी दल इसे कांग्रेस में अंदरूनी फूट के रूप में दिखा रहे हैं और अपनी ताकत बताने का मौका तलाश रहे हैं। यदि कांग्रेस ने इस विवाद को संभाला नहीं तो कर्नाटक में उसकी सरकार खतरे में पड़ सकती है।

## ज्योतिबा फुले : बराबरी की अलख के प्रथम यात्री

आरके जैन

भारत के सामाजिक इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो तारीखों में नहीं, मनुष्यों की चेतना में दर्ज होते हैं-ज्योतिबा फुले उन्हीं में से एक थे। 28 नवम्बर 1890, उनका अंतिम दिन था, लेकिन किसी अंत की तरह नहीं, एक नई शुरुआत की तरह। इस दिन एक शरीर थमा, पर वह विचार नहीं जो सदियों से जकड़े समाज में बराबरी की पहली लौ बनकर जला था। वे व्यक्ति नहीं थे, एक प्रश्न थे; एक चिंगारी थे; एक ऐसा विजन थे जो अपने समय से सौ साल आगे खड़ा था। आज जब उनके जीवन को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो महसूस होता है कि वह शरीर से गए, पर उनके विचार आज भी उसी तीव्रता से धड़कते हैं जैसे उन दिनों पुणे की तंग गलियों में धड़कते थे, जहाँ हर कदम पर जाति और मनुष्यता का संघर्ष टकराता था।

मनुष्यत्व के प्रथम संरक्षक ज्योतिराव फुले ने समाज को बदलने के लिए हथियार नहीं चुना, उन्होंने चेतना को हथियार बना दिया। उस समय, जब जन्म ही इंसान की किस्मत लिख देता था; जब शिक्षा कुछ ऊँची जातियों की निजी संपत्ति थी; जब स्त्री को इंसान नहीं, घर की जिम्मेदारी का सामान समझा जाता था; जब ऊँच-नीच की दीवारें इतनी ऊँची थीं कि रोशनी भी लौट जाती थी-उसी घने अंधकार में फुले एक दीप लेकर खड़े हुए। और सबसे विलक्षण यह था कि वह दीप उन्होंने अपने मार्ग के लिए नहीं, दूसरों की राह रोशन करने के लिए उठाया।

किताबों में अक्सर लिखा मिलता है कि ज्योतिबा फुले "समाज सुधारक" थे, पर यह शब्द उनके लिए छोटा पड़ जाता है। वे समाज को सुधारने नहीं, पुनर्निर्माण करने आए थे। वे उस नींव को बदलने आए थे जिस पर सदियों से अन्याय की दीवारें खड़ी थीं। उनकी दृष्टि इतनी गहरी थी कि उन्होंने न सिर्फ सामाजिक बंधनों को पहचाना, बल्कि यह भी समझा कि कारण केवल व्यवस्था नहीं—सोच है। और सोच को बदलने का एकमात्र रास्ता था शिक्षा। उनके लिए शिक्षा केवल किताबों का ज्ञान नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का पहला अधिकार था। इसीलिए उन्होंने लड़की की शिक्षा को अपना सबसे पवित्र संघर्ष माना। सावित्रीबाई फुले के साथ जब उन्होंने पहली कन्या-शाला खोली, तो वह कदम उतना ही क्रांतिकारी था जितना किसी पूरी व्यवस्था को उलट देना।

उन्हें अपशब्द कहे गए, उन पर कीचड़ फेंका गया, उन्हें समाज से निकाल देने की धमकियाँ मिलीं-पर फुले पीछे नहीं हटे। क्योंकि उनके भीतर उस व्यवस्था से अधिक शक्तिशाली चीज थी: मनुष्य की गरिमा पर अडिग विश्वास। उनका संघर्ष केवल जाति या शिक्षा तक सीमित नहीं था। वे स्त्री को केवल शिक्षित करना नहीं चाहते थे, वे स्त्री को उसके संपूर्ण मनुष्यत्व के साथ स्थापित करना चाहते थे।

वे चाहते थे कि स्त्री अपने भीतर की पहचान को पहचान सके-अपना अधिकार, अपनी गरिमा, अपनी आवाज। उस समय, जब विधवाओं को जीवित दफनाने की अमानवीय प्रथा मौजूद थी; जब स्त्री की शिक्षा को पाप कहा जाता था; जब पुरुषसत्ता का फैसला अंतिम सच माना जाता था-फुले ने इन सब दीवारों को एक-एक कर ढहाया। विधवा पुनर्विवाह के समर्थन से लेकर बालिकाओं की सुरक्षा के लिए आश्रय-गृहों की स्थापना तक, उनका हर पहल स्त्री-मुक्ति की ओर एक नई, सुरक्षित जमीन तैयार कर रही थी।

लेकिन फुले की सबसे प्रखर विरासत सत्यशोधक समाज है-एक संस्था कम, और विचारों के विद्रोह का गुरुकुल अधिक। यह वह मंच था जहाँ इंसान को पहली बार यह सीख मिली कि उसकी पहचान जाति से नहीं, मानवता से शुरू होती है। यहाँ जन्म से ऊपर कर्म था; पूजा से ऊपर न्याय; और देवी-देवताओं की ऊँची वेदियों से ऊपर मनुष्य की गरिमा। सत्यशोधक समाज ने उन वर्गों को चेहरा, आवाज़ और आत्मपहचान दी, जिन्हें सदियों तक अंधेरे में कैद रखा गया था। फुले ने उन्हें केवल सहारा नहीं दिया-उन्होंने उन्हें यह सामर्थ्य भी दिया कि वे स्वयं अपने पैरों पर उठ सकें। समता-जागरण के शिल्पी ज्योतिबा फुले का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति विचार होता है। उनके पास न सत्ता थी, न पद; न सेना थी, न संपत्ति-फिर भी वे व्यवस्था की जड़ें हिला सके, क्योंकि उनका आधार सत्य था। और सत्य जब संकल्प से जुड़ता है, तो इतिहास की दिशा बदल देता है। फुले किसी व्यक्ति से नहीं, मानसिकता से लड़ने निकले थे। उन्होंने बताया कि समाज की सबसे ऊँची दीवारें जन्म नहीं खड़ी करता, सोच खड़ी करती है। और उन्हें गिराने का उपाय है-प्रश्न करना, सोच जगाना और साहस के साथ खड़ा होना।

उनकी पुण्यतिथि किसी औपचारिक श्रद्धांजलि का दिन भर नहीं- यह एक दायित्व है, एक स्मरण है कि हम उस रास्ते पर चलें जिसे उन्होंने दिखाया था। क्योंकि ऊँच-नीच आज भी हमारे सामाजिक ढाँचे में टिकी है; शिक्षा अब भी सभी तक समान रूप से नहीं पहुँचती; स्त्री के अधिकारों की लड़ाई अभी अधूरी है; और सोच के कई दरवाज़ों पर अब भी सदियों पुरानी बेड़ियाँ जड़ी हैं। फुले हमें सिखाते हैं कि बदलाव शिखरों की कृपा से नहीं उतरता-वह धरती की जड़ों से उगता है। जो व्यक्ति उस धरती में बराबरी का बीज बोता है, वही असली क्रांतिकारी होता है।

ज्योतिबा फुले का जाना इतिहास की एक बंद होती पंक्ति नहीं, वह विचारों की एक नई यात्रा का प्रारंभ बिंदु है। वह यात्रा जो सावित्रीबाई से होकर डॉ. आम्बेडकर तक जाती है, और आज भी उस हर जगह पहुँचती है जहाँ कोई बच्चा शिक्षा की रोशनी चाहता है, कोई स्त्री अपने सम्मान के लिए खड़ी होती है, कोई मजदूर अपने अधिकार की मांग करता है, कोई युवा अन्याय के आगे सिर झुकाने से इंकार करता है। फुले का जीवन हमें बताता है कि रोशनी कभी समाप्त नहीं होती, वह केवल हाथ बदलती है।

आज, 28 नवम्बर को उन्हें याद करते हुए, हम केवल इतिहास को नहीं पढ़ते-हम अपने वर्तमान की जिम्मेदारी पहचानते हैं। फुले का जाना एक समाप्ति नहीं, एक आह्वान था। और यदि हम उस आह्वान का सम्मान करना चाहते हैं, तो हमें हर उस मनुष्य के साथ खड़ा होना होगा जिसे समाज ने किनारे धकेला है। यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि है-न भाषण, न फूल, न समारोह; बल्कि वह साहस, वह संवेदना और वह समता, जिसे उन्होंने जीवनभर जिया।

## आतंकवाद के मासूम चेहरों के पीछे छुपी है क्रूरता और विध्वंस

डॉ. अंशुल उपाध्याय

आतंकवाद जाति और मज़हब के नाम पर गहरा धब्बा हैं। जो लोग भी इस कृत्य में शामिल होते है उनकी जीवन प्रत्याशा अपने आप ही कम जाती है। एक ओर जहां आतंकी नेटवर्क को चलाने के लिए बालकों के दिमाग में जहर और नफ़रत भरकर उनको कम उम्र में ही इस काम में धकेल दिया जाता है। वही दूसरी ओर युवाओं को रूपये और उनके परिवार का पोषण का जूठा वादा करके आतंकी बनने के लिए घसीट लिया जाता है। लाइफ देते हैं और आम जन को बली चढ़ाने के लिए आतंकवाद की आग में झोंक देते हैं।

**दिल्ली में विस्फोट के पीछे का काला सच**

वर्तमान घटना क्रम की बात करे तो, दिल्ली लाल किले के पास हुए जोरदार कार धमाके में डॉ. उमर नबी ने करीब 30-40 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया था। पुलिस इस बात की आशंका जता रही है। कि इस धमाके में अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल हुआ है।सूत्रों के मुताबिक आतंकी ने विस्फोट को और खतरनाक बनाने के लिए अमोनियम नाइट्रेट के अलावा दूसरे पदार्थों का भी इस्तेमाल भी किया होगा। जिसकी जांच अभी चल रही है। इन्हीं केमिकल पदार्थों के द्वारा ही धमाका काफी जोरदार हुआ था और इसकी गूंज काफी दूर तक सुनाई दी थी। मार्च 2020 में गिरफ्तार अलीपुर महिला सुधार गृह में बंद परवीन जो मौलाना मसूद अज़हर की बहन, है और लश्कर - ए -तैयबा की एक हैंडलर भी है से पूछ ताछ में पता चला है कि वह खुद जैश की महिला शाखा की प्रमुख सईदा अज़हर के निर्देशों पर काम करती थी। परवीन कथित तौर पर आतंकवादियों के लिए ऑनलाइन भर्ती का काम संभालती थी और उसकी गतिविधियों पर नज़र रखती थी है। आज आतंकी सिर्फ पहाड़ों में छिपे बंदूकधारी नहीं रह गए है, बल्कि यहां तो यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले डॉक्टर, इंजीनियर और टेक-सेवी नौजवानों को भी आतंकी बनाया जा रहा है। भारत के भीतर व्हाइट कॉलर टेरर का ऐसा नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मेडिकल पेशे की आड़ में देश को अस्थिर करने की साजिश रच रहा था।

**अव्वल दर्जे की मनोवैज्ञानिक ट्रेनिंग का नतीजा होते हैं आतंकी**

बदलते परिवेश में मनोवैज्ञानिक तरीके से युवक और युवतियों का धीरे-धीरे ब्रेनवाश करके 15 से 16 वर्ष की आयु तक उन्हें एक ट्रेंड और क्रूर आतंकी बना दिया जाता है। फिर ये मासूम एक ऐसे व्यक्ति बन जाते है जिसका ख़ुद का दिमाग चलना ही बंद हो जाता है। और जो भी उन्हें आदेश या टारगेट दिए जाते है वे अपना दिमाग बिना चलाए आंख मूंद कर उन टारगेटों को पूरा करने के लिए निकल जाते है। फिर चाहे उन्हें सुसाइड बंबर बनकर अपने ही शरीर के चीथड़े ही क्यों ना उड़ाने पड़े। आतंकवादियों का जरा भी इस बात का इल्म नहीं होता कि उन्होंने उनके इस काम से कितने मासूमो को मारा है। इतनी क्रूरता आखिर किस लिए सिर्फ? सरकार को दिखाने के लिए, या जनता को डराने के लिए? या फिर अपने नाकाम मानसून को पूरा करने के लिए? इस पर में बस इतना कहूँगी कि ये घटनाएं सिर्फ एक क्रूर मनुष्य के दिमाग से जन्म लेती है और विचलित, ब्रेन लॉक मनुष्य के द्वारा अंजाम तक पहुंचाई जाती है। जिनका मकसद सिर्फ समाज में आतंकवाद डर को फैलाना होता है।

**कश्मीर की आड़ में अपने खूनी मंसूबों को अंजाम देते हैं आतंकी**

आतंकवादी ऐसे लक्ष्य विहीन लोग होते है जो,कश्मीर की आड़ में कश्मीर को ही खोखला कर रहे है। कश्मीर में रहने वाला शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसने आतंक के इस डरावने चेहरे का सामान न किया हो। पाकिस्तान में बैठे कुछ लोग अगर कश्मीर की आजादी की बात कर रहे है तो इसमें कोई भी दो मत नहीं है कि जितना वह आतंक और नरसंहार फैला रहे है उसके बाद उनसे शांति और करुणा की बात करना बेफिजूल ही है । ये न केवल अपने खूनी मंसूबों को ही अंजाम दे रहे है। बल्कि हथियारों का निर्माण और उनकी तस्करी करने वालों को भी सीधा फ़ायदा पहुंचा रहे है। हथियारों की तस्करी करने वाले ये लोग तो अमीर देशों में बैठे हुए है। और आतंकवादी बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है मिडिल क्लास और निम्न तबगे के लोगों का। जबकि इन आतंकियों के जो हुक्मरान होते हैं वह खुद अपने बच्चों और परिवार को तो लग्जरी

**घटना के बाद परिवार द्वारा शव का बहिष्कार**

फिदायीन आतंकी डॉ. उमर नबी जिसके इस विस्फोट में टुकड़े टुकड़े हो गए थे, उसके शव के कई टुकड़े मोर्चरी में रखे हुए हैं। डीएनए से उसके शव की पहचान भी हो गई है।

फिर भी उमर का शव लेने के लिए, अभी किसी ने भी दावा नहीं किया है। ये वही डॉ. उमर है जो पहले विस्फोटक से लदी कार लेकर दिल्ली के वीआईपी इलाकों में घूमता रहा और बाद में इसने इस भयानक विस्फोट को अंजाम दिया। उमर की उम्र 43 वर्ष ही थी और वह अल फलाह यूनिवर्सिटी फरीदाबाद से जुड़ा हुआ था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां उसके परिवार से लगातार पूछताछ कर रही हैं। पर विचार करने वाली बात यही है की, ऐसे नौजवान जो आतंक के हत्थे चढ़ जाते है अपने पीछे अपने पूरे परिवार को जीवन भर के लिए बदनामी और सामाजिक बहिष्कार का हिस्सा बना जाते है। लेखिका फॉर्मर यू.जी.सी. सीनियर रिसर्च फैलो (रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन), दिल्ली रह चुकी हैं।

## भ्रष्टाचार का 'अमृत' भोज

डॉ. सुरेश कुमार

हमारे देश में जब भी कोई बड़ा उत्सव होता है – फिर चाहे वह 'राष्ट्र निर्माण' का हो, 'लोकतंत्र के चार साल पूरे' होने का, या किसी नए 'घोटाले' के सफल उद्घाटन का – एक बात तय होती है: भोज। यह तस्वीर उसी परम पवित्र भोज का साक्षात प्रमाण है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसे खाने के बाद आदमी सीधे 'सत्ता के स्वर्ग' में प्रवेश कर जाता है। मेज पर विराजमान हैं हमारे समाज के पंच-स्तंभ, जो एक-दूसरे को देख ऐसे मुस्कुरा रहे हैं, जैसे किसी 'राष्ट्रीय संपत्ति' के बँटवारे का गुप्त फॉर्मूला उनके हाथ लग गया हो। केंद्र में हैं राजनेता जी, दही-बड़े पर ऐसे टूट रहे हैं, मानो देश की 'सकल घरेलू उत्पाद' की दर को चबा रहे हों। बगल में बैंक वाले बाबू ऐसे शालीनता से खा रहे हैं, जैसे 'डिफॉल्टर' बनने की अगली योजना पर चिंतन कर रहे हों। और हाँ, धार्मिक एकता का प्रदर्शन भी ज़रूरी है! सो, एक तरफ़ पादरी साहब हैं, दूसरी ओर इमाम साहब। दोनों के चेहरे पर आत्मिक शांति है, क्योंकि उन्होंने 'धर्म के नाम पर देश को लूटने' के महायज्ञ में अपना-अपना आहुति-दान बराबर मात्रा में दे दिया है। और इनके बीच में, 'परंपराओं के संरक्षक' ठाकुर साहब, जो ऐसे खा रहे हैं, जैसे उनकी रियासत का आखिरी किसान उनके प्लेट में परोसा गया हो। ये सब मिलकर, उस मेज को, देश के सारे संसाधनों को, सारी सुविधाओं को, बड़े प्रेम और भाईचारे के साथ निगल रहे हैं। बाहर से देखने पर लगता है कि देश में सब 'चंगा' है, क्योंकि नेताजी का पेट भर गया है। पर, इस पूरी व्यवस्था की नींव पर कौन खड़ा है? हाँ, वही, थाने का दरोगा रामसेवक। थाने के दरोगा रामसेवक, जो नीचे खड़े हैं, उनकी वर्दी पर धूल और निराशा की एक मोटी परत जमी हुई है। वर्दी, जिसे पहनकर वे कभी 'देश का रखवाला' बनने का सपना देखते थे, वह अब एक फटा हुआ, पैबंद लगा हुआ कपड़ा मात्र है। मेज पर बैठे लोगों की थाली में एक-एक मुर्गा है, लेकिन रामसेवक के हिस्से में 'भूख का कड़कड़ाता यथार्थ' है। उनके सिर पर टोपी नहीं, बल्कि 'असुरक्षा का बोझ' है। चित्र का संदेश एकदम स्पष्ट है: नो मील, नो यूनिफार्म, नो हाउसिंग... यानी 'खाने' से लेकर 'कफ़न' तक की कोई गारंटी नहीं। रामसेवक सोचता है: हुज़ूर, ये कैसी व्यवस्था है? इन वीआईपी लोगों को मैं जिस लाठी के बल पर सुरक्षा देता हूँ, वह लाठी भी मुझे अपने वेतन से ख़रीदनी पड़ती है। मेरे घर में टपकती छत है, पर नेताजी के फार्महाउस का बिल भी मुझे ही देखना पड़ता है। मेरी बीवी बीमार है, क्योंकि मेरे पास 'इंश्योरेंस' नहीं है, पर मेज पर बैठा हर आदमी 'हेलीकॉप्टर' के ख़र्चे का भी बीमा करा चुका है। उसे सबसे ज़्यादा दर्द होता है 'पेंशन' न होने का। मतलब, तीस साल तक देश की सेवा करो, गुंडों से लड़ो, नेताओं के जूते उठाओ, और रिटायरमेंट पर खाली हाथ बैठो! यानी, जब तक शरीर में जान है, तब तक सिस्टम का 'डंडा' बनकर काम करो, और जब डंडा टूटे, तो उसे कूड़ेदान में फेंक दो। रामसेवक को लगता है, वह पुलिसकर्मी नहीं, बल्कि एक 'सरकारी मज़दूर' है, जिसे मुफ़्त में 'लाठी' थमा दी गई है। रामसेवक हिम्मत करके मेज के पास जाता है। वह देखता है कि राजनेता जी प्लेट में बची हुई 'चाट' को भी उँगली से चाट रहे हैं, ताकि कुछ भी बर्बाद न हो – देश का पैसा हो या भोजन। रामसेवक ने टूटी हुई आवाज़ में पूछा: साहब! यह सब... यह सब हमारा हिस्सा है न? राजनेता जी ने रामसेवक की ओर देखा, जैसे उन्हें कोई मच्छर काट रहा हो। उन्होंने एक बूँद 'ग्रेवी' निगलकर कहा, किसका हिस्सा? हाँ, बेटा, यह 'विकास' का प्रसाद है। तुम लोगों को इसमें से क्या चाहिए? रामसेवक ने कहा, साहेब, हमें बस... पेंशन। बूढ़े होने पर कुछ सहारा। और यह जो जवान पीछे खड़ा है, इसे एक ठीक-ठाक वर्दी, ताकि यह धूप में थोड़ा बचा रहे। पादरी और इमाम साहब एक-दूसरे की ओर देखकर मंद-मंद मुस्कुराए। पादरी जी बोले, देखो बेटा, तुम्हारी सेवा ही तुम्हारा 'ईश्वरीय फल' है। तुम अपनी सेवा से ही स्वर्ग पाओगे। इमाम साहब ने समर्थन किया, सही फरमाया। और यह दुनिया तो फ़ानी है। स्वर्ग में तुम्हें 'बीमा' भी मिलेगा और 'घर' भी। ज़रा सब्र रखो, यह दुनिया तो एक 'परीक्षा' है। बैंक वाले बाबू ने खाँसकर कहा, देखो दरोगा, हम यहाँ जो कुछ खा रहे हैं, वह 'अर्थव्यवस्था को मजबूत' करने के लिए खा रहे हैं। तुम 'पेंशन' माँगते हो? जानते हो, पेंशन देने से 'सरकारी खजाना' खाली हो जाएगा! देश का विकास रुक जाएगा! इसलिए, तुम देश के लिए एक और 'कुर्बानी' दो - अपनी पेंशन की! तुम भूखे रहोगे, तो हम देश को 'विकास' की चाशनी में डुबो पाएँगे! रामसेवक को लगा, इन लोगों ने 'देश के विकास' को एक 'मुर्गा' मान लिया है, जिसे ये बड़े इत्मीनान से खा रहे हैं और उसे काटने में उनकी मदद करने के लिए, रामसेवक को ही खड़ा किया गया है।

# शनि 138 दिन बाद हो रहे मार्गी

## 28 नवंबर से मेष समेत इन 5 राशियों का 2026 तक मिलेगा जबरदस्त लाभ

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर और कुंभ राशि के स्वामी शनि सभी ग्रहों में सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं, शनि को एक राशि से दूसरी राशि में जाने पर ढाई साल का समय लगता है. वैदिक ज्योतिष के अनुसार, शनि 29 मार्च को मीन राशि में प्रवेश किया था और 13 जुलाई को इसी राशि में वक्री यानी उल्टी चाल चलना शुरू कर दिए. अब शनि 28 नवंबर को वक्री अवस्था से मीन राशि में ही मार्गी यानी सीधी चाल चलने वाले हैं और साल 2026 में भी इसी राशि में रहने वाले हैं. शनि का मीन राशि में 138 दिन बाद मार्गी हो रहे हैं. शनि की सीधी चाल चलने का फायदा 5 राशियों को मिलने वाला है. इन 5 राशियों को ना सिर्फ इस साल बल्कि साल 2026 में भी कई फायदे मिलेंगे. आइए जानते हैं 138 दिन बाद मार्गी होने से किन किन राशियों को फायदा मिलने वाला है...

**शनि मार्गी का मेष राशि पर प्रभाव**

शनि का मार्गी होना मेष राशि वालों के जीवन में कई अद्भुत लाभ लेकर आएगा. इस राशि के जो लोग काफी समय से नौकरी की तलाश कर रहे थे, उन्हें मनचाही नौकरी मिलने के योग बन रहे हैं. साथ ही ऑफिस में मेष राशि वालों के किए गए काम की सराहना होगी. शनिदेव की कृपा से मेष राशि वालों के मन की कई इच्छाएं पूरी होंगी और मकान व वाहन खरीदने का सपना भी पूरा होगा. शनिदेव की कृपा से मेष राशि वालों का शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होगा और परिवार में सभी की सेहत अच्छी रहेगी. इस राशि के छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी और व्यापार में लाभ होगा. इस दौरान आप अपने ज्ञान और अनुभव का इस्तेमाल कर दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं।

**शनि मार्गी का वृषभ राशि पर प्रभाव**

शनि का मीन राशि में मार्गी होना वृषभ राशि वालों के लिए फायदेमंद रहने वाला है. शनिदेव की कृपा से वृषभ राशि वालों का पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और परिवार में कई शुभ व मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है. वैवाहिक जीवन की बात करें तो जीवनसाथी के साथ आपसी समझ बढ़ेगी और न्यू ईयर पर कहीं बाहर जाने की प्लानिंग भी करेंगे. अगर ससुराल पक्ष में कोई समस्या चल रही है तो वह खत्म हो जाएगी और सभी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे. इस राशि के नौकरी पेशा और कारोबारियों की शनिदेव की कृपा से आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी और आप हर क्षेत्र सुरक्षित महसूस करेंगे।

**शनि मार्गी का कन्या राशि पर प्रभाव**

शनि का मार्गी होना कन्या राशि वालों के लिए कई शुभ लाभ लेकर आएगा. अगर आप काफी समय से मकान व फ्लैट खरीदने की इच्छा है तो आपकी शनिदेव की कृपा से इच्छा पूरी होगी. इस राशि के नौकरी पेशा जातकों के अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे और सभी टारेगट पूरा होंगे. कन्या राशि वालों के मन की साल 2026 में भी कई इच्छाएं पूरी होंगी और भाग्य का हर कदम पर साथ मिलेगा. कन्या राशि वालों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और माता-पिता की सेहत भी अच्छी रहेगी. परिवार में खुशियां बनी रहेंगी और संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा. इस दौरान आपके और आपके पार्टनर के रिश्ते बेहतर होंगे और आप दोनों के बीच प्यार भरी नोकझोंक हो सकती है।

**शनि मार्गी का तुला राशि पर प्रभाव**

शनि का मार्गी होना तुला राशि वालों के लिए बेहद शानदार रहने वाला है. तुला राशि वालों को शनिदेव की कृपा से हर क्षेत्र में भाग्य का साथ मिलेगा और आप साल 2026 में भी शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत नजर आएंगे. शनिदेव की कृपा से बिजनेस में अच्छा लाभ होगा और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी. जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और साथ मिलकर किसी संपत्ति की खरीदारी भी कर सकते हैं. संतान की उन्नति को देखकर मन प्रसन्न रहेगा और परिवार में कोई शुभ कार्यक्रम होने के योग बन रहे हैं. शनिदेव की कृपा से तुला राशि वालों के मन की कई इच्छाएं पूरी होंगी और आपके अच्छी दिनों की शुरुआत भी होगी।

**शनि मार्गी का कुंभ राशि पर प्रभाव**

शनि का मार्गी होना कुंभ राशि वालों के लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा. इस दौरान कुंभ राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और आमदनी में वृद्धि होगी. कुंभ राशि वालों को पुराने निवेशों से लाभ मिलेगा और शेयर बाजार में निवेश करने वालों को अच्छा मुनाफा भी मिल सकता है. स्वरोज़गार करने वालों को पहले से ज़्यादा मुनाफा होगा और लाभ में वृद्धि के लिए कई योजनाएं बनाएंगे. न्यू ईयर के मौके पर परिवार के साथ किसी आध्यात्मिक यात्रा पर जाने की संभावना है और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी. आपको विदेश से नई नौकरी के ऑफर मिल सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद रहेंगे. काम में आपकी मेहनत की सराहना भी हो सकती है. इस समय आपको अपने प्रोफेशन से जुड़ी यात्राएं करनी पड़ सकती हैं, जो आपके लिए संतोषजनक रहेंगी।

# अद्भुत है मदुरै का नारायण मंदिर, जमीन पर नहीं पड़ती शिखर की परछाई, 600 साल से भी ज्यादा पुराना है

भारत के कोने-कोने में ऐसे मंदिर हैं, जिनकी खूबसूरती, चमत्कार और बनावट हैरत में डालते हैं. ऐसा ही नारायण का मंदिर दक्षिण भारत के मदुरै में है. तमिलनाडु के मदुरै शहर में बसा कूडल अझगर मंदिर कोई साधारण नहीं, बल्कि एक वास्तुशिल्प चमत्कार है. छह सदी से भी अधिक पुराना यह विष्णु मंदिर 108 दिव्य देशमों में से एक है, जहां नारायण 'कूडल अझगर' (सुंदर सर्पशय्या पर विराजमान) रूप में दर्शन देते हैं. मंदिर की खासियत रहस्यमयी अष्टांग विमान आठ हिस्सों वाला शिखर है, जिसकी परछाईं दोपहर के समय भी धरती को स्पर्श नहीं करती है।

**पांच मंजिला है मंदिर का राजगोपुरम**

तमिलनाडु पर्यटन विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर मंदिर के बारे में विस्तार से जानकारी मिलती है. ग्रेनाइट की ऊंची दीवारों से घिरा नारायण का यह मंदिर पांड्य राजाओं के समय का है. बाद में विजयनगर साम्राज्य और मदुरै नायक शासकों ने इसके वैभव में चार चांद लगाए. पांच मंजिला राजगोपुरम है, जहां प्रवेश करते ही भव्य नक्काशी, दशावतार, ऋषि-मुनि, लक्ष्मी-नरसिंह, लक्ष्मी-नारायण और नारायणमूर्ति की आकृतियों के दर्शन होते हैं. नवग्रह भी मंडप में विराजमान हैं।

मंदिर के बारे में अनेक कथाएं प्रचलित हैं. किंवदंती है कि राक्षस सोमका ने ब्रह्माजी से चारों वेद चुरा लिए थे, तब भगवान विष्णु ने यहीं कूडल अझगर रूप में अवतार लिया और राक्षस का वध कर वेद लौटाए।

**कूडल अझगर मंदिर की कथा**

ब्रह्मांड पुराण में भी इस कथा का उल्लेख मिलता है. बारह अलवार संतों में से एक पेरियालवार (विष्णुचित्त) ने पांड्य राजा के दरबार में भगवान की महिमा का ऐसा गुणगान किया कि स्वयं कूडल अझगर प्रकट हुए और आशीर्वाद दिया. यह स्थान वैष्णव संप्रदाय के लिए खास महत्व रखता है।

मंदिर परिसर में मधुरवल्ली थायर (लक्ष्मी जी) का अलग मंदिर, श्रीराम, श्रीकृष्ण और अन्य देवताओं के छोटे-छोटे मंदिर हैं. दीवारों पर प्राचीन तमिल काव्यों सिलप्पादिकारम, परिपदल, मदुरै कांची और कलिथथोकई में वर्णित शिलालेख हैं, जिससे मंदिर के बारे में जानकारी मिलती है।

16वीं सदी में बना ध्वजस्तंभ मंडप और 1920 में हुआ जीर्णोद्धार मंदिर की खूबसूरती को दिखाता है. यह मंदिर तमिलनाडु सरकार के हिंदू धार्मिक एवं बंदोबस्ती बोर्ड के अधीन है. कूडल अझगर मंदिर तक आसानी से पहुंचा जा सकता है. यह मदुरै बस स्टैंड से 1 किमी दूर है, मदुरै एयरपोर्ट से 14 किमी दूर है. वहीं, मदुरै रेलवे स्टेशन से मंदिर की दूरी 1 किमी है।

# क्यों नहीं करना चाहिए सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास ?

एक राज्य में एक बहुत विद्वान व्यक्ति रहता था। एक बार वहां के राजा से किसी ने विद्वान की प्रशंसा की तो उन्होंने उसका सत्कार करने की सोची। राजा ने दूत भेजकर विद्वान को बुलाया और उसे स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली देकर कहा कि हमें कुछ ही दिन पहले पता चला कि हमारे राज्य में आपके जैसा विद्वान व्यक्ति रहता है।

हम आपका स्वागत करना चाहते हैं। इसलिए हमारी ओर से यह तुच्छ-सी भेंट स्वीकार करें।

विद्वान ने विनयपूर्वक राजा की भेंट लौटा दी और बोला कि क्षमा करें महाराज, मैं आपका पुरस्कार स्वीकार नहीं कर सकता क्योंकि यह सुनी-सुनाई बातों पर आधारित है। आपने स्वयं मेरी विद्वता का अनुभव नहीं किया है, सिर्फ किसी ने कहा कि मैं बहुत विद्वान हूं और आपने मान लिया।

विद्वान ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि कल कोई आकर आपसे कहे कि मैं बहुत दुष्ट हूं तो आप बिना कोई कारण जाने मुझे दंडित भी कर सकते हैं। राजा को अपनी भूल समझ में आ गई और उसने विद्वान से क्षमा मांगते हुए राज्य की ओर से आयोजित होने वाले शास्त्रार्थ के अगले सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

तय समय पर उस विद्वान ने सत्र में जब बोलना शुरू किया तो राजा आश्चर्यचकित रह गया। राजा उसके गुणों से बहुत अधिक प्रभावित हुआ और वापस जाते समय विद्वान को द्वार तक छोड़ने गया।

प्रसंग का सार यह है कि कुशल शासक को सुनी-सुनाई बातों के आधार पर निर्णय नहीं लेने चाहिए।

# अमीर बनने के बावजूद भी गरीब क्यों रहते हैं कुछ लोग ?

किसी गांव में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देखकर कुछ दिन वह वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया।

एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि यहां के राजा अपनी विशाल सेना के साथ पड़ोसी राज्य पर हमला करने के लिए इधर से गुजर रहे हैं।

महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, ''वत्स! यह स्थान छोड़ने की घड़ी आ गई है।'' शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा जी की सवारी आ गई।

मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, ''कृपया मुझे विजयी होने का आशीर्वाद दें।''

महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, ''हे नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से सम्पन्न है, फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद्र हो इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है।'' राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने का आदेश दिया।

# मोमबत्तियों से घर की सुंदरता बढ़ने के साथ नकारात्मक ऊर्जा भी होती हैं नष्ट

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का वातावरण और ऊर्जा सीधे तौर पर हमारे मन और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डालते हैं। मोमबत्तियां घर की सुंदरता को बढ़ाने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करती हैं। मोमबत्तियां केवल सजावट का हिस्सा नहीं, बल्कि वे वातावरण को शुद्ध करने और घर में शांति और समृद्धि लाने का काम करती हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि कैसे वास्तु के अनुसार मोमबत्तियां कमरे में सही तरीके से लगाकर आप सुंदरता और सकारात्मकता को बढ़ा सकते हैं।

**मोमबत्तियां जलाने का सही स्थान**

वास्तु के अनुसार, मोमबत्तियां घर में सही स्थान पर लगाना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि गलत दिशा में मोमबत्तियां जलाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो सकता है।

**पूर्व दिशाः** मोमबत्तियां लगाने के लिए सबसे शुभ दिशा पूर्व मानी जाती है। यह दिशा सूर्य की ऊर्जा से जुड़ी होती है और यहां मोमबत्तियां रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

**उत्तर दिशाः** उत्तर दिशा को भी उत्तम माना गया है क्योंकि यह दिशा धन, समृद्धि और सुख-शांति से संबंधित है। मोमबत्तियां उत्तर दिशा में रखकर आप घर में समृद्धि का संचार कर सकते हैं।

**दक्षिण दिशा से बचें:** वास्तु शास्त्र के अनुसार, मोमबत्तियां दक्षिण दिशा में नहीं लगानी चाहिए। यह दिशा नकारात्मक ऊर्जा और अशांति को बढ़ाती है, और मोमबत्तियों को इस दिशा में रखने से घर के वातावरण में तनाव हो सकता है।

**पश्चिम दिशाः** पश्चिम दिशा में भी मोमबत्तियां रखना अच्छा नहीं माना जाता। इससे आपके जीवन में समस्याएं और विघ्न उत्पन्न हो सकते हैं।

# क्या लिविंग एरिया में दीवान रखने से बढ़ती है पॉज़िटिविटी?

जब हम अपने घरों को सजाते हैं, तो लिविंग रूम यानी बैठक को आधुनिक सोफ़ा सेट और स्टाइलिश आर्मचेयर से भरना एक आम चलन है। लेकिन, हमारे भारतीय घरों की एक पारंपरिक और बहुउपयोगी विरासत है- दीवान। क्या यह आरामदायक और जगह बचाने वाला फ़र्नीचर का टुकड़ा आज के आधुनिक लिविंग रूम में फिट हो सकता है? यह सवाल कई लोगों के मन में आता है कि क्या दीवान को जगह देकर, हम अपने कमरे को एक आकर्षक, अनौपचारिक और आरामदायक लुक दे सकते हैं, या यह केवल जगह घेरने वाला पुराना चलन है। तो आइए जानते हैं कि घर के लिविंग एरिया में दीवान रखना कितना व्यावहारिक और डिज़ाइन की दृष्टि से कितना सही निर्णय साबित हो सकता है।

**दीवान रखने के फ़ायदे**

यह सोफे की तुलना में अधिक लोगों को बैठाने का एक अनौपचारिक और आरामदायक तरीका प्रदान करता है, खासकर जब आपके घर में मेहमानों की संख्या ज्यादा हो। दीवान दिन में आराम करने, झपकी लेने, या लेटकर पढ़ने के लिए बेहतरीन होता है। यह सोफे से ज्यादा फ़ैलाव देता है। अधिकांश पारंपरिक दीवानों में ऊपर उठाने योग्य ढक्कन या ड्रावर होते हैं। यह लिविंग रूम के अनावश्यक सामान को छुपाने के लिए एक शानदार स्टोरेज समाधान प्रदान करता है। अगर आप अपने घर को देहाती या पारंपरिक भारतीय लुक देना चाहते हैं, तो एक लकड़ी का नक्काशीदार दीवान आपकी सजावट में चार चांद लगा सकता है।

**दीवान रखने के नुकसान**

दीवान बैठने की जगह को थोड़ा अधिक अनौपचारिक बना देता है। अगर आप अपने लिविंग रूम को बेहद औपचारिक या क्लासी लुक देना चाहते हैं, तो सोफा सेट अधिक उपयुक्त हो सकता है। दीवान आमतौर पर सोफे की तुलना में चौड़ाई में ज्यादा होते हैं। छोटे अपार्टमेंट या तंग लिविंग रूम में बहुत ज़्यादा जगह घेर सकता है और कमरे को संकरा महसूस करा सकता है।चूंकि दीवान पर लेटा जा सकता है, लोग अक्सर इस पर रजाई, चादरें, या अतिरिक्त तकिए छोड़ देते हैं, जिससे लिविंग रूम अव्यवस्थित दिख सकता है। दीवान सोफे की तुलना में थोड़ा ऊंचा या नीचा हो सकता है। बुजुर्गों या घुटने की समस्या वाले लोगों के लिए इससे उठना-बैठना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

# सिग्नेचर के लास्ट में आप भी लगाते हैं 1, 2 या 3 डॉट्स?

कई लोग जब अपना हस्ताक्षर करते हैं तो उसके अंत में एक डॉट यानि बिंदु लगा देते हैं. कुछ लोगों के हस्ताक्षर में डॉट के संख्या 2, 3 या उससे अधिक भी हो सकती है. कुछ हस्ताक्षर में ये डॉट्स सिग्नेचर के नीचे लगे होते हैं. बहुत से लोग अपने हस्ताक्षर के बाद ऐसे ही यानि आदतन डॉट्स लगाते हैं, उनको इससे होने वाले लाभ या हानि के बारे में नहीं पता होता है. सिग्नेचर एस्ट्रोलॉजी में हस्ताक्षर के बाद या नीचे लगाए जाने वाले डॉट्स का विशेष मतलब होता है. यह सभी लोग नहीं लगाते हैं. ये डॉट्स उस व्यक्ति के व्यक्तित्व को तो बताते ही हैं, उसके धन की स्थिति के बारे में भी संकेत देते हैं।

**सिग्नेचर में डॉट्स का मतलब**

**हस्ताक्षर में एक डॉट**

सिग्नेचर एस्ट्रोलॉजी विशेषज्ञ विवेक त्रिपाठी के अनुसार कोई व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के अंत में एक डॉट लगाता है तो इसका मतलब होता है कि वह समय का पाबंद और अनुशासन प्रिय है. वह अपने काम के प्रति ईमानदार होता है. उसे जो काम दिया जाता है, उसे वह समय पर पूरा करता है. उस काम को पूरे समर्पण और मेहनत से करता है. वह नियम और कायदे से चलने वाला होता है. इन लोगों के दैनिक जीवन के काम के भी समय पहले से ही तय होते हैं. उस समय पर वे वही काम करना पसंद करते हैं।

जिन लोगों के सिग्नेचर के अंत में एक डॉट आता है, उन लोगों में कुछ नकारात्मकता भी होती है. इन लोगों के अंदर धैर्य की कमी होती है. ये लोग किसी काम में बहुत प्रतीक्षा नहीं कर सकते. ये लोग कब किस बात पर गुस्सा हो जाएं, इसका पता लगा पाना मुश्किल होता है. एक तरह से ऐसे लोग तुनकमिजाज होते हैं. ये लोग छोटी-छोटी बातों पर परेशान और चिंतित भी हो जाते हैं. ऐसे लोग लाइफ और काम में बहुत प्रयोगों से बचते हैं।

जो लोग अपने हस्तारक्षर के अंत में एक डॉट लगाते हैं, उनको सावधान रहने की जरूरत होती है, इन लोगों के साथ अनहोनी की आशंका रहती है. ये दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं. कुछ लोगों में अकाल मृत्यु का भी योग देखने को मिलता है. ऐसे में आपको सलाह है कि आप हस्ताक्षर के अंत में एक डॉट न लगाएं।

हस्ताक्षर के अंत का एक डॉट पूर्ण विराम का भी संकेत देता है यानि सामने वाला व्यक्ति उसके आगे के लिए तैयार नहीं है. वे अपने भविष्य की संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगा देता है।

**हस्ताक्षर में दो डॉट**

जो लोग अपने हस्ताक्षर के अंत में नीचे की ओर दो डॉट बनाते हैं तो वे लोग अनजाने लोगों के साथ भी आसानी से घुलमिल जाते हैं. जो लोग अपने हस्ताक्षर के नीचे शुरूआत में दो डॉट्स बनाते हैं, वे लोग पारिवारिक होते हैं. वे अपने परिवार को समय देना पसंद करते हैं. वहीं जो लोग 2 डॉट अपने हस्ताक्षर के नीचे ठीक बीच में लगाते हैं, उन लोगों को दोस्तों के साथ समय व्यतीत करना अच्छा लगता है. इनका फ्रेंड सर्किल बड़ा होता है. कुछ स्थितियों पर हस्ताक्षर के अंत में नीचे की ओर बनाए जाने वाले दो डॉट कर्ज की ओर भी इशारा करते हैं. ऐसे लोगों पर कर्ज होता है. यह धन हानि या कानूनी विवाद को भी दर्शाता है।

# मैं अब डरकर नहीं, सोच-समझकर फैसले लेती हूं : राशी खन्ना

हाल ही में राशी खन्ना फिल्म '120 बहादुर' में फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एक राजस्थानी किरदार निभाया, जिसे काफी सराहा गया। अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में काम करने के बाद अब वह लगातार नए और चैलेंजिंग किरदारों की तलाश में हैं। अमर उजाला से बातचीत में राशी ने अपने प्रोफेशनल सफर के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि हर भाषा और संस्कृति को अपनाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा। इसी बातचीत में उन्होंने टाइपकास्टिंग, स्क्रिप्ट सिलेक्शन और अपने ड्रीम रोल्स पर भी विचार साझा किए।

मुझे लगता है कि ये एक ब्लेसिंग है कि मैं अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों में किरदार निभाती हूं। चैलेंजिंग भी रहता है क्योंकि आसान नहीं होता। लेकिन मेरा मानना है कि यही एक्टर होने का सबसे दिलचस्प हिस्सा है। जब मैं सेट पर पहले दिन जाती हूं तो मुझे थोड़ी नर्वसनेस होती है। क्योंकि आपको पता होता है कि आप पर प्रेशर है...सही एक्सेंट देना है, सही इमोशन देना है और उस भाषा में ऑथेंटिक लगना भी जरूरी है।

वहीं नर्वस एनर्जी मुझे ग्रो करने में मदद करती है। मैंने '120 बहादुर' में राजस्थानी किरदार निभाया। अपने अगले शो में मैं पंजाबी बनी और मैंने बंगाली लड़की का किरदार भी निभाया। हर बार पहला दिन सबसे चैलेंजिंग होता है। लेकिन धीरे-धीरे मैं किरदार में ढल जाती हूं। आज अगर आप मुझसे पूछें कि मैं कौन हूं तो शायद मैं खुद भी नहीं बता पाऊंगी। मुझे लगता है कि मैं सच्ची इंडियन हूँ क्योंकि मैंने इतने अलग-अलग रूप निभाए हैं। मेरे लिए ये चैलेंज से ज्यादा फिल्मों के जरिए मिली एक ब्लेसिंग है।

जब मुझे 120 बहादुर ऑफर हुई थी तो मेरा पहला रिएक्शन गर्व का था। मुझे खुशी हुई कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिल रहा है। मेरे लिए यह जरूरी नहीं था कि किरदार कितना लंबा है। ज्यादा मायने यह रखता है कि उसका इम्पैक्ट कितना गहरा और लंबा चलेगा। कहानी सुनते ही लगा कि ये कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए। डायरेक्टर के पास आर्मी से जुड़े फर्स्ट हैंड एक्सपीरियंस थे क्योंकि उनके परिवार में कई लोग आर्मी में रहे हैं। उन्हें पता था कि वो क्या चाहते हैं और इससे तैयारी आसान हो गई। एक्सेल एंटरटेनमेंट और फरहान सर जुड़े हुए थे, तो भरोसा और बढ़ गया। मुझे लगा कि ये फिल्म दमदार होगी।

मैंने राजस्थानी एक्सेंट के लिए कोच के साथ काफी मेहनत की। डायरेक्टर ने बताया कि अमीर राजस्थानी परिवारों में बातें अक्सर साइलेंस में होती हैं और इमोशन्स भी छुपाकर रखे जाते हैं। यह सब समझकर मैंने अपनी लाइन्स कई बार प्रैक्टिस कीं ताकि सब कुछ ऑथेंटिक लगे। आज जब मैं लोगों की रिएक्शन्स और रिव्यूज देखती हूं तो मुझे संतोष होता है। लोग वही महसूस कर रहे हैं जो मैंने शूट करते समय महसूस किया था।

मुझे लगता है कि मेरी सबसे बड़ी ताकत यह है कि मैं दिल से आगे बढ़ती हूं, दिमाग से नहीं। मैं बहुत इमोशनल हूं और मुझे नहीं लगता कि यह नेगेटिव बात है। आज की दुनिया में इमोशन्स फील करना एक बड़ी ताकत हो सकती है। मेरी यही वल्नरेबिलिटी मुझे किरदारों के सच के करीब ले जाती है। मैं सिर्फ लोगों को ऑब्ज़र्व नहीं करती, बल्कि उन्हें अब्जॉर्ब भी करती हूँ। शायद यही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूँ, तो सबसे पहले यह देखती हूँ कि कहानी में सच्चाई कितनी है। इसके बाद किरदार पर ध्यान देती हूँ। क्या उसकी आंखों में दम है? क्या वो मुझे इमोशनली छू रहा है? क्या मैं उसकी जर्नी महसूस कर पा रही हूं? अगर सही जगह मैं हंस रही हूं और सही जगह रो रही हूं तो मेरे लिए वही सही स्क्रिप्ट होती है। मेरे लिए स्क्रिप्ट का इमोशनल ट्रुथ सबसे जरूरी होता है।

# पिता को याद कर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

## हरिवंश राय बच्चन की जयंती पर लिखी पोस्ट

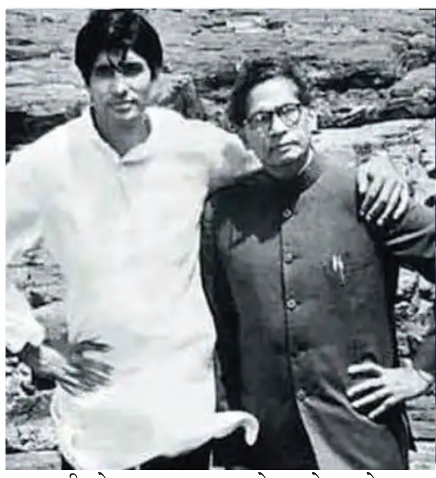

सदी के महानायक कहे जाने वाले अभिनेता अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अपनी निजी और व्यावसायिक जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट सोशल मीडिया पर डालते रहते हैं। आज उनके पिता और हिंदी के महान कवि हरिवंश राय बच्चन की जयंती है। इस मौके पर अमिताभ बच्चन ने अपने पिता को याद किया है और एक्स एक पोस्ट लिखी है।

### अमिताभ बच्चन की पोस्ट में क्या है?

अमिताभ बच्चन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'मिट्टी का तन, मस्ती का मन, क्षण भर जीवन-मेरा परिचय। 27 नवंबर 1907'। आपको बता दें कि यह लाइनें हरिवंश राय बच्चन की मशहूर कविता की दो शुरुआती पंक्तियां हैं। इस पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'रेत का शरीर, खुश मन, पल भर की जिंदगी, मेरा किरदार'। एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'हरिवंश राय और तेज जी धन्य हैं कि उनके यहां अमिताभ बच्चन जैसा बेटा हुआ।'

### कौन थे हरिवंश राय बच्चन?

हरिवंश राय बच्चन का जन्म 27 नवंबर 1907 को हुआ था। वह 20वीं सदी के शुरुआती हिंदी साहित्य के एक कवि और लेखक थे। बच्चन को उनकी शुरुआती रचना 'मधुशाला' के लिए जाना जाता है। वह अमिताभ बच्चन के पिता और श्वेता बच्चन नंदा और अभिषेक बच्चन के दादा थे। उनकी पत्नी तेजी बच्चन एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं। 1976 में, उन्हें हिंदी साहित्य में उनकी सेवा के लिए पद्म भूषण मिला। बच्चन के काम का इस्तेमाल फिल्मों में किया गया है। उनके दोहे 1990 की फिल्म अग्निपथ में इस्तेमाल किए गए हैं, जिसमें उनके बेटे अमिताभ थे। बाद में 2012 की रीमेक 'अग्निपथ' में भी इस्तेमाल हुए।

### अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

अमिताभ बच्चन ने साल 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी। आखिरी बार उन्हें तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' में देखा गया था। अगली बार वह बॉलीवुड फिल्म 'रामायण' का भी हिस्सा होंगे। इसमें वह वॉयस ओवर करेंगे।

# ड्रग्स केस में पूछताछ के बाद झूमते-नाचते दिखे ओरी

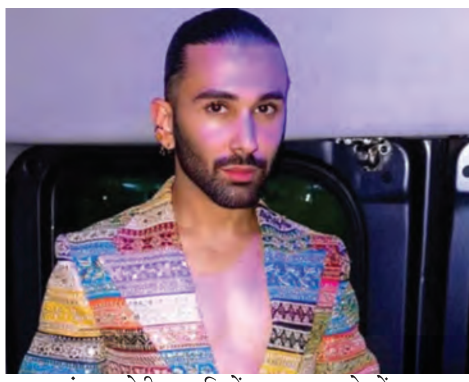

इन्फ्लुएंसर ओरी इन दिनों ड्रग्स मामले में पूछताछ को लेकर सुर्खियों में हैं। बुधवार को मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल ने 252 करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में पूछताछ की है। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह पब में नाचते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो के जरिए उन्होंने एक पैगाम दिया है। आइए जानते हैं ओरी की पोस्ट में और क्या है?

### पूछताछ के बाद नाचते दिखे ओरी

बुधवार की रात को ओरहान अवात्रामणि जिन्हें ओरी के नाम से जाना जाता है, ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में इन्फ्लूएंसर पार्टी कर रहे हैं। वह 'आज की रात' गाने पर नाच रहे हैं। एक मौके पर वह तेज म्यूजिक के साथ कूदते हुए नजर आए। डांस करते हुए उन्होंने बीच की उंगली भी दिखाई है। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा 'बस मुझे जीने दो।'

### ओरी के वीडियो पर यूजर्स ने किया कमेंट

ओरी की इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है 'आप जेल से कैसे पोस्ट कर रहे हो?' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'पूछताछ के ब्रेक के दौरान ओरी ने इसे पोस्ट किया है।' एक और यूजर ने लिखा है 'भाई क्या क्या पूछा गया?' एक और यूजर ने पूछा 'आप जेल से बाहर कब आए?'

### ओरी को पूछताछ के लिए बुलाया गया

आपको बता दें कि 252 करोड़ रुपये के ड्रग्स केस के मामले में कल ओरी एंटी-नारकोटिक्स सेल के सामने पेश हुए थे। हाल ही में ओरी को कथित ड्रग तस्कर मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख के दावों के बाद पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

### पार्टी में शामिल हुए कई लोग

एचटी ने अधिकारियों के हवाले से लिखा कि सुहैल शेख ने पूछताछ में बताया कि उसने दुबई और मुंबई में पार्टियां ऑर्गेनाइज की थीं। इसमें कथित तौर पर नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर, सिद्धांत कपूर, फिल्ममेकर अब्बास-मस्तान और रैपर लोका समेत कई लोग शामिल हुए थे।

# 'मुझे गर्व है, शबाना को बेहद पसंद आई '120 बहादुर'

## फरहान अख्तर के शैतान सिंह और इमरान के किरदार में की तुलना

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शबाना आजमी ने फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ की। इसके साथ ही शबाना ने फिल्म '120 बहादुर' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में फरहान के दोनों किरदारों की तुलना की।

### शबाना का पोस्ट

शबाना ने इंस्टाग्राम पर फरहान अख्तर की एक शानदार फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'मुझे तुम पर बहुत गर्व है फरहान। तुम्हारा अभिनय बहुत ईमानदार और दिल को छूने वाला है। बधाई हो तुम्हें, रितेश सिधवानी और पूरी टीम को।'

### शबाना ने फरहान की दो फिल्मों की तुलना की

आगे शबाना ने फरहान की दो फिल्मों में उनके किरदारों की तुलना करते हुए लिखा, 'यकीन नहीं हो रहा कि शैतान सिंह का किरदार निभाने वाला अभिनेता वही है, जिसने 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में इमरान का किरदार निभाया था।' शबाना की इस पोस्ट पर फरहान ने रिप्लाई करते हुए लिखा, 'आपसे तारीफ सुनना बहुत बड़ी बात है। धन्यवाद।'

### '120 बहादुर' के बारे में

फिल्म '120 बहादुर' 1962 के भारत-चीन युद्ध की असली घटना पर आधारित है। इसमें रेजांग ला की लड़ाई दिखाई गई है। उस समय 13 कुमाऊं रेजिमेंट की सिर्फ 120 जवान थे, जिन्होंने 3000 से ज्यादा चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। सभी 120 जवान शहीद हो गए, लेकिन उन्होंने दुश्मन को बहुत नुकसान पहुंचाया। इस फिल्म में फरहान अख्तर ने परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह भाटी का किरदार निभाया है। यह फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

### 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' के बारे में

फिल्म 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जोया अख्तर द्वारा निर्देशित सुपरहिट फिल्म है। इस फिल्म में फरहान ने इमरान का मजेदार, भावुक और हल्का-फुल्का किरदार निभाया था। इसमें उनकी कॉमेडी और डायलॉग डिलीवरी को बहुत पसंद किया गया था। इस फिल्म में फरहान के अलावा ऋतिक रोशन, अभय देओल, कटरीना कैफ और कल्कि कोचलिन जैसे कलाकारों ने अभिनय किया है।

# एआई से सबकुछ होगा पर एहसास नहीं आएगा

## मंच पर बोले पंकज कपूर, मोहनलाल ने जताई इस बात की खुशी

गोवा में 56वां इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया जारी है। यहां देश के साथ विदेश से भी कई बड़े कलाकार पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में मशहूर अभिनेता पंकज कपूर भी फेस्टिवल में पहुंचे। वह अपनी मशहूर फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' (1990) की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए रेड कार्पेट पर दिखे। पंकज कपूर की इस फिल्म को भारतीय समाज में सिस्टम की नाकामी की सबसे मजबूत आलोचनाओं में से एक माना जाता है। फेस्टिवल में इसे नए रिस्टोर किए गए प्रिंट के जरिए बड़े पर्दे पर दिखाया गया।

### एआई के इस्तेमाल पर बोले पंकज कपूर

फेस्टिवल के दौरान उन्होंने एएनआई से फिल्म मेकिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल पर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। हालांकि मुझे लगता है कि दुनिया में कोई भी टेक्नीक आ जाए, जहां तक एहसास का सवाल है, जब तक वे नहीं होंगे, काम पूरा नहीं होगा। टेक्नोलॉजी किसी भी लेवल पर पहुंच सकती है, लेकिन वह इंसानियत से आगे नहीं जा सकती। वह इंसानी एहसास से आगे नहीं जा सकती।'

### वैज्ञानिकों की मुश्किल दिखाती है फिल्म

तपन सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' एक वैज्ञानिक की असल जिंदगी की मुश्किलों पर आधारित है। वैज्ञानिक का कोढ़ के टीके पर किया गया काम ब्यूरोक्रेसी और जलन के चलते दबा दिया जाता है। कपूर ने इसमें डॉ. दीपांकर रॉय का किरदार निभाया था।

### मलयालम फिल्म 'किरीडम' का हुआ प्रीमियर

मलयालम के बेहतरीन एक्टर मोहनलाल की अदाकारी वाली क्लासिक फिल्म 'किरीडम' (1989) का भी फेस्टिवल में 4के रेस्टोरेशन में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ। दर्शकों और सिनेमा प्रेमियों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला।

### मोहनलाल ने जताई खुशी

फिल्म को अच्छे प्रिंट में दिखाए जाने पर मोहनलाल ने खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा 'किरीडम (1989) के 4के रेस्टोरेशन का वर्ल्ड प्रीमियर शेयर करते हुए बहुत खुशी हो रही है। इसे 56वें आईएफएफआई, गोवा में स्पेशल स्क्रीनिंग के हिस्से के तौर पर दिखाया गया। फिल्म को नेशनल फिल्म आर्काइव ऑफ इंडिया (एनएफडीसी) ने 35एमएम में रिस्टोर किया है। शुक्र है कि ओरिजिनल नेगेटिव के खराब होने के बाद भी आर्काइव ने इसे कई दशकों तक संभालकर रखा। इस क्लासिक फिल्म को स्क्रीन पर वापस आते देखना सम्मान की बात है।'

### रवि दुबे ने कहा- 'रामायण' फिल्म से कहीं ज्यादा है

एक्टर रवि दुबे गोवा में 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) में शामिल हुए। उन्होंने डायरेक्टर नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' में काम करने को लेकर अपनी बात रखी है। रवि दुबे ने एएनआई से बात करते हुए बताया 'मैं उत्साहित हूं। जब मैं फिल्म के बारे में सोचता हूं, तो रामायण के बारे में सोचता हूं। यह एक फिल्म से कहीं ज्यादा है। यह हमारी संस्कृति की आत्मा का सम्मान है।'

### कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के मेकर्स ने जानकारी दी है कि रणबीर कपूर 'रामायण' में राम के किरदार में होंगे। रवि दुबे लक्ष्मण का रोल करेंगे। यश रावण के रोल में, साई पल्लवी सीता के रोल में और सनी देओल भगवान हनुमान के रोल में नजर आएंगे। 'रामायण' पार्ट 1 दिवाली 2026 पर रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा हिस्सा दिवाली 2027 पर रिलीज होने वाला है।

### 28 नवंबर को खत्म होगा फेस्टिवल

आपको बता दें कि 56वां इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया 20 नवंबर को गोवा में शुरू हुआ था। यह शुक्रवार, 28 नवंबर को खत्म होगा।

# राखी सावंत ने धूमधाम से मनाया अपना 47वां जन्मदिन

## परदेसिया गाने पर जमकर झूमीं

राखी सावंत का जन्मदिन 25 नवंबर को था लेकिन उन्होंने बर्थ डे सेलिब्रेशन अगले दिन किया। अपने बर्थ डे सेलिब्रेशन की कई वीडियो राखी सावंत ने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट की हैं। वह बर्थ डे सेलिब्रेशन को काफी एंज्वॉय कर रही हैं। साथ ही लाखों की कीमत वाला बैग राखी सावंत को मिला। लेकिन यूजर्स इस बात पर यकीन नहीं कर रहे हैं।

### राखी ने बर्थ डे केक काटा, जमकर किया डांस

राखी सावंत ने अपने दोस्तों के साथ केक काटा। दोस्तों ने उन्हें बर्थ डे विश किया। आगे उन्होंने बिग बॉस 18 फेम हेमा शर्मा के साथ 'परदेसिया' गाने पर डांस किया। इसी गाने से कई साल पहले राखी सावंत बतौर आइटम डांसर पॉपुलर हुई थीं। राखी सांवत ने अपने बर्थ डे सेलिब्रेशन का एक और वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक शख्स उन्हें लग्जरी बैग गिफ्ट कर रहा है। इसकी कीमत लाखों में है। लेकिन कई यूजर्स ने कमेंट किया, 'नकली है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'दुबई में इस बैग की फर्स्ट कॉपी मिल जाती है।'

# दुश्मनों का खात्मा करने आ रही है नागिन

एकता कपूर के सबसे चर्चित शो 'नागिन' के सातवें सीजन का नया प्रोमो रिलीज हो चुका है। फैंस इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस शो से प्रियंका चाहर चौधरी का चेहरा पहले ही रिवील हो चुका है। वहीं नए प्रोमो में इस शो के बाकी कलाकारों के चेहरों से भी पर्दा उठा दिया गया है।

इस बार मुख्य नागिन का रोल प्रियंका चाहर चौधरी निभा रही हैं। उनके साथ ईशा सिंह और करण कुंद्रा भी अहम किरदार में दिखेंगे। प्रोमो में प्रियंका का नागिन लुक बहुत शानदार लग रहा है। प्रोमो की शुरुआत में करण कुंद्रा बोलते हैं, 'तबाही की शुरुआत हो चुकी है'। इसके बाद प्रियंका और ईशा को नाग मंदिर के बाहर दिखाया जाता है। प्रियंका नागिन बनकर अपने दुश्मनों से लड़ने के लिए तैयार नजर आ रही हैं। इस सीजन में पहली बार ड्रैगन भी दिखेंगे, जो शो को और रोमांचक बनाएगा।

अभी तक आधिकारिक तौर पर प्रियंका चाहर चौधरी और ईशा सिंह की पुष्टि हुई थी। सोशल मीडिया पर बाकी कलाकारों के नाम भी सामने आए। लेकिन इस नए प्रोमो से बाकी स्टार कास्ट के नाम और लुक से पर्दा उठ गया है। इस बार इस शो में प्रियंका के अलावा करण कुंद्रा, ईशा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं शो में नामिक पॉल, रिभू मेहरा, कुशाग्रे दुआ, निबेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी नजर आ सकते हैं।

नागिन 7, 27 दिसंबर 2025 से शुरू हो रहा है। इस शो को आप हर शनिवार-रविवार रात 8 बजे सिर्फ कलर्स टीवी पर देख सकते हैं। फैंस प्रियंका के नागिन अवतार की बहुत तारीफ कर रहे हैं। सबको लग रहा है कि प्रियंका और ईशा की जोड़ी इस बार धमाल मचा देगी।

नागिन सीरीज पहले से ही बहुत पॉपुलर है। पहले सीजन में मौनी रॉय, फिर सुरभि ज्योति, हिना खान, तेजस्वी प्रकाश, निया शर्मा जैसी कई बड़ी एक्ट्रेस नागिन बन चुकी हैं। अब बारी है प्रियंका चाहर चौधरी की।

# हेलन को प्रताड़ित करता था पूर्व पति, सारी प्रॉप्टी छीन घर से निकाला तो अंडरवर्ल्ड डॉन करीम लाला ने की थी मदद

मुंबई के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की नई किताब में बताया गया है कि एक्ट्रेस हेलन को जब उनके पूर्व पति ने प्रताड़ित करके घर से निकाल दिया और सारी संपत्ति हड़पी, तो कैसे अंडरवर्ल्ड डॉन करीम लाला ने उनकी मदद की थी।

हेलन ने साल 1981 में सलमान खान के पिता सलीम खान से निकाह किया था, पर उससे पहले उनकी एक शादी हो चुकी थी और तलाक भी हो गया था। हेलन ने साल 1957 में फिल्ममेकर प्रेम नारायण अरोड़ा से शादी की थी। लेकिन इस शादी में हेलन ने बहुत दुख झेले। पति ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया था। तब हेलन को मुंबई के पहले अंडरवर्ल्ड डॉन करीम लाला से मदद लेनी पड़ी थी। यह तब की बात है, जब हेलन फिल्मों में आई भी नहीं थीं। करीम लाला ने करीब 30 साल तक अंडरवर्ल्ड पर राज किया था, और उससे दाऊद इब्राहिम भी थर-थर कांपता था। एक बार तो करीम लाला ने भरे बाजार में दाऊद इब्राहिम की पिटाई कर दी थी। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया ने अपनी लिखी किताब में हेलन और करीम लाला का किस्सा बताया है।

अंडरवर्ल्ड की अनकही कहानियाँ नाम की इस नई किताब में मुंबई के अंडरवर्ल्ड के उत्थान और पतन के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसमें करीम लाला, हाजी मस्तान और दिलीप अजीज जैसे डॉन की पहली पीढ़ी के राइज का भी जिक्र है। इसी में वह किस्सा बताया गया है, जब करीम लाला ने हेलन को उनका घर वापस दिलाने में मदद की थी। हेलन को उनके पहले पति ने घर से निकाल दिया था, और बेदखल कर दिया था।

**बर्मा से भागकर मुंबई आई थीं**

**हेलन, पी एन अरोड़ा से शादी**

हेलन साल 1938 में रंगून में पैदा हुई थीं और बर्मा से भागकर बंबई (अब मुंबई) पहुंची थीं। तब बर्मा युद्ध की आग में झुलस रहा था। मुंबई आने के बाद हेलन ने आर्थिक तंगी में आ गईं, जिसके कारण वह फिल्मों में आने के लिए मजबूर हो गईं। जल्द ही वह 1950 के दशक और उसके बाद की सबसे सफल एक्ट्रेसेस में शुमार की जाने लगीं। उन्होंने 700 से ज्यादा किरदार निभाए। लेकिन जैसा कि किताब में बताया गया है कि ग्लैमरस स्क्रीन व्यक्तित्व के पीछे, हेलन एक कमजोर युवती थीं। उन्होंने अपने से कहीं ज्यादा उम्र के पी एन अरोड़ा के साथ रिश्ता बना लिया था और यहां तक कि अपने पैसों और संपत्ति का सारा कंट्रोल उन्हीं के हाथ में दे दिया था।

**पति प्रताड़ित करता और चुपचाप सहती रहीं हेलन**

किताब में लिखा है, 'हेलन को अपना पहला ब्रेक 1958 में मिला। उस वक्त वह सिर्फ 19 साल की थीं। धीरे-धीरे उन्हें अच्छी रोल मिलने लगे और उन्होंने 700 से ज्यादा फिल्में कीं। हालांकि, उनकी संपत्ति का कंट्रोल पति पी एन अरोड़ा के हाथों में था, जो अपने करियर में अच्छी तरक्की नहीं कर रहे थे। उन्होंने हेलन के साथ बुरा व्यवहार करना शुरू कर दिया, लेकिन हेलन शांति के साथ सब सहती रहीं।'

**दिलीप कुमार ने करीम लाला के नाम लिखा नोट, हेलन को उसके पास भेजा**

करीम लाला

हेलन और उनके पति अरोड़ा के रिश्ते इस हद तक खराब हो गए कि उन्होंने एक्ट्रेस को उनकी ही संपत्ति देने से इनकार कर दिया। और फिर एक दिन हेलन को घर से निकाल दिया। हताश होकर हेलन ने एक्टर दिलीप कुमार और लेखक-एक्टर सलीम खान से मदद मांगी। दोनों ही तब करीबी दोस्त थे। किताब में लिखा है कि दिलीप कुमार ने पहले खुद करीम लाला से संपर्क करने का प्रयास किया। जब वह डॉन से संपर्क करने में कामयाब नहीं हुए तो उन्होंने करीम लाला के नाम एक नोट लिखा, और हेलन से इसे लेकर करीम लाला के पास जाने को कहा।

**करीम लाला ने सुनी हेलन की कहानी, कहा-कुछ घंटे बाद घर पहुंचना**

करीम लाला, जो अफगानिस्तान में अब्दुल करीम शेर खान के रूप में पैदा हुआ था, वह 1920 के दशक में बॉम्बे के सबसे खूंखार क्राइम बॉस बन गया था। हालांकि, वह महिलाओं की बहुत इज्जत करता था। किताब में आगे लिखा है, 'जब करीम लाला अपने दरबार में आया, तो उसने वहां मौजूद सभी लोगों के बीच एक महिला को देखा, जो काफी देर से उसका इंतजार कर रही थी। वह एक मशहूर हस्ती थी, यह तो करीम लाला पहचान गया था। करीम लाला ज्यादा फिल्मों का शौकीन नहीं था। जब उसे पता चला कि वह कौन थीं और उसने दिलीप कुमार का दिया नोट देखा तो अपने असिस्टेंट से उन्हें (हेलन) को अपनी पत्नी फातिमा के पास ले जाने को कहा। फिर थोड़ी देर बाद वह उन महिलाओं के पास पहुंच गया। हेलन ने करीम लाला को अपनी समस्या बताई। वह समझ गया कि हेलन झूठ नहीं बोल रही थी। उसने हेलन से वादा किया कि उन्हें उनका घर वापस मिल जाएगा और उन्हें कुछ घंटों बाद वहां पहुंचने को कहा।'

**हेलन हैरान, वापस मिल गया घर और सारी प्रॉपर्टी**

इसके बाद जो हुआ, उससे हेलन हैरान रह गईं। हेलन जब कुछ घंटे बाद घर पहुंचीं, तो देखा की पति पी एन अरोड़ा घर छोड़कर जा चुके थे। साथ ही वह हेलन की सारी संपत्ति और चीजें भी ऐसे ही छोड़ गए थे और घर की चाबी गार्ड को दे दी थी। करीम लाला की साल 2002 में मौत हो गई।

# कीर्ति सुरेश ने सुनाई व्यथा, कहा- लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं, 8 घंटे ही काम करें तब भी नहीं ले पाएंगे जरूरी नींद

एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश ने 8 घंटे काम की शफ्टि की बहस को नया मोड़ दे दिया है। साउथ की इस हसीना ने 'रविॉल्वर रीटा' फिल्म प्रमोशन के दौरान कहा कि अगर 8 घंटे की शफ्टि हो, तब भी एक्टर्स और क्रू मेंबर्स 8 घंटे की जरूरी नींद नहीं ले पाएंगे।

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस और नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं कीर्ति सुरेश ने अब एक्टर्स के काम के घंटों पर नई बहस छेड़ दी है। 'दसारा' और 'बेबी जॉन' की एक्ट्रेस ने दी पि का पादुकोण के 8 घंटे काम की मांग के महीनों बाद कहा है कि 8 घंटे काम करने के दौरान भी, एक एक्टर को सोने के लिए जरूरी समय नहीं मिल पाता है। हैदराबाद में अपनी अगली फल्मि 'रिवॉल्वर रीटा' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि कम घंटे काम करने के आइडियल सिनेरियो में भी एक एक्टर को महज 6 घंटे की ही नींद मिलती है।

दिग्गज फिल्ममेकर-एक्टर जी. सुरेश कुमार की बेटी कीर्ति ने कहा, सुबह 9 बजे की शिफ्ट के लिए, अगर मुझे सुबह 7:30 बजे तक व हां पहुंचना है, तो मुझे सुबह 6:30 बजे घर से निकलना होगा और सुबह 5:30 बजे तक उठना होगा। शाम को लगभग 6 या 6:30 बजे पैक-अप के बाद, घर वापस जाना पड़ता है, कपड़े बदलने पड़ते हैं, एक्सरसाइज करनी पड़ती है, डिनर करना पड़ता है, और सोने के लिए जरूरी घंटे निकालने के लिए स्ट्रगल करना पड़ता है।

केरल में पैदा हुईं 33 साल की कीर्ति सुरेश ने आगे कहा, 'अब, मुझे रात 11:30 बजे सोने के बाद सुबह 5:30 बजे फिर उठना पड़ता है।' कीर्ति ने बताया कि कैसे आठ घंटे की वर्क शिफ्ट, जिसे एक आइडियल सिनेरियो माना जाता है, उसमें भी सोने का समय मुश्किल से ही शामिल होता है, जबकि एक एडल्ट बॉडी के लिए आइडियल जरूरत आठ घंटे की नींद है। उन्होंने कहा, 'हम कहते हैं कि आठ घंटे की नींद अच्छी है, लेकिन हम मुश्किल से छह घंटे सो पाते हैं। यह एक आइडियल 9 बजे से 6 बजे तक की शिफ्ट में है।'

**कीर्ति सुरेश बोलीं- लाइटमैन तो 2-3 घंटे ही सो पाते हैं**

साल 20218 में 'महानति' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का राष्ट्रीय फल्मि पुरस्कार पा चुकीं कीर्ति ने बताया कि हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर 12 घंटे की शिफ्ट होती है। उन्होंने सिर्फ एक्टर्स ही नहीं, बल्कि फिल्म के क्रू मेंबर्स खासकर लाइटमैन की ओर भी ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा, 'केरल में लाइटमैन 2-3 घंटे सोते हैं। हालांकि, नींद भी खाने या एक्सरसाइज जितनी ही जरूरी है। ये वो साथी हैं, जो सेट पर एक्टर्स से भी पहले पहुंचते हैं।'

# धर्मेंद्र के निधन को लेकर राखी सावंत ने किया ऐसा कमेंट कि भड़के लोग- कितनी बेशर्म हो, उनके परिवार का तो सोचो

एक तरफ जहां भारतीय सिनेमा के दिग्गज स्टार धर्मेंद्र के निधन से पूरा देश गम में डूबा है, वहीं दूसरी ओर, राखी सावंत ने उन्हें लेकर एक ऐसा कमेंट कर दिया है कि यूजर्स भड़क गए हैं। लोग राखी को 'असंवेदनशील' बता रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। दरअसल, राखी सावंत हाल ही मुंबई में एक इवेंट में नजर आईं। यहां जब उन्हें धर्मेंद्र के निधन के बारे में पूछा गया, जिससे पूरे देश में शोक की लहर है, तो राखी ने जो कहा, उससे सुनकर हर कोई सन्न रह गया।

राखी सावंत ने धर्मेंद्र के निधन को लेकर जो कहा, उसने करोड़ों फैंस का दिल तोड़ दिया और लोग उन पर भड़क गए। राखी ने कहा, 'ये जो ड्रामा रचा गया था... उनका देहांत 2-3 दिन पहले ही हो गया था।' राखी की यह बात सुन पपाराजी भी हैरान रह गए और पूछा, 'कौन बोला आपको?' तब राखी ने कहा, 'मुझे बहुत सारे लोगों ने बोला था। मुझे धरम जी सपने में आए थे। मुझे वहां के डॉक्टर्स ने भी बोला था।'

**राखी सावंत बोलीं- फैंस को धर्मेंद्र जी से मिलने नहीं दिया इसका दुख है**

राखी सावंत ने फिर आगे कहा कि उन्हें बहुत दुख पहुंचा है क्योंकि फैंस को धर्मेंद्र की आखिरी झलक भी देखने को नहीं मिली। अंतिम संस्कार के दौरान किसी को भी धर्मेंद्र को देखने का मौका तक नहीं मिला। वह बोलीं, 'मुझे दुख हुआ कि धर्मेंद्र जी के फैंस को उन्होंने नहीं मिलने दिया। धर्मेंद्र जी पूरी दुनिया के सुपरस्टार थे। मेरे हीरो थे।' राखी के इस

स्टेटमेंट से जहां फैंस ने सहमति जताई, वहीं उनके निधन पर की गई टिप्पणी से यूजर्स बिफर गए।

**यूजर्स बिफरे- शर्म करो राखी, सनी का हाथ पड़ गया ना...**

यूजर्स ने राखी सावंत को खरी-खोटी सुनाई। एक ने लिखा, 'सनी देओल से डर बहना।' एक और बोला, 'ढाई किलो का हाथ याद है कि नहीं, पड़ गया तो उठेगी नहीं, उठ जाएगी।' एक यूजर ने कमेंट किया, 'कितनी बेशर्म है।' एक ने लिखा, 'मत कर बहन अब ज्यादा हो रहा है।' एक बोला, 'बहुत बकवास करती है यार ये।' एक ने झाड़ते हुए लिखा, 'शर्म करो, उनकी फैमिली का तो सोचो कि उन पर क्या बीत रही।'

**धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन, घर पर चल रहा था इलाज**

धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को हो गया था। वह काफी समय से बीमार थे, जिसके बाद उनकी घर पर देखरेख की जा रही थी। 10 नवंबर को उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, और उसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई। तब धर्मेंद्र को वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया था। बाद में धर्मेंद्र की पहली पत्नी प्रकाश कौर और बेटे सनी देओल के कहने पर एक्टर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

तबसे घर पर ही डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था। धर्मेंद्र की 27 नवंबर को शाम 5 बजे प्रार्थना सभा हुई, जिसमें बॉलीवुड की कई हस्तियां पहुंचीं।

# नागा चैतन्य संग कैसे हैं सौतेली मां अमला अक्किनेनी के रिश्ते, बोलीं- उसके बड़े होने के बाद ही करीब आ पाई

अक्किनेनी नागार्जुन की पत्नी और एक्ट्रेस अमला अक्किनेनी ने सौतेले बेटे नागा चैतन्य संग अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है। अमला ने बताया है कि पहले नागा चैतन्य के साथ उनका कैसा रिश्ता था, और कब वह उन्हें करीब से जान सकीं। नागा चैतन्य एक्टर अक्किनेनी नागार्जुन और उनकी पहली पत्नी लक्ष्मी दग्गुबाती के बेटे हैं। दोनों ने साल 1984 में शादी की थी, और फिर 1990 में तलाक हो गया था। इसके बाद नागार्जुन ने अमला से 1992 में दूसरी शादी कर ली और अखिल अक्किनेनी के पिता बने।

अमला अक्किनेनी ने हाल ही एक पॉडकास्ट में बताया कि जब सौतेले बेटे नागा चैतन्य बड़े हो रहे थे, तो वह कैसे उनके संपर्क में रहीं। हालांकि, यह भी कहा कि उन्हें नागा चैतन्य को जानने का मौका उनके बड़े होने पर ही मिला, खासकर तब जब वह कॉलेज जाने लगे और हैदराबाद शिफ्ट हो गए। अमला से पूछा गया कि एक पैरेंट के तौर पर चैतन्य और अखिल, दोनों पर उनका क्या प्रभाव पड़ा।

अमला अक्किनेनी ने कहा, 'नागा चैतन्य को मैं तब सही से जान पाई, जब वो जवान हो गए थे, क्योंकि उनकी मां चेन्नई में रहती थीं। वह वहीं पले-बढ़े। वह कॉलेज के लिए ही हैदराबाद आए थे। बेशक, मैं उनके साथ काफी समय से जुड़ी रही हूं, लेकिन मैं उन्हें असल में तब जान पाई जब वह हैदराबाद आए। वह एक प्यारे इंसान हैं। उनमें अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योरिटी और समझदारी है। वह बहुत जिम्मेदार हैं। वह एक ऐसे इंसान है, जिसने कभी गलतियां नहीं कीं और हमेशा अपने पिता की बात मानते हैं। इसलिए, उनकी हमेशा अपनी प्लानिंग और सोच-समझ थी।'

**'दोनों बेटों को आगे बढ़ने की शिक्षा दी, न कि दीवार पर बैठी बिल्ली...'**

इसके बाद अमला अक्किनेनी ने बेटे अखिल के बारे में बात की। वह बोलीं, 'अखिल, मेरा बेटा है, और उस पर मेरा बहुत प्रभाव रहा है। हमने अपने बेटों को बहुत आजादी से पाला है। उन्हें छोटी उम्र से ही अपने फैसले खुद लेने की शिक्षा दी गई है। उन्हें फैसले लेने और उनके साथ आगे बढ़ने की शिक्षा दी गई है, न कि दीवार पर बैठी बिल्ली की तरह। जब हमने उन्हें प्रोत्साहित किया, तो वो अपनी सफलताओं और असफलताओं का सामना खुद कर पाए। वो खूबसूरती से बड़े हुए। उन्हें न केवल परिवार का, बल्कि दर्शकों का भी प्यार और समर्थन मिला। वो अच्छे और बुरे, दोनों समय से सीख पाए हैं।'

**नागार्जुन की फैमिली लाइफ, बेटा और पत्नी**

मालूम हो कि नागार्जुन दिवंगत महान स्टार अक्किनेनी नागेश्वर राव और अन्नपूर्णा के बेटे हैं। उनकी पहली पत्नी लक्ष्मी दग्गुबाती दिवंगत फिल्म प्रोड्यूसर डी. रामानायडू की बेटी और एक्टर वेंकटेश और प्रोड्यूसर सुरेश बाबू की बहन हैं। नागा चैतन्य उनके बेटे हैं। नागा की पहली शादी सामंथा रुथ प्रभु से हुई थी, पर 2021 में उनका तलाक हो गया। बाद में उन्होंने शोभिता धुलिपाला से शादी की।

# 50 साल में 'शोले' की कास्ट से 12 दिग्गजों का निधन

## किसी को बीमारी ने छीना, तो कोई कम उम्र में ही कह गया अलविदा

'शोले' एक ऐसी फिल्म है जिसे हम अपने दिलों में संजोए हुए हैं, और इसके कई कलाकार अब हमारे बीच नहीं हैं। धर्मेंद्र और अमजद खान से लेकर असरानी और जगदीप तक, रामगढ़ को रोशन करने वाले सितारे हमें छोड़ गए हैं।

आइए देखें कि इनमें से किसकी-किसकी मौत हो गई और कौन अभी भी अपने फैंस के बीच हैं।

**धर्मेंद्र**

धर्मेंद्र ने जय-वीरू की जोड़ी के वीरू का किरदार निभाया था। उनका डायलॉग, 'बसंती, इन कुत्तों के सामने मत नाचना', बॉलीवुड के सबसे मशहूर वन-लाइनर्स में से एक बना रहेगा। इस दिग्गज अभिनेता का 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

**अमजद खान**

अमजद खान ने खतरनाक गब्बर सिंह का किरदार निभाया था, जो बॉलीवुड के इतिहास में बेमिसाल रहेगा। 1992 में इस अभिनेता का निधन हो गया।

**संजीव कुमार**

संजीव कुमार ने ठाकुर बलदेव सिंह का रोल किया था। 1985 में, मात्र 47 वर्ष की आयु में, उनका निधन हो गया। उन्होंने अपने मौत की भविष्यवाणी पहले ही कर दी थी और ठीक वैसा ही हुआ।

**असरानी**

शोले में जेलर की भूमिका निभाने वाले असरानी ने अपनी अदाकारी से ह्यूमर का तड़का लगाया। इस दिग्गज अभिनेता का 20 अक्टूबर, 2025 को निधन हो गया।

**इफ्तियार**

इफ्तियार को 70 और 80 के दशक की फिल्मों में पुलिस अधिकारी के रोल्स के लिए जाना जाता था। शोले में, उन्होंने राधा के पिता इंस्पेक्टर नर्मलाजी की भूमिका निभाई। 1995 में उनका निधन हो गया।

**सत्येन कप्पू**

सत्येन कप्पू ने ठाकुर के सेवक रामलाल की भूमिका निभाई, जिसकी निष्ठा हमेशा बनी रही। इस अनुभवी अभिनेता का 2007 में निधन हो गया।

**मैकमोहन**

एक खामोश मगर दमदार रोल में, उन्होंने गब्बर सिंह के वफादार गुर्गों में से एक, सांभा की भूमिका निभाई, जो अपनी स्क्रीन प्रेजेंस के लिए यादगार रहे। 2010 में उनका निधन हो गया।

**ए.के. हंगल**

ए.के. हंगल ने इमाम साहब का किरदार निभाया था, जो एक अंधे बुज़ुर्ग थे, जिनके बेटे की मौत का गम आज भी फैंस को रुला देता है। 2012 में इस अभिनेता ने अंतिम सांस ली।

**जगदीप**

जगदीप ने रामगढ़ के शोरगुल वाले, बातूनी घुमक्कड़ सूरमा भोपाली की भूमिका निभाई, जो फिल्म के सबसे प्यारे किरदारों में से एक था। 2020 में उनका निधन हो गया।

**लीला मिश्रा**

लीला मिश्रा शोले में मौसी के किरदार के लिए प्रसिद्ध थीं। 1988 में उनका निधन हो गया।

**विजू खोटे**

विजू खोटे का 2019 में निधन हो गया। उन्होंने कालिया नामक डाकू का किरदार निभाया था, जिसने गब्बर सिंह से कहा था, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है।'

**केष्टो मुखर्जी**

केष्टो मुखर्जी ने शोले में हरिराम नाई की भूमिका निभाई थी, जो जेल के नाई और मुखबिर थे, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और चुटीले कमेंट्स फेमस थे। 1982 में उनका निधन हो गया।

# 50 अरब का निवेश, टाटा, रिलायंस, अंबानी

## जैसे बड़े नाम, आखिर क्या है खास है डेटा सेंटर कारोबार में?

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा, रिलायंस, अडानी और भारती एयरटेल जैसे बड़े औद्योगिक घराने देश में डेटा-सेंटर के बढ़ते कारोबार में भारी निवेश कर रहे हैं। वे गीगावाट क्षमता वाले बड़े-बड़े डेटा-सेंटर बना रहे हैं, जो अगले दस साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग की बढ़ती जरूरतों को पूरा करेंगे। इन कंपनियों ने अरबों डॉलर का निवेश करने का वादा किया है। इस दौड़ में नया नाम टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का है।

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर बड़े पैमाने पर बना रही है। टाटा ग्रुप की कंपनी टीसीएस ने प्राइवेट इक्विटी फर्म टीपीजी के साथ मिलकर एक मल्टी-बिलियन डॉलर का ज्वाइंट वेंचर बनाया है। इसका नाम हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड है। इसमें टीसीएस 18,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। यह 1.2 जीडब्ल्यू क्षमता वाला प्लेटफॉर्म होगा, जो भारत के सभी मौजूदा डेटा-सेंटरों की कुल क्षमता के बराबर है। बाजार रिसर्च फर्मों का अनुमान है कि अगले पांच से सात साल में ग्लोबल हाइपरस्केलर्स और भारतीय कंपनियां 50 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश करेंगी। इससे भारत की डेटा-सेंटर क्षमता आज के 1 जीडब्ल्य से बढ़कर लगभग 9 जीडब्ल्य हो जाएगी। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट जेएलएल का अनुमान है कि इस दौरान 35-50 अरब डॉलर का निवेश होगा। वहीं, जेफरीज का अनुमान है कि 2030 तक क्षमता 8 जीडब्ल्य तक पहुंच जाएगी, जिसके लिए 30 अरब डॉलर के कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरत होगी। यह उछाल इसलिए आ रहा है क्योंकि भारत में डेटा की खपत बहुत तेजी से बढ़ रही है।

एफवाई17 में जहां 8 एक्साबाइट डेटा की खपत होती थी, वहीं एफवाई25 में यह बढ़कर 229 एक्साबाइट हो गई है। जेएलएल के अनुसार ओटीटी प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और एआई के बढ़ते इस्तेमाल ने इस खपत को बढ़ाया है। टीसीएस एआई-रेडी डेटा-सेंटर के साथ बदल रही है। टीसीएस के सीईओ का कहना है कि हाइपरवॉल्ट ग्राहकों को प्राइवेट क्लाउड बनाने, मॉडल-एज-ए-सर्विस वर्कलोड चलाने और एक्टिव या पैसिव डेटा-सेंटर सुविधाएं इस्तेमाल करने के विकल्प देगा।अडानी ग्रुप भी इस दौड़ में पीछे नहीं है। अडानी ग्रुप ने गूगल के साथ मिलकर विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर का एआई डेटा-सेंटर बनाने की घोषणा की है। इससे पहले अडानी एंटरप्राइजेज महाराष्ट्र में डेटा-सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 5.9 अरब डॉलर की घोषणा कर चुकी है। अडानी ग्रुप का अडानीकनेक्ट के साथ 50-50 जेवी है, जो चेन्नई और हैदराबाद में काम कर रहा है और अब मुंबई और पुणे में विस्तार कर रहा है। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज भी अपने एआई डेटा-सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

आरआईएल ने पहले ही जामनगर में 1 जीडब्ल्यू का एआई डेटा-सेंटर बनाने की घोषणा की थी। आंध्र प्रदेश सरकार के मुताबिक रिलायंस अगले पांच साल में विशाखापत्तनम में 1 जीडब्ल्यू का एआई डेटा-सेंटर बनाने के लिए 11 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह प्रोजेक्ट कनाडा की ब्रुकफील्ड और अमेरिका की डिजिटल रियलिटी के साथ साझेदारी में है।

# नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई, सेबी ने 68 निवेश सलाहकारों के पंजीकरण रद्द किए

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को नवीनीकरण शुल्क का भुगतान नहीं करने पर 68 निवेश सलाहकारों के पंजीकरण रद्द कर दिए। सेबी की नामित प्राधिकारी सोमा मजूमदार ने आदेश में कहा कि इंटरमीडियरीज रेगुलेशंस, 2008 के तहत नोटिसी नंबर 1 से 68 के निवेश सलाहकार पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किए जाते हैं।

रद्द की गई संस्थाओं की सूची में टूनॉर्थ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, इक्विटी मंत्रा, सौरभ मुंद्रा, शीतल अग्रवाल, अतीत हेमंत वाघ, गेटबेसिस सिक्योरिटीज एंड टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ल्यूसिड टेक्नोलॉजीज और एवेन्यू वेंचर पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट एडवाइजर एलएलपी सहित कई अन्य शामिल हैं।

**हर पांच वर्ष में नवीनीकरण शुल्क जमा करना अनिवार्य**

सेबी के नियमानुसार हर पंजीकृत निवेश सलाहकार को पंजीकरण की तिथि से हर पांच वर्ष में नवीनीकरण

शुल्क जमा करना अनिवार्य है। नियामक ने कहा कि संबंधित सलाहकारों को इस चूक की जानकारी पहले ही दी गई थी, लेकिन उन्होंने शुल्क जमा नहीं किया।सेबी ने फरवरी से जून 2025 के बीच इन संस्थाओं को कई कारण बताओ नोटिस भी जारी किए थे। बाजार नियामक ने अपने आदेश में कहा कि चूंकि इन सलाहकारों के पंजीकरण प्रमाणपत्र पहले ही समाप्त हो चुके थे, इसलिए उनका रद्द किया जाना आवश्यक था ताकि निवेशकों को गुमराह करने के लिए रजिस्ट्रेशन के किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोका जा सके। मजूमदार ने आदेश में लिखा, चूंकि नोटिस प्राप्तकर्ताओं के पंजीकरण प्रमाणपत्र पहले ही समाप्त हो चुके हैं, इसलिए इंटरमीडियरीज रेगुलेशंस, 2008 के तहत उनके निवेश सलाहकार पंजीकरण रद्द किए जाते हैं।

# अक्षय ऊर्जा : जुलाई-सितंबर में बिजली उत्पादन में 4 फीसदी की बढ़ोतरी

## कुल क्षमता अब 500 गीगावॉट के पार

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश की ऊर्जा व्यवस्था में अक्षय स्रोतों का हिस्सा निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण व इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस के विश्लेषण के अनुसार जुलाई-सितंबर-2025 की तीसरी तिमाही में देश का कुल बिजली उत्पादन 3.6 फीसदी बढ़कर 48,407 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें अकेले हाइड्रो, सौर और पवन ऊर्जा के मजबूत प्रदर्शन ने कोयला और परमाणु क्षेत्र में आई गिरावट को संतुलित कर दिया। इस अवधि में कुल स्थापित क्षमता 500.9 गीगावॉट तक पहुंच गई। इसमें से 51.1 फीसदी क्षमता अब गैर-जीवाश्म स्रोतों पर निर्भर है। अच्छे मानसून, जलविद्युत उत्पादन में मजबूती और सौर-पवन क्षमता के विस्तार ने बिजली उत्पादन में ऐतिहासिक उछाल दिया। तीसरी तिमाही में अक्षय ऊर्जा उत्पादन 18.6 फीसदी बढ़ा, जिसने जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन में 1.6 फीसदी की कमी और परमाणु ऊर्जा में 18.6 फीसदी की गिरावट को कवर कर दिया। इसका मतलब ग्रिड में सस्ती अक्षय बिजली महंगे कोयला और परमाणु आधारित उत्पादन की जगह तेजी से ले रही है। जुलाई- सितंबर में क्षमता विस्तार के मामले में भारत ने अपने इतिहास का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया।

**सौर क्षेत्र का हिस्सा 69%**

कोयला आधारित क्षमता में 2,760 मेगावॉट वृद्धि हुई। नई वृद्धि में सौर का हिस्सा सबसे अधिक 69% रहा। डेवलपर्स ने जुलाई से लागू होने वाले अधिक इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन चार्ज से पहले प्रोजेक्ट पूरे किए, जिससे क्षमता में तेजी आई। जनवरी- सितंबर में 38,887 मेगावॉट नई क्षमता जोड़ी गई। 2024 की समान अवधि से 59.4% अधिक है। क्षमता विस्तार का केंद्र अक्षय ऊर्जा बन चुका है। जुलाई-सितंबर में अक्षय ऊर्जा में निवेश 523 करोड़ डॉलर रहा। पिछली तिमाही से दोगुना है। कुल निवेश 1,800 करोड़ डॉलर रहा।

# चांदी 2,758 महंगी होकर 1.62 लाख किलो पर पहुंची

## सोना 224 गिरकर 1.26 लाख प्रति 10 ग्राम पर आया, कैरेट के हिसाब से देखें कीमत

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सोना के दाम में आज यानी 27 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 224 रुपए सस्ता होकर 1,25,857 रुपए पर आ गया है। कल 10 ग्राम सोना 1,26,081 रुपए का था। वहीं, चांदी 2,758 रुपए महंगी होकर 1,61,783 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी की कीमत 1,59,025 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

**अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यो होते हैं?**

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए अलग-अलग शहरों के रेट्स अलग-अलग होते हैं। पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक गोल्ड लोन रेट तय करने के लिए इन कीमतों का इस्तेमाल करते हैं।

**इस साल सोना 49,695 और चांदी 75,766 महंगी हुई**

- इस साल अब तक सोने की कीमत 49,695 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,25,857 रुपए हो गया है।
- चांदी का भाव भी इस दौरान 75,766 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,61,783 रुपए प्रति किलो हो गई है।

# विंजो के संस्थापक धन शोधन मामले में गिरफ्तार

## 500 करोड़ से अधिक की संपत्ति फ्रीज

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। ईडी ने ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म विंजो के संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पवन नंदा को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों को बुधवार को बंगलूरू में ईडी के जोनल कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद दोनों को उसी रात बंगलूरू की ही एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया गया। उम्मीद है कि गुरुवार को उन्हें फिर से अदालत में पेश किया जाएगा, जहां विस्तृत आदेश जारी किया जा सकता है।

ईडी ने सोमवार को जारी एक बयान में आरोप लगाया था कि कंपनी ने लगभग 43 करोड़ रुपये की खिलाड़ियों की राशि अपने पास रोककर रखी थी, जिसे देश में रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगने के बाद खिलाड़ियों को वापस किया जाना चाहिए था। ईडी ने पिछले सप्ताह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत विंजो और ऑनलाइन गेमिंग की पेशकश करने वाली एक अन्य कंपनी गेमजक्राफ्ट के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान दोनों कंपनियों और उनके प्रमोटर्स से जुड़े कई स्थानों की तलाशी ली गई थी। एजेंसी ने विंजो पर आपराधिक गतिविधियों और बेईमान प्रथाओं में शामिल होने का आरोप लगाया था। ईडी के अनुसार कंपनी ने ग्राहकों को इस सच से दूर रखा कि वे सॉफ्टवेयर के साथ खेल रहे हैं, न कि वास्तविक किसी इंसान के साथ। इसमें कहा गया है कि विंजो भारत से ब्राजील, अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों में रियल मनी गेम (आरएमजी) संचालित कर रहा था। एजेंसी ने बताया कि विंजो के पास मौजूद कुल 505 करोड़ रुपये मूल्य के बॉन्ड, फिक्स्ड डिपॉजिट और म्यूचुअल फंड को पीएमएलए के तहत फ्रीज कर दिया गया है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा कि प्लेटफॉर्म के डिजाइन और संचालन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हमारी मूल नीति है। हमारा पूरा ध्यान अपने उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और उन्हें सुरक्षित व भरोसेमंद अनुभव देने पर है। कंपनी ने यह भी कहा कि वह सभी लागू कानूनों का पूर्ण पालन करती है।

ईडी ने आरोप लगाया कि विंजो ने न केवल खिलाड़ियों के वॉलेट में पड़ी राशि की निकासी को रोका या सीमित किया, बल्कि कथित रूप से एल्गोरिदम और सॉफ्टवेयर के अनैतिक उपयोग के जरिए वास्तविक खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए और हारे गए दांव की रकम को अवैध रूप से कमाई के रूप में उत्पन्न किया।एजेंसी ने जांच में यह भी पाया कि कंपनी का वैश्विक संचालन एक ही ऐप के जरिये चलता था, जिसका होस्टिंग प्लेटफॉर्म भारत में स्थित था।

# अनिल अंबानी की इस कंपनी का शेयर आज फिर फंसा अपर सर्किट में, क्यों आ रही है तेजी?

मुंबई,27 नवंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस ग्रुप की एक कंपनी है रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर। इसके शेयर गुरुवार को रॉकेट की तरह ऊपर भागे। बीएसई पर ये शेयर 5% की अपर सर्किट लिमिट को छूते हुए 165.85 रुपये पर पहुंच गए। यह लगातार दूसरा दिन है जबकि इसके शेयर तेजी के साथ अपर सर्किट में फंसे। इससे पहले इसके शेयर लगातार छह दिनों तक गिरते रहे थे।

**एक महीने का प्रदर्शन अभी भी कमजोर**

हालांकि, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर में दो दिनों से कुछ सुधार दिख रहा है। लेकिन, पिछले एक महीने का प्रदर्शन अभी भी कमजोर है। इस दौरान शेयर की कीमत करीब 27% गिर चुकी है। कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 6,454 करोड़ रुपये है।

पिछले 52 हफ्तों में यह शेयर 423.40 रुपये के हाई और 149.16 रुपये के लो के बीच रहा है।

इसका मतलब है कि शेयर अपने साल के सबसे ऊंचे स्तर से अभी भी करीब 60% नीचे है।

**शेयर तो है सस्ता लेकिन...**

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर बहुत कम वैल्यूएशन पर ट्रेड कर रहे हैं। इसका पी/ई रेश्यो 2.11 है और पी/बी रेश्यो 0.26 है। इतने कम मल्टीपल्स अक्सर यह बताते हैं कि शेयर शायद सस्ता मिल रहा है, लेकिन यह कंपनी की अंदरूनी समस्याओं का संकेत भी हो सकता है।

**रिलायंस इंफ्रा का टेक्निकल आउटलुक**

आरएसआई (14-दिन): 28.8 — 30 से

नीचे का आरएसआई बताता है कि शेयर ओवरसोल्ड है, यानी इसकी कीमत बहुत गिर चुकी है। यह छोटी अवधि में वापसी का संकेत दे सकता है। मूविंग एवरेजः शेयर 8 में से 7 सिंपल मूविंग एवरेज से नीचे चल रहा है। सिर्फ 5-दिन के एसएमए को छोड़कर, यह बाकी सभी बड़े एसएमएएस के नीचे ट्रेड कर रहा है। यह हाल की उछाल के बावजूद, लंबी अवधि में मंदी का रुझान दिखाता है।

**रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की शेयरहोल्डिंग**

प्रमोटर्स ने सितंबर 2025 तिमाही में अपनी हिस्सेदारी 19.05% पर बरकरार रखी है। इसका मतलब है कि उन्होंने अपने शेयर नहीं बेचे या खरीदे। म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी उसी तिमाही में 0.29% से बढ़कर 0.35% हो गई। यह थोड़ी सी बढ़ोतरी बताती है कि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने शेयर में थोड़ा ज्यादा भरोसा दिखाया है। कंपनी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने अपनी हिस्सेदारी काफी कम कर दी है। यह 10.26% से घटकर 7.07% रह गई है। यह विदेशी निवेशकों की तरफ से एक बड़ी गिरावट है, जो कभी-कभी कंपनी या बाजार की चिंताओं को दर्शाती है।

# बिटकॉइन फिर 91000 के पार 24 घंटे में आई तूफानी तेजी

## पाई नेटवर्क ने भी मारी लंबी छलांग

नई दिल्ली,27 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी में पिछले कुछ दिनों से आई गिरावट अब थमती नजर आ रही है। बिटकॉइन की कीमत में पिछले 24 घंटों में करीब 5% की बढ़ोतरी हुई है। इस तेजी के साथ यह गुरुवार को 91 हजार डॉलर के आंकड़े को पार कर गई। गुरुवार दोपहर 3:30 बजे बिटकॉइन 91,650 डॉलर (करीब 82 लाख रुपये) पर कारोबार कर रही थी।

बाजार में फिर से खरीदारी की दिलचस्पी बढ़ने और सेंटिमेंट (बाजार का मिजाज) सुधरने से इसे सहारा मिला है। इसी दौरान पाई नेटवर्थ समेत कई क्रिप्टो ने भी ऊंची छलांग लगाई है। कॉइनमार्केटकैप के अनुसार क्रिप्टो का मार्केट कैप 4.30% से ज्यादा बढ़कर 3.12 ट्रिलियन डॉलर हो गया है।

इथेरियम की कीमत पिछले 24 घंटों में करीब 4 फीसदी बढ़कर 3028 डॉलर पर पहुंच गई है। प्रमुख ऑल्टकॉइन्स (बिटकॉइन और इथेरियम के अलावा अन्य क्रिप्टोकरेंसी) में से एक्सआरपी, बीएनबी, सोलाना, ट्रॉन, डॉगकोइन, कार्डानो और हाइपरलिक्विड की कीमतों में भी पिछले 24 घंटों में 4% से ज्यादा की उछाल देखी गई है।

**पाई नेटवर्क में कितनी तेजी?**

पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क में भी अच्छी तेजी आई है। इसने 2 फीसदी से ज्यादा की छलांग लगाई है। गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे पाई नेटवर्क 0.2561 डॉलर (करीब 23 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। पिछले एक हफ्ते में इसमें 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आ गई है। वहीं एक महीने में इसमें करीब 11 फीसदी का उछाल आया है। ऐसे में इसके निवेशकों के चेहरे की रौनक लौट आई है।

**क्यों आई मार्केट में तेजी?**

मुड्रेक्स के सीईओ एडुल पटेल का कहना है कि बिटकॉइन ने 91,000 डॉलर का स्तर फिर से हासिल कर लिया है। बाजार में खरीदारी की नई रुचि और बेहतर सेंटिमेंट ने इसे यह मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि अगर रिटेल निवेशकों की मांग बनी रहती है तो बिटकॉइन 95,000 डॉलर के स्तर पर पहुंच सकता है।

हो सकता है इस आंकड़े को भी पार कर जाए। वहीं वज़ीरएक्स ट्रेडिंग डेस्क का कहना है कि वैश्विक बाजार में आशावाद में हल्की सुधार देखी गई है, और अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें बढ़ रही हैं। इसी वजह से बिटकॉइन समेत अन्य क्रिप्टो में तेजी दिखाई दे रही है।

**पिछले हफ्ते आई थी गिरावट**

पिछले हफ्ते की बात करें तो बिटकॉइन और इथेरियम में क्रमशः 1.50% और 0.16% की गिरावट आई थी। प्रमुख ऑल्टकॉइन्स में से बीएनबी, सोलाना, ट्रॉन, डॉगकॉइन, कार्डानो और हाइपरलिक्विड की कीमतों में पिछले हफ्ते 9% से ज्यादा की गिरावट देखी गई, जबकि एक्सआरपी की कीमत इसी अवधि में 3.69% बढ़ी थी।

# हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

## सेंसेक्स 110 अंक उछला, निफ्टी 26200 के पार

मुंबई,27 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीद और विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच गुरुवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने कारोबार के दौरान नई ऊंचाई को छुआ। आयातकों और बैंकों की ओर से अधिक मांग के कारण डॉलर में मजबूती के बीच गुरुवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे टूटकर 89.30 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

**सेंसेक्स-निफ्टी ने बनाया ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड**

लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक या 0.13 प्रतिशत चढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 446.35 अंक या 0.52 प्रतिशत की उछाल के साथ 86,055.86 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। बेंचमार्क का इससे पहले का सर्वकालिक उच्च स्तर 27 सितंबर, 2024 को 85,978.25 था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान, बेंचमार्क 105.15 अंक या 0.40 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,310.45 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले, व्यापक सूचकांक ने 27 सितंबर, 2024 को 26,277.35 के अपने रिकॉर्ड इंट्रा-डे उच्च स्तर को छुआ था।

**सेंसेक्स की कंपनियों का हाल**

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, मारुति, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारतीय स्टेट बैंक पिछड़ गए।

**यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट**

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को अमेरिकी बाज़ार बढ़त के साथ बंद हुए।

**वैश्विक धारणा में सुधार से मिला बल**

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के बीच वैश्विक जोखिम उठाने की क्षमता में तेज सुधार से गुरुवार को भारतीय बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। वैश्विक इक्विटी बाजारों में उत्साहजनक धारणा ने घरेलू बाजारों को मजबूती प्रदान की।

## दैनिक पंचांग

### गृह गोचर

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सूर्य - | वृश्चिक | में |
| चंद्र - | कुंभ | में |
| मंगल- | वृश्चिक | में |
| बुध - | तुला | में |
| गुरु | कर्क | में |
| शुक्र - | वृश्चिक | में |
| शनि | मीन | में |
| राहु | कुंभ | में |
| केतु | सिंह | में |

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| वृश्चिक... | 05-37 बजे |
| धनु....... | 06-51 बजे |
| मकर... | 09-58 बजे |
| कुंभ.... | 11-57 बजे |
| मीन.... | 13-26 बजे |
| मेष..... | 15-02 बजे |
| वृष.... | 16-47 बजे |
| मिथुन.. | 18-46 बजे |
| कर्क... | 21-02 बजे |
| सिंह--- | 23-12 बजे |
| कन्या-- | 01-18 बजे |
| तुला---- | 03-32 बजे |

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947, सूर्य** दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-31**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-35**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष शुक्रवार **28 Nov**
तिथि - अष्टमी **00-15** तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - शतभिषा **02-49** तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - व्याघात **11-05** तक उप हर्षण
करण - विष्टी ( भद्रा) **12-28** तक उप बव

**भद्राकाल 12-28 तक**

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल 10-40 से 12-04 तक**

**पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710**

| दिन का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| चंचल | 06-31 - 07-53 | शुभ |
| लाभ | 07-53 - 09-17 | शुभ |
| अमृत | 09-17 - 10-40 | शुभ |
| काल | 10-40 - 12-04 | अशुभ |
| शुभ | 12-04 - 13-28 | शुभ |
| रोग | 13-28 - 14-51 | अशुभ |
| उत्पात | 14-51 - 16-15 | अशुभ |
| चंचल | 16-15 - 17-35 | शुभ |

| रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|
| रोग | 17-35 - 19-15 | अशुभ |
| काल | 19-15 - 20-51 | अशुभ |
| लाभ | 20-51 - 22-28 | शुभ |
| उत्पात | 22-28 - 00-04 | अशुभ |
| शुभ | 00-04 - 01-41 | शुभ |
| अमृत | 01-41 - 03-17 | शुभ |
| चंचल | 03-17 - 04-54 | शुभ |
| रोग | 04-54 - 06-31 | शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले । आप अपने पुराने निवेश पर ब्याज मिलने से हैरान हो सकते है जिसे आपने लगभग भुला ही दिया था ।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । अगर आप इस काम को सही ढंग से कर पायेंगे तो ये आपको उस मंजिल तक ले जा सकता है।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज के दिन आपकी प्रतिभा को आपके उच्च अधिकारी पहचानेगें और आपके कार्य क्षेत्र में आपकी काफी प्रशंसा होगी और साथ ही साथ आपको घर में उपहार भी मिल सकता है जो आपके दिन को प्रज्जवलित करेगा और आप इस के हक़दार भी है । आपने अपने करियर को उठाने के लिए बहुत प्रयास किए है जिससे की आपको अपने कार्य की सराहना मिलेगी।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता।

**श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र**

# राहुल से मिलना मुश्किल, प्रियंका संभालें कमान

## बिहार में हार और कर्नाटक में रार के बीच कांग्रेस के भीतर घमासान

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के प्रदर्शन को लेकर सवाल हैं तो वहीं कर्नाटक में सीएम पोस्ट को लेकर भी तकरार बढ़ गई है। इस पूरे सियासी बवाल के बीच कांग्रेस के भीतर से भी आवाज उठनी शुरू हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने बिहार में करारी हार के लिए केंद्रीय नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया है।

राशिद अल्वी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पर भी चिंता जताते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से जल्द से जल्द मसला सुलझाने का आग्रह किया है। साथ ही अल्वी ने यह भी कहा कि पार्टी की कमान प्रियंका गांधी को सौंप देनी चाहिए।

अल्वी ने कहा कि बिहार में बीजेपी की कड़ी मेहनत के सामने कांग्रेस कुछ भी नहीं थी। राशिद अल्वी ने अपनी पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लेकर कहा कि वह पहुंच से बाहर हैं। उन तक पहुंच लगभग नामुमकिन है।

उन्होंने उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा को पार्टी की कमान सौंपने की वकालत की।

कांग्रेस आलाकमान पर सीधा आरोप लगाते हुए अल्वी ने जोर दिया कि पार्टी की इस दयनीय स्थिति के लिए पूरी तरह से वही जिम्मेदार है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही खींचतान पर चिंता जताई है और मल्लिकार्जुन खरगे से जल्द से जल्द मसला सुलझाने का आग्रह किया है। अल्वी ने पार्टी में मौजूदा आंतरिक कलह की तुलना राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता वसुंधरा राजे को कथित तौर पर दरकिनार किए जाने से की। अल्वी ने कहा कि वैसे तो हर पार्टी उथल-पुथल का सामना करती है, लेकिन मौजूदा खींचतान चिंताजनक है।

अल्वी ने कहा कि हम जानते हैं कि राजस्थान में वसुंधरा राजे के साथ क्या हुआ था। हम कर्नाटक को लेकर चिंतित हैं। कांग्रेस पार्टी के मुखिया राहुल गांधी नहीं, बल्कि मल्लिकार्जुन खरगे हैं। उन्हें इस मसले को जल्द से जल्द सुलझाना चाहिए। कर्नाटक में सत्ता संघर्ष के बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि आलाकमान, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चर्चा के बाद कोई फैसला लिया जाएगा। इससे पूर्व कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी बिहार नतीजों के बाद कहा कि उन्हें बिहार चुनाव में प्रचार के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। साथ ही कांग्रेस के सहयोगी दल भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

# सामूहिक दुष्कर्म के 7 आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक महिला के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने इस घटना में शामिल कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एसपी निधि द्विवेदी ने अपने कार्यालय कक्ष में दी। एसपी ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के मलीपाड़ा के पास स्थित एक आम बगान में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। सूचना मिलने के बाद टाइगर मोबाइल के जवान मौके पर पहुंचे और घटनास्थल से एक अभियुक्त को पकड़ा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशिक्षु डीएसपी अजय आर्यन के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम ने अनुसंधान शुरू किया और दुष्कर्म की घटना में शामिल कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मालीपाड़ा गांव के बाबूधन हांसदा, गेनू हांसदा, गड़ा माझी और बाबूजी हेंब्रम शामिल हैं।

# चक्रवात 'सेन्यार' 4 राज्यों में मचाएगा तबाही

## 100 की रफ्तार से आंधी-बारिश का अलर्ट

चेन्नई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। देश में शीत लहर और ठंड के प्रकोप के बीच एक बड़ी मुसीबत सामने आ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिनों में चक्रवात सेन्यार 4 राज्यों में तबाही मचाने आ रहा है। इस दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश हो सकती है। लोगों को सावधान रहने की चेतावनी जारी की गई है। चक्रवाती तूफान सेन्या इंडोनेशिया के तट को पार करने के बाद अब काफी तेज रफ्तार से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बढ़ रहा है।

**तमिलनाडु समेत इन 4 राज्यों में होगा सबसे अधिक असर**

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो-तीन दिनों में तमिलनाडु में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, इसके अलावा अंडमान-निकोबार, आंध्र प्रदेश, केरल, माहे और रायलसीमा में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु की बात करें तो यहां 28 नवंबर को तीन डेल्टा जिलों में, 29 नवंबर को चेन्नई समेत सात जिलों में और 30 नवंबर को तिरुवल्लूर में 12-20 सेंटीमीटर की भारी बारिश होने की संभावना है।

**चक्रवात सेन्यार की वर्तमान स्थिति**

चक्रवात सेन्यार गहरे दबाव से तीव्र होकर मलक्का जलडमरूमध्य और समीपवर्ती पूर्वोत्तर इंडोनेशिया के ऊपर बना है, 26 नवंबर को सुबह 5:30 बजे 5.0एन, 98.0ई पर केन्द्रित है। यह चक्रवात कुटा मकमुर (इंडोनेशिया) से 100 किमी पूर्व में, जॉर्ज टाउन (मलेशिया) से 260 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में, नानकॉरी से 600 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में तथा कार निकोबार से 740 किमी दक्षिण-पूर्व में है। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व श्रीलंका और भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसके 24 घंटों के भीतर अवदाब में परिवर्तित होने की संभावना है। आईएमडी ने 27 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान के बनने का अनुमान लगाया है, जिससे तमिलनाडु में वर्षा बढ़ने की उम्मीद है।

# हे भगवान! कक्षा 10 की स्टूडेंट ने जब बच्चे को दिया जन्म, तब रेप का चला पता

बेंगलुरु/कोप्पल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोप्पल में एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने देने वाला मामला सामने आया है। एक सरकारी स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा ने जब प्रसव पीड़ा के बाद एक बच्चे के जन्म दिया तो उसके साथ रेप होने का खुलासा हुआ। लड़की के परिवार ने कोप्पल के सरकारी स्कूल के वॉर्डन, हॉस्टल स्टॉफ को प्रेग्नेंसी की तरफ ध्यान नहीं देने के लिए कठघरे में खड़ा किया है। इस सनसनीखेज घटना में पुलिस ने एक शख्स को अरेस्ट किया है। चूंकि लड़की की उम्र 18 साल से कम है। ऐसे में पॉस्को के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना के खुलासे के बाद स्कूल से जुड़े दूसरी छात्राओं के पैरेंट्स सकते में हैं।

जानकारी के अनुसार कर्नाटक के कोप्पल जिले के एक सरकारी स्कूल की क्लास 10 की स्टूडेंट ने बुधवार को एक बच्चे को जन्म दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 15 साल की लड़की बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखती है। वह एक एडेड स्कूल की स्टूडेंट है। लड़की सरकारी हॉस्टल में रह रही थी। उन्होंने बताया कि लड़की को अचानक पेट दर्द की शिकायत के बाद कोप्पल के महिला और बच्चों के हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। स्थानीय पुलिस ने प्रेग्नेंसी के लिए ज़िम्मेदार एक आदमी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता के माता-पिता और स्थानीय प्रशासन ने वार्डन और हॉस्टल स्टाफ पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि प्रेग्नेंसी के पूरे समय और इस पर ध्यान कैसे नहीं गया? सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है हॉस्टल अधिकारियों को स्थिति के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने जानबूझकर इस बारे में चुप्पी साधे रखी। इस घटना पर डिप्टी कमिश्नर सुरेश बी इटनल हरकत में आए है।

# भगोड़े मेहुल चोकसी को दिसंबर में लाया जा सकता है भारत

## बेल्जियम की अदालत में होगा फैसला

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। 13 हजार करोड़ रुपये के बैंक घोटाले के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित करने की कानूनी प्रक्रिया अब अपने निर्णायक दौर में है। बेल्जियम की एंटवर्प कोर्ट ने पहले ही चोकसी को भारत भेजने की मंजूरी दे दी थी, जिसके खिलाफ उसने वहां की सुप्रीम कोर्ट में अपील की है। इस अपील पर बेल्जियम का सुप्रीम कोर्ट 9 दिसंबर को अपना अंतिम फैसला सुनाएगा। सीबीआई को पूरी उम्मीद है कि यह फैसला उनके पक्ष में ही आएगा, जिसके बाद चोकसी को भारत लाया जा सकेगा।

विदेश और केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत सीबीआई ने अपनी तैयारी पूरी की।

सूत्रों के मुताबिक, अगर 9 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट चोकसी की अपील खारिज कर देता है, तो उसे भारत लाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इसके लिए विदेश और केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत सीबीआई पूरी तैयारी कर रही है। सूत्रों का कहना है कि सीबीआई ने उन अफसरों की भी पहचान कर ली है जो चोकसी की अपील खारिज होते ही भारत से बेल्जियम उसे लेने जाएगी।

उम्मीद है कि अपील खारिज होने के बाद चोकसी एक सप्ताह के भीतर भारत में होगा।

भारतीय एजेंसियों की कोशिश यही रहेगी कि अपील खारिज होते ही एक-दो दिन में उसके भारत में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए।

इसके लिए सीबीआई बेल्जियम की कोर्ट में चोकसी के खिलाफ दलील देने के लिए बेस्ट लीगल टीम की सेवाएं ले रही है ताकि कानूनी लड़ाई में पीछे न रह जाएं।

# सिंधुदुर्ग में नकदी बरामदगी विवाद पर सियासत

## बावनकुले ने उठाए सवाल नितेश राणे ने दिया समर्थन

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में भाजपा कार्यकर्ता के घर से कथित तौर पर चुनाव में बांटने के लिए रखी गई नकदी मिलने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस मामले में अब भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेताओं के बीच शब्दों की जंग शुरू हो गई है। बुधवार को शिवसेना के विधायक निलेश राणे ने दावा किया था कि उन्होंने एक स्टिंग ऑपरेशन किया, जिसमें एक भाजपा कार्यकर्ता के घर से नकदी से भरे बैग मिले। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह पैसा आगामी 2 दिसंबर को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में मतदाताओं को बांटने के लिए रखा गया था। हालांकि भाजपा ने इन आरोपों का खंडन किया है।

राजस्व मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि यदि पैसे का गलत इस्तेमाल हुआ है तो कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन उन्होंने निलेश राणे की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा, 'किसी के घर में सीधे घुसना, बेडरूम तक जाना और उसे स्टिंग ऑपरेशन बताना सही तरीका नहीं है।' उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि बरामद पैसा बिजनेस से जुड़ा है या चुनाव में इस्तेमाल के लिए रखा गया था। उधर, भाजपा नेता और मंत्री नितेश राणे, जो निलेश राणे के छोटे भाई हैं, उन्होंने कहा कि बहुत से राजनीतिक कार्यकर्ताओं के पास होटल, क्रशर या अन्य व्यवसाय हैं, इसलिए उनके घर पर नकद का होना असामान्य नहीं है। उन्होंने कहा, सिर्फ इसलिए कि उसके घर पर नकद मिला, उसे गलत साबित नहीं किया जा सकता। हमारे कार्यकर्ताओं को बदनाम करने की कोशिश हो रही है।' उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, 'हम्माम में सब नंगे होते हैं।' भाजपा नेता अशीष शेलार ने भी कहा था कि निलेश राणे के आरोप झूठे हैं और इससे गठबंधन के भीतर अनावश्यक विवाद पैदा किया जा रहा है। दूसरी ओर, चुनाव अधिकारियों और पुलिस ने शिकायत के आधार पर घर पहुंचकर नकद बरामद किया। भाजपा कार्यकर्ता ने कहा कि यह पैसा उसके व्यापार से संबंधित है और चुनाव से इसका कोई लेना-देना नहीं। महाराष्ट्र में 2 दिसंबर को नगरपालिका और नगर पंचायतों के चुनाव होने हैं।

# असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध विधानसभा से विधेयक पारित

गुवाहाटी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। असम विधानसभा ने गुरुवार को बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 पास किया। इसके तहत दोषी को 10 साल तक की सजा हो सकती है। एसटी समुदाय और छठी अनुसूची क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया है। उन्होंने दोबारा सीएम बनने पर यूसीसी लागू करने और फरवरी तक लव-जिहाद पर बिल लाने का भी वादा किया।

असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने वाला अहम बिल पास कर राज्य में एक बड़ा कानूनी बदलाव कर दिया। इस बिल के पारित होने के साथ ही बहुविवाह को आपराधिक कृत्य माना जाएगा और दोषी को अधिकतम 10 साल की सजा हो सकेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इसे महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया और आश्वासन दिया कि अगर वह अगले कार्यकाल में फिर से मुख्यमंत्री बनते हैं तो राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया जाएगा। पारित इस बिल में साफ किया गया है कि यह कानून सभी समुदायों पर लागू होगा। अनुसूचित जनजाति के लोगों और छठी अनुसूची वाले क्षेत्रों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। मुख्यमंत्री सरमा ने साफ कहा कि बिल किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं है और इसका उद्देश्य सभी समाजों में समानता और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बहस के दौरान सरमा ने कहा कि बहुविवाह सिर्फ मुस्लिम समाज तक सीमित नहीं है, हिंदू समाज में भी ऐसे मामले मिलते हैं और कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा। उन्होंने कहा कि इसे इस्लाम-विरोधी बिल बताने वाली धारणाएं गलत हैं।

# एसआईआर के उद्देश्य को नहीं समझ पा रहा विपक्षः शांभवी चौधरी

समस्तीपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि विपक्ष केवल मुद्दा उछालकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि उनकी राजनीतिक रणनीति लगातार असफल हो रही है। सांसद शांभवी ने कहा, वे विपक्ष में हैं, इसलिए कुछ न कुछ बोलते ही रहेंगे। उन्हें एसआईआर का असली उद्देश्य समझ ही नहीं आ रहा है। एसआईआर इसलिए लागू किया जा रहा है ताकि लोकतंत्र के सबसे बड़े अधिकार (मतदान के अधिकार) को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर में विपक्ष की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। उनकी रणनीतियां बार-बार फेल हो रही हैं। वे चुनाव में लगातार हार रहे हैं और अब एसआईआर को ढाल बनाकर अपनी राजनीति बचाने की कोशिश कर रहे हैं। सांसद शांभवी ने विपक्ष पर जनता में अनावश्यक डर फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ये लोग जनता को डराने का काम कर रहे हैं। बिहार में भी एसआईआर को बहुत बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की गई, लेकिन बिहार की जनता ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे दिया।

उन्होंने दावा किया कि लोगों ने यह समझ लिया है कि एसआईआर किसी के अधिकार छीनने के लिए नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों को और मजबूत बनाने के लिए लाया जा रहा है। शांभवी ने कहा कि एसआईआर देश के नागरिकों की पहचान और अधिकारों को सुरक्षित करने का एक सशक्त माध्यम है। भारत किसी भी प्रकार के घुसपैठियों को अनुमति नहीं देता और एसआईआर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# कांग्रेस-नेता की गुड़ फैक्ट्री में बन रही थी नकली शराब

## पुलिस की रेड, नकली स्टिकर-होलोग्राम-बोतलें बॉटलिंग मशीन जब्त, झारखंड से मंगाते थे केमिकल

कवर्धा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले के ग्राम पोड़ी में कांग्रेस समर्थित पूर्व सरपंच के घर में पिछले कई महीनों से नकली देशी शराब बनाने का काम चल रहा था। सूचना के आधार पर 26 नवंबर को पुलिस ने मौके पर छापामार कार्रवाई की।

इस दौरान आरोपियों ने सामानों को रेत में छिपाने की कोशिश भी की। जांच में पता चला कि गुड़ बनाने की फैक्ट्री की आड़ में अवैध शराब बनाने का पूरा प्लांट संचालित हो रहा था।

नंद कुमार कुर्रे के मकान में पैकिंग सामग्री, ढक्कन, होलोग्राम, केमिकल और स्पिरिट दूसरे राज्य से मंगाकर नकली प्लेन देशी शराब तैयार की जाती थी। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

**आरोपियों से पूछताछ जारी**

पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में सामग्री बरामद की, जिसमें बड़ी संख्या में खाली बोतलें, ढक्कन, लेबल-स्टिकर, जर्किन, केन, रसायन और पैकिंग मशीन शामिल हैं। सभी को पोड़ी चौकी लाकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, शराब बनाने का सारा सामान आरोपी झारखंड से मंगवाते थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आने की संभावना है।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि नकली शराब बनाने में दो और स्थानीय साथी शामिल हैं, जिनमें से एक गांजा प्रकरण में जेल भेजा जा चुका है, जबकि दूसरा अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि नकली पैकिंग सामग्री, होलोग्राम, लेबल पर्ची, केमिकल और ढक्कन झारखंड राज्य से इनके साथियों को उपलब्ध कराते थे। इस बात से स्पष्ट है कि गिरोह का नेटवर्क अंतरराज्यीय स्तर पर संचालित था और अन्य राज्यों के अपराधियों की भी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

एसपी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह कारोबार कब से चल रहा था, कच्ची सामग्री कहां से लाई जाती थी और तैयार नकली शराब किस क्षेत्र में खपाई जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, इस अवैध नेटवर्क के तार अन्य राज्यों से भी जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अब इस पूरे गिरोह के मास्टरमाइंड और सप्लाई चेन की पहचान पर काम कर रही है। आने वाले समय में बड़े खुलासे की संभावना जताई जा रही है।

# मुस्कान बेटी के साथ 30 दिन क्वारैंटाइन बैरक में रहेगी

## मेरठ में सौरभ के भाई बोले- लड़की ने हर स्टेप पर माइंड गेम खेला

मेरठ, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ में पति सौरभ की हत्यारोपी मुस्कान अपनी नवजात बेटी के साथ मेडिकल कॉलेज से डिस्चार्ज कर दी गई है। उसे चौधरी चरण सिंह जिला जेल की क्वारैंटाइन बैरक में रखा गया है। मुस्कान ने 24 नवंबर को बेटी को जन्म दिया था। इसके बाद वह दो दिन मेडिकल कॉलेज में रही। मुस्कान ने बेटी का नाम राधा रखा है। उसने पहले से ही तय कर रखा था कि अगर बेटा हुआ तो कृष्ण और बेटी हुई तो राधा नाम रखेगी। जिला जेल में मौजूद डॉक्टर ने मां-बेटी का प्राइमरी हेल्थ चेकअप किया। सब कुछ सही मिलने पर दोनों को क्वारैंटाइन बैरक में रखा गया है। इस बैरक में मुस्कान और उसकी बेटी के अलावा कोई और महिला बंदी नहीं है। जेल एडमिनिस्ट्रेशन अब मुस्कान और उसकी बेटी को मैन्युअल के हिसाब से सुविधा मुहैया करवा रहे हैं। बता दें कि इससे पहले मुस्कान महिलाओं की कॉमन बैरक में थी, जिसमें 30 महिलाएं एक साथ रहती थीं। हॉस्पिटल के बाद जेल में भी मुस्कान से मुलाकात करने कोई नहीं आया। मुस्कान के पिता प्रमोद रस्तोगी और मां कविता उसकी पहली बेटी पीहू को पाल रहे हैं, मगर वह दूसरी बेटी राधा के हाल जानने के लिए जेल नहीं पहुंचे। ऐसा ही सौरभ के परिवार ने भी किया, उन्होंने भी मुंह मोड़ लिया है। परिवार को कोई सदस्य बच्चे को देखने नहीं आया। अब बड़ी बेटी को लेकर भी नई बात सामने आई है। सौरभ के बड़े भाई राहुल उर्फ बबलू ने कहा-

मेरठ जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा कहते हैं- जेल मैनुअल के अनुसार मुस्कान और उसकी बच्ची को अन्य से कैदियों से अलग बैरक में रखा गया है। यहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। जेल के डॉक्टर रेगुलर मुस्कान और उसकी बेटी का चेकअप करेंगे। मुस्कान को खाने में सादा और पौष्टिक भोजन दिया जाएगा, जोकि उसके स्वास्थ्य को बेहतर करने के लिए रहेगा। इसमें दाल, दूध, दलिया, रोटी, हरी सब्जी और एक फल शामिल है।

मुस्कान से जेल में अभी कोई काम नहीं कराया जाएगा। वो बच्ची का ख्याल रखेगी। 1 महीने बाद उससे हल्का काम कराया जाएगा। जेल में बच्चों के खेलने के लिए क्रैच है, उनका आंगनबाड़ी में रजिस्ट्रेशन कराया जाता है, ये सारी सुविधाएं बच्ची को मिलेंगी।

# माफिया अतीक के छोटे बेटे पर पहली एफआईआर

प्रयागराज, 27 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद (20) पर पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। भड़काऊ रील को लेकर रात धूमनगंज थाने में केस दर्ज किया गया। दरअसल, एक शादी समारोह में शामिल हुए अबान का एक भड़काऊ वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। इसमें एक धमकी भरा डायलॉग भी जोड़ा गया। रील के बैकग्राउंड में एक गाना लगाया गया। गाने के बोल हैं- 'सामने वाले को हमसे क्या मिलेगा, ये उसकी औकात बताएगी। हम दिल भी रखते हैं और असलहा भी। हम कुत्तों की तरह पीछे से वार नहीं करते, सामने से फाड़ देते हैं। तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम। फाड़ के जाते हैं।' धूमनगंज थाने के सब इंस्पेक्टर आदित्य सिंह ने एप्लिकेशन दी। जिसमें लिखा- इस तरह का वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर समाज में दहशत फैलाने की कोशिश की गई। एसीपी धूमनगंज अजयेंद्र यादव ने बताया- बीएनएस की धारा 353 के तहत अबान और उसके साथी हमजा समेत कई अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की गई है। ये धारा सार्वजनिक उपद्रव फैलाने वाले बयान से संबंधित है। यह धारा उन लोगों के लिए है, जो जानबूझकर झूठी अफवाहें, बयान या भड़काऊ सामग्री फैलाते हैं, जिससे सार्वजनिक शांति या धार्मिक सौहार्द बिगाड़ सकता है।

**सोशल मीडिया पर ढेरों रिएक्शन**

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अतीक-अशरफ के मारे जाने के बाद भी अतीक का सबसे छोटा बेटा अबान दहशत फैलाने से पीछे नहीं है। एक यूजर ने लिखा- रस्सी जल गई, लेकिन ऐंठन नहीं गई। एक अन्य ने लिखा- योगी जी को पता चला तो ऐसा फाड़ेंगे कि टुकड़े भी नहीं मिलेंगे। अबान अतीक अहमद का 5वां और सबसे छोटा बेटा है। उससे बड़ा चौथे नंबर का बेटा अहजम है। दो भाई उमर और अली जेल में हैं। तीसरे भाई असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो चुकी है। उमेश पाल हत्याकांड के समय अबान और अहजम दोनों नाबालिग थे। उमेश पाल हत्याकांड के बाद अबान और अहजम को चकिया में लावारिस हालत में घूमते मिलने का दावा करते हुए पुलिस ने राजरूपपुर बालगृह में भेजा था। दोनों वहां 221 दिन तक रहे।

# जर्मनी बोला- रूस जंग खत्म करने को तैयार नहीं

## देश का रक्षा बजट बढ़ाने का ऐलान, 2029 तक नाटो पर हमला कर सकते हैं पुतिन

बर्लिन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन जंग खत्म करने के लिए किसी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं दिख रहा है।

बुधवार को जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने संसद में कहा कि रूस ने यूक्रेन के लिए तैयार की गई नई शांति योजना पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बयानों में शांति की कोई इच्छा नहीं दिखती। बोरिस ने कहा, पुतिन की प्रतिक्रिया से साफ है कि वह किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते।

2029 तक नाटो पर हमला कर सकता है रूस

जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने मंगलवार चेतावनी दी है कि रूस अगले चार साल में किसी नाटो देश पर हमला कर सकता है। उन्होंने यह बात बर्लिन फरिन पॉलिसी फोरम में कही।

वेडफुल ने बताया कि जर्मन खुफिया एजेंसियों के मुताबिक रूस 2029 तक नाटो के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। उनका कहना है कि रूस की महत्वाकांक्षा सिर्फ यूक्रेन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कुछ सालों में अपनी सैन्य ताकत और हथियार उत्पादन काफी बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था और समाज को काफी हद तक युद्ध के हिसाब से ढाल दिया है। साथ ही, रूस जरूरत से ज्यादा सैनिकों की भर्ती कर रहा है। लगभग हर महीने एक नई डिविजन तैयार की जा रही है।

नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में अगर शांति समझौता भी हो जाए, तब भी रूस यूरोप के लिए लंबे समय तक खतरा बना रहेगा। उन्होंने यह बयान ब्रसेल्स में स्पेनिश अखबार एल पाइस को दिए इंटरव्यू में दिया।

रुटे ने यह भी कहा कि यूरोप का कोई भी देश यह न सोचे कि वह सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि रूसी मिसाइलें कुछ ही मिनटों में किसी भी यूरोपीय शहर तक पहुंच सकती हैं।

रुटे ने यूक्रेन मुद्दे पर ट्रम्प की कूटनीतिक कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नया शांति प्रस्ताव आगे बातचीत की अच्छी शुरुआत है।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने नाटो देशों पर रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए जो दबाव बनाया, वह बिल्कुल जरूरी था। उन्होंने नाटो के सदस्य देश स्पेन को आने वाले समय में अपना रक्षा बजट को बढ़ाने की भी सलाह दी।

# चीन में 15 साल बाद सबसे बड़ा ट्रेन हादसा

## ट्रैक पर काम कर रहे लोगों को ट्रेन ने टक्कर मारी, 11 की मौत, 2 घायल

बीजिंग, 27 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के दक्षिणी प्रांत युन्नान में गुरुवार सुबह रेल हादसा में 11 रेलवे कर्मचारियों की मौत हो गई और 2 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक टेस्ट ट्रेन, जो भूकंप से जुड़े इक्विपमेंट की जांच कर रही थी, अचानक उन कर्मचारियों से टकरा गई।

हादसा कुनमिंग शहर के लुओयांगजेन रेलवे स्टेशन पर हुआ, जहां रेलवे कर्मचारी एक टर्निंग ट्रैक वाले हिस्से में काम कर रहे थे। इसी दौरान ट्रेन उसी ट्रैक पर आ गई और टक्कर हो गई। यह 2011 में हुए ट्रेन हादसे के बाद दूसरी सबसे बड़ी दुर्घटना है। तब ट्रेन हादसे में 40 लोगों की मौत हुई थी।

चीन के सरकारी टीवी चैनल सीसीटीवी के मुताबिक, टेस्ट ट्रेन नंबर 55537 साइज्मिक (भूकंप मापने वाले) इक्विपमेंट की जांच के लिए चल रही थी। हादसे के तुरंत बाद रेलवे और लोकल प्रशासन ने इमरजेंसी रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया था।

कुनमिंग रेलवे अथॉरिटी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पीड़ितों और उनके परिवारों के संवेदना जाहिर की है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

**2011 के ट्रेन हादसे में 40 लोग मारे गए थे**

चीन दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क चलाता है, जिसकी लंबाई 1,60,000 किलोमीटर से ज्यादा है और हर साल इसमें अरबों लोग ट्रैवल करते हैं। चीन की रेल सर्विस को तेज और सुविधाजनक माना जाता है, लेकिन पहले भी कई बड़े हादसे हो चुके हैं।

2011 में झेजियांग प्रांत में हुई एक दुर्घटना में 40 लोगों की मौत हुई थी। 2021 में गांसू प्रांत में भी एक ट्रेन ने कर्मचारियों को टक्कर मारी थी, जिसमें 9 लोग मारे गए थे। चीन अपनी हाई-स्पीड रेल को दुनिया की सबसे सुरक्षित और आधुनिक ट्रेन सेवा के रूप में पेश करता है। यह दावा काफी हद तक सही भी है, क्योंकि हाई-स्पीड ट्रेनें अपने मुख्य रूटों पर ऑटोमैटिक सिस्टम पर चलती हैं और वहां मानव गलती की गुंजाइश बहुत कम रहती है।

असली खतरा वहां पैदा होता है, जहां इन ट्रेनों के ट्रैक की मरम्मत, तकनीकी जांच या टेस्टिंग का काम चल रहा होता है। यही वह समय है जब कर्मचारी पटरियों पर होते हैं और साथ ही ट्रेनें भी ट्रैक पर चल रही होती हैं। इन हालात में मशीन और इंसान के बीच तालमेल बिल्कुल सटीक होना चाहिए। अक्सर इसी तालमेल में चूक हो जाती है। चीन में पिछले कई सालों में ज्यादातर बड़े हादसे इन्हीं स्थितियों में हुए हैं, जब कर्मचारी ट्रैक पर मरम्मत कर रहे थे या ट्रेन किसी टेस्ट रन पर थी। 2021 में गांसू प्रांत में एक ऐसा ही हादसा हुआ था, जब रात में टेस्टिंग के दौरान एक ट्रेन ने ट्रैक पर काम कर रहे टीम को टक्कर मार दी और 9 लोगों की मौत हो गई।

# पाकिस्तानी नेता बोले- एक हिंदू के सामने हमारे 90 हजार फौजियों ने सरेंडर किया

## नाक कटवा दी

इस्लामाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व सांसद और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (F) के प्रमुख फजल-उर-रहमान ने रविवार को एक रैली में कहा कि सेना देश की लगातार बेइज्जती करा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 1971 की जंग में पाकिस्तान की सेना ने एक हिंदू (भारतीय जनरल) के सामने 90 हजार से ज्यादा सैनिकों के साथ सरेंडर किया था और पूरे मुल्क की इज्जत मिट्टी में मिला दी। उनके मुताबिक, पाकिस्तान ने दुनिया के सामने अपना चेहरा उसी दिन जला लिया था।

मौलाना ने कहा कि देश को मिली उस शर्मनाक हार से पाकिस्तान आज तक उबर नहीं पाया है, क्योंकि उसी मानसिकता के फैसले आज भी जारी हैं। उनके अनुसार, सेना अपनी गलतियां छिपाती है, सच्चाई जनता तक नहीं पहुंचाती और राजनीतिक नेताओं पर दबाव बनाती है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान की टूटी अर्थव्यवस्था, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी भी सेना की नाकाम नीतियों का नतीजा है।

रहमान ने कहा कि जो लोग देश को यहां तक ले आए, वे खुद को हीरो बताने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता सब जानती है और उसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। मौलाना लंबे समय से पाकिस्तान की सत्ता और सैन्य प्रतिष्ठान की आलोचना करते रहे हैं। वे कई बार सांसद रह चुके हैं और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कड़े विरोधी माने जाते हैं।

# अदियाला जेल में इमरान पूरी तरह स्वस्थ

## अफवाहों के बीच जेल प्रशासन ने दी सफाई, अब पीटीआई ने की ये मांग

इस्लामाबाद, 27 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के बीच अदियाला जेल प्रशासन ने साफ किया है कि खान पूरी तरह स्वस्थ हैं। गुरुवार को जारी बयान में अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर फैली मौत और बिगड़ी सेहत की खबरों को सिरे से खारिज किया। प्रशासन का कहना है कि खान को जेल में सभी आवश्यक सुविधाएं और चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।

इमरान खान अगस्त 2023 से कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं। बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी सेहत को लेकर अपुष्ट दावे फैल रहे थे, जिनमें कुछ विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स भी शामिल थीं। 'व्हेयर इज़ इमरान खान?' ट्रेंड के बीच जेल प्रशासन ने कहा कि खान न केवल सुरक्षित हैं बल्कि जेल परिसर में ही मौजूद हैं। किसी भी तरह के तबादले की खबर पूरी तरह गलत है।

**सोशल मीडिया अफवाहों पर जेल प्रशासन की सफाई**

जेल प्रशासन ने कहा कि इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर फैल रही अफवाहों में कोई तथ्य नहीं है। इन दावों के बीच प्रशासन ने स्पष्ट किया कि खान को जेल के भीतर उचित सुविधाएं मिल रही हैं और उनकी सेहत पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने यह भी बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेतृत्व को नियमित रूप से खान की सेहत की जानकारी दी जा रही है।

इमरान खान की तीनों बहनें छह सप्ताह से उनके साथ मुलाकात नहीं कर पाई हैं, जिसके चलते परिवार ने खान की सुरक्षा और मौजूदगी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने जेल के बाहर धरना भी दिया। पीटीआई ने मांग की है कि

सरकार बिना देरी किए इमरान खान और उनके परिवार के बीच मुलाकात सुनिश्चित करे और किसी भी 'अनौपचारिक प्रतिबंध' को हटाए।

पीटीआई ने सरकार और गृह मंत्रालय से स्पष्ट और आधिकारिक बयान जारी करने की मांग की है। पार्टी का कहना है कि अफवाहें संवेदनशील प्रकृति की हैं और इन्हें फैलाने वालों की जांच होनी चाहिए। पीटीआई ने चेतावनी दी कि देश इमरान खान की स्थिति को लेकर किसी भी अनिश्चितता को बर्दाश्त नहीं करेगा और सरकार उनकी सुरक्षा व संवैधानिक अधिकारों के लिए सीधी जिम्मेदार है।

**सरकार की भूमिका पर राजनीतिक सवाल**

पीटीआई नेता मेहर बानो कुरैशी ने कहा कि सरकार को तुरंत बयान जारी कर जनता को आश्वस्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे विश्वसनीय तरीका यह है कि इमरान खान की बहनों, वकीलों और पार्टी नेताओं को उनसे मिलने दिया जाए। दिलचस्प बात यह है कि अदियाला जेल पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के प्रशासन के अधीन है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि खान की मुलाकातों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। इससे पहले स्वयं इमरान खान ने आरोप लगाया था कि एक सेना अधिकारी जेल मामलों को नियंत्रित कर रहा है।

# रूस में आठ लोगों को मृत्युदंड

## अदालत ने क्रीमिया पुल पर विस्फोट के मामले में ठहराया दोषी

मॉस्को, 27 नवंबर (एजेंसियां)। रूस की एक अदालत ने गुरुवार को आठ लोगों को आतंकवाद के आरोपों में दोषी ठहराया। ये सभी लोग कथित तौर पर रूस से जोड़ने वाले क्रीमिया क्षेत्र को मॉस्को से जोड़ने वाले पुल पर हमले में शामिल थे। यह पुल यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना के लिए एक अहम आपूर्ति मार्ग है। अदालत ने सभी लोगों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

अक्टूबर 2022 में यह हमला हुआ था। एक ट्रक में बम फटने से पुल के दो हिस्से टूट गए थे और उनकी मरम्मत में कई महीने लगे थे। धमाके में ट्रक चालक और पास की कार में बैठे चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। रूस ने इसे आतंकवादी हमला करार दिया था और इसके जवाब में यूक्रेन की सार्वजनिक संपत्ति पर बमबारी शुरू की, खासकर सर्दियों में देश की बिजली प्रणाली को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एसबीयू ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। रूसी, यूक्रेनी और आर्मेनियाई नागरिकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पांच अन्य लोगों पर अदालत में गैरहाजिर रहते हुए आरोप लगाए गए। इन में तीन यूक्रेनी और दो जॉर्जियाई नागरिक शामिल थे।

आरत्योम और जॉर्जी अज़त्यान, ओलेग एंटिपोव, अलेक्जेंडर बिलिन, व्लादिमीर जलोबा, दिमित्री त्याजेलिख, रोमन सोलोम्को और आर्तुर तेर्त्यान्यान पर आतंकवादी हमला करने और अवैध हथियार तस्करी के आरोप लगे।

सोलोम्को और तेर्त्यान्यान पर विस्फोटक तस्करी के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए। रूसी अधिकारियों ने उन पर यूक्रेन की मदद से यह हमला करने का आरोप लगाया।

# दुबई एयरशो में तेजस विमान क्रैश के बाद आर्मीनिया ने कैंसिल की भारत के साथ डील?

## एक्सपर्ट ने बताया येरेवन का प्लान

येरेवन, 27 नवंबर (एजेंसियां)। दुबई में एयर शो के दौरान भारत के तेजस लड़ाकू विमान के क्रैश होने के बाद कई तरह की बातें सामने आई हैं। इनमें कई तेजस की डील से भी जुड़ी हैं। खासतौर से इजराइली मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में दावा किया गया है कि दुबई क्रैश के बाद आर्मीनिया ने भारत से तेजस जेट खरीदने की बातचीत रोक दी है। हालांकि इन दावों में सच्चाई नहीं है। एक्सपर्ट ने बताया है कि आर्मीनिया अपने लिए तेजस नहीं एसयू-30 जेट चाहता है।

कुछ प्लेटफॉर्म ने दावा किया है कि आर्मीनिया की भारत सरकार और एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनी एचएएल के साथ 1.2 अरब में 12 तेजस खरीदने की डील कैंसिल हो गई है। यह दुबई एयरशो में तेजस फाइटर जेट के क्रैश होने के बाद हुआ है। यह 24 सालों में इस एयरक्राफ्ट के हादसे का शिकार होने का दूसरा मामला है।

**भारत के लिए झटका**

यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक, दुबई में सिंगल-इंजन, 4.5-जेनरेशन का लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) एमके1 हादसे का शिकार हुआ। भारत के डिफेंस एक्सपोर्ट के लिए इसे बड़ा झटका माना गया है। दुबई एयरशो पेरिस और फार्नबोरो के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां से तेजस के संभावित खरीदारों को लुभाया जा सकता था। एनालिस्ट चेतावनी दे रहे हैं कि इस दुबई के इस हादसे से दुनिया का तेजस पर भरोसा कम हो सकता है। यह इसलिए भी झटका है क्योंकि इसको चीन के जे-10सीई और पाकिस्तान के जेएफ-17 Block III जैसे कॉम्पिटिटर प्लेटफॉर्म के तौर पर दिखाया गया था। चीन और पाकिस्तान के जेट भी उसी मार्केट के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

**येरेवन ने रोकी डील?**

आर्मीनिया की ओर से 12 तेजस जेट के लिए भारत से डील रद्द करने के दावे को भारतीय एक्सपर्ट ने खारिज किया है। भारतीय एक्सपर्ट का कहना है कि आर्मीनिया के साथ कभी भी तेजस के लिए कोई फॉर्मल बातचीत नहीं हुई। आर्मीनिया तेजस नहीं बल्कि भारत से एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट लेने की कोशिश कर रहा है।

अक्टूबर 2024 के आखिर में आर्मीनिया ने भारत के साथ एक दर्जन एसयू-30एमकेआई वेरिएंट के लिए बातचीत शुरू की थी। भारत सुखोई से लाइसेंस के तहत एचएएल फैसिलिटी में एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट बनाता है। एनालिसिस एट रिस्क इंटेलिजेंस फर्म आरएएनई के डायरेक्टर सैम लिचेंस्टीन ने कहा है कि आर्मीनिया वह एसयू-30एमकेआई खरीदने पर फोकस कर सकता है। दूसरी ओर रॉयल यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूट के वाल्टर लैडविग जैसे एक्सपर्ट का कहना है कि फाइटर जेट की बिक्री जियोपॉलिटिकल असलियत से तय होती है।

# पाकिस्तानी सेना नाकामी छिपा रही

## जनता को मूर्ख बना रही, तालिबान ने बता दी असीम मुनीर के हवाई हमले की वजह

काबुल, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने एक बार फिर पाकिस्तान को निशाने पर लिया है। तालिबान ने कहा है कि पाकिस्तानी आर्मी जानबूझकर अफगानिस्तान के साथ तनाव बढ़ा रही है। पाक आर्मी के ऐसा करने की वजह घरेलू हैं। पाक मिलिट्री अपनी नाकामी छिपाने और पाकिस्तान के लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए ऐसा कर रही है। पाकिस्तान के हालिया हवाई हमलों को तनाव बढ़ाने वाला बताते हुए तालिबान ने असीम मुनीर को घेरा है।

पाकिस्तान के अफगानिस्तान में की गई हालिया एयर स्ट्राइक पर तालिबान प्रवक्ता मौलवी जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में बात की है। मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान के इन हमलों के पीछे उसकी सेना के दो मकसद हैं। पहला मकसद किसी विदेशी प्रॉक्सी स्कीम को अंजाम देना और दूसरा मकसद अपने सैनिकों की कमियों को छिपाना है। पाकिस्तानी सेना की ओर से आम अफगान लोगों को निशाना बनाए जाने के सवाल पर मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से घरेलू चुनौतियों से जूझ रहा है। उसकी सीमाओं के अंदर सुरक्षा से जुड़ी घटनाएं होती हैं तो मिलिट्री उनसे निपटने में मुश्किल महसूस करती है। वह लोगों की सुरक्षा में फेल होने पर जवाब नहीं दे पाती है। मुजाहिद ने कहा कि सुरक्षा के अपने काम में असफल होने की कमी को पूरा करने के लिए, पाकिस्तानी फौज दूसरा तरीका अपनाती है। वह अपने देश के लोगों का ध्यान भटकाने और जनता के बीच यह प्रभाव बनाने की कोशिश करती है कि इन मुद्दों का हल ढूंढा जा रहा है। वह अपनी पूरी असफलता को अफगानिस्तान या किसी और देश पर जाल देती है। पाकिस्तान ने इस हफ्ते अफगानिस्तान पर हवाई हमला किया है। पाकिस्तान की ओर से हवाई हमले रात के समय किए गए, जब लोग अपने घरों में सो रहे थे। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के किए गए हमले में खोस्त प्रांत में 10 लोगों की मौत हुई है।

# सुकमा जिले में आईईडी ब्लास्ट, महिला आरक्षक जख्मी

जगदलपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। इसकी चपेट में जिला पुलिस बल की महिला आरक्षक आ गई है। महिला आरक्षक के पैर में गंभीर चोट आई है, जिसका प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे रायपुर के अस्पताल रेफर किया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। मामला फुलबगड़ी थाना क्षेत्र का है। गोगुंडा इलाके में जवानों का नया कैंप स्थापित किया गया है। इस कैंप से जिला पुलिस बल के जवान सर्च ऑपरेशन पर निकले थे। हालांकि, नक्सलियों ने पहले से ही यहां आईईडी प्लांट कर रखी हुई थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान जिला बल की महिला आरक्षक मुचाकी दुर्गा का पैर प्रेशर आईईडी पर आ गया।

# हॉन्गकॉन्ग में 77 साल में सबसे भीषण आग

## 55 मौतें, 8 बहुमंजिला इमारतें जलीं, 280 अभी भी लापता, ठेकेदार समेत 3 गिरफ्तार

हॉन्ग कॉन्ग, 27 नवंबर (एजेंसियां)। हॉन्गकॉन्ग के 'ताई पो' जिले में बुधवार को एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। यह 77 साल में लगी सबसे भीषण आग बताई जा रही है। इस हादसे में अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 76 गंभीर रूप से घायल हैं।

वहीं, 280 लापता हैं। ये कॉम्प्लेक्स आठ इमारतों का था, जिनमें हर इमारत 35 मंजिलों की थी। इसमें करीब दो हजार अपार्टमेंट थे। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढके हुए थे।

चार इमारतों में लगी आग पर लगभग 10 घंटे बाद सुबह तक काबू पा लिया गया। तीन इमारतों में आग पर 20 घंटे बाद भी काबू नहीं पाया जा सका है। मामले में पुलिस ने ठेकेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

इन पर आग के मामले में लापरवाही या गैर-इरादतन हत्या का शक जताया गया है। पुलिस ने इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। वहीं, 7 दिसंबर को होने वाले चुनाव से पहले चुनाव प्रचार गतिविधियां स्थगित कर दी गई हैं। हॉन्गकॉन्ग मीडिया साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार यह आग 77 साल में सबसे भीषण आग है। इससे पहले 1948 में पांच मंजिला गोदाम में विस्फोट हुआ था। इसमें 176 लोग मारे गए थे।

इसके बाद 1962 में शुई पो इलाके में लगी आग में लगभग 44 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, नवंबर 1996 में कोवलून में गार्ले बिल्डिंग में आग लगने से 41 लोग मारे गए थे और 81 घायल हुए थे।

तेज हवा और जलते हुए मलबे की वजह से लपटें एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैलती चली गईं। जब आग भड़की, तो कई लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी क्योंकि मरम्मत की वजह से खिड़कियां बंद थीं।

आग बुझाने पहुंची टीम को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई मंजिलों पर तापमान इतना ज्यादा था कि फायर फाइटर्स उन जगहों तक पहुंच नहीं पा रहे थे। इसी दौरान एक फायर फाइटर की मौत भी हो गई।

# एमपी के आईएएस का विवादित बयान, सर्व ब्रह्माण समाज में आक्रोश

## दुर्ग में अफसर पर रखा 1 लाख का इनाम, कहा-गधे पर बैठाकर पूरा शहर घुमाएंगे

दुर्ग-भिलाई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के ब्राह्मण समाज पर दिए गए विवादित बयान को लेकर दुर्ग में सर्व ब्राह्मण समाज में काफी नाराजगी है। गुरुवार को दुर्ग कलेक्टोरेट के सामने सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने आईएएस अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

समाज के पदाधिकारियों ने संतोष वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही उन्होंने इस अधिकारी को पकड़कर दुर्ग लाने के लिए एक लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया है। मध्यप्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा ने यह बयान 23 नवंबर 2025 को भोपाल के अंबेडकर मैदान में आयोजित एक सम्मेलन में आरक्षण के मुद्दे पर दिया था। उन्होंने कहा था कि जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण अपनी बेटी दान न कर दे, तब तक आरक्षण मिलना चाहिए।

ब्राह्मण समाज ने इस बयान को महिलाओं का अपमान और जातीय द्वेष फैलाने वाला बताया है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि यह टिप्पणी किसी भी सरकारी अधिकारी के गरिमामय व्यवहार के खिलाफ है और अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

गुरुवार को दुर्ग कलेक्टोरेट में कार्रवाई की मांग को लेकर पहुंचे सर्व ब्राह्मण समाज के दुर्ग संभाग अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के उस आईएएस अधिकारी के बयान की वे कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने शासन के नाम एसडीएम और एडिशनल एसपी अभिषेक झा को ज्ञापन दिया है। इसमें उन्होंने मांग की है कि जांच कर उस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए और उसे दुर्ग बुलाया जाए। सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि अगर इसके बाद भी कार्रवाई नहीं होती है, तो समाज ने घोषणा की है कि अधिकारी को लाने वाले को 1 लाख रुपए का इनाम मिलेगा और उसे शहर में लाकर गधे पर घुमाया जाएगा।

# भाजपा की नई कार्यकारिणी घोषित

## 9 उपाध्यक्ष और 7 मंत्री सहित 34 नामों की घोषणा

सुरेंद्रपाल सिंह टीटी
उपाध्यक्ष

ज्योति मिर्धा
उपाध्यक्ष

नाहरसिंह जोधा
उपाध्यक्ष

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। लंबे इंतजार के बाद राजस्थान भाजपा ने नई कार्यकारिणी घोषित कर दी है। प्रदेश भाजपा की नई टीम में 34 नामों का एलान किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशानुसार बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरुवार को नई कार्यकारिणी की लिस्ट जारी किया। जिसमें 9 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 7 मंत्री, एक कोषाध्यक्ष, एक सहकोषाध्यक्ष, एक प्रकोष्ठ प्रभारी और 7 प्रवक्ता बनाए गए हैं।

राजस्थान भाजपा की कार्यकारिणी में पहले 10 उपाध्यक्ष थे। लेकिन, नई टीम में 9 उपाध्यक्ष ही बनाए गए हैं। नाहर सिंह जोधा, मुकेश दाधीच, डॉ. ज्योति मिर्धा को फिर से उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, बिहारीलाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू माईड़ा, अल्का मुन्दड़ा और सरिता गेना नए उपाध्यक्ष बनाए हैं।

**4 महामंत्री और 7 मंत्री बनाए**

नई कार्यकारिणी में 4 महामंत्री और 7 मंत्री बनाने की घोषणा हुई। श्रवण सिंह बगड़ी, कैलाश मेघवाल, भूपेन्द्र सैनी और मिथिलेश गौतम को मंत्री बनाया है। वहीं, नारायण मीणा, अजीत माडन, अपूर्वा सिंह, आईदान सिंह भाटी, एकता अग्रवाल, नारायण पुरोहित, सीताराम पोसवाल (गुर्जर) को मंत्री बनाया गया है।

**इन्हें भी मिली नई कार्यकारिणी में जगह**

पंकज गुप्ता को कोषाध्यक्ष, डॉ. श्याम अग्रवाल को सहकोषाध्यक्ष, विजेन्द्र पूनिया को प्रकोष्ठ प्रभारी, कैलाश वर्मा, कुलदीप धनकड़, रामलाल शर्मा, दशरथ सिंह, मदन प्रजापत, राखी राठौड़ व स्टेफी चौहान को प्रवक्ता, मुकेश पारीक को कार्यालय सचिव, हीरेन्द्र कौशिक को सोशल मिडिया प्रभारी, अविनाश जोशी को आईटी प्रभारी, प्रमोद कुमार वशिष्ठ को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

# रेलवे स्टेशन पर बम की दहशत! 3 घंटे तक हुई तलाशी

## 3 संदिग्ध युवक लिए गए हिरासत में

अजमेर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर रेलवे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई, जब दादर एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की सूचना पुलिस तक पहुंची। सूचना मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ सक्रिय हो गए और स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल कड़ा कर दिया गया। दादर एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म पर ही रोककर करीब तीन घंटे तक गहन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान पूरे स्टेशन परिसर में यात्रियों और कर्मचारियों के बीच दहशत का माहौल बना रहा।

सूत्रों के अनुसार, तीन युवक एक ऑटो में बैठकर दादर एक्सप्रेस को उड़ाने की बातचीत करते सुनाई दिए, जिसके बाद ऑटो चालक ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय थाना पुलिस की टीमें तुरंत स्टेशन पहुंचीं और पूरे रेलवे स्टेशन में तलाशी शुरू कर दी। प्लेटफॉर्म, वेटिंग रूम, पार्किंग और रेलवे ट्रैक के आसपास डॉग स्क्वॉड और मेटल डिटेक्टर की मदद से विस्तृत जांच की गई।

सिर्फ दादर एक्सप्रेस ही नहीं, बल्कि स्टेशन पर मौजूद अन्य सभी ट्रेनों और आने-जाने वाली गाड़ियों की भी सख्त चेकिंग की गई। यात्रियों के बैग, लगेज और संदिग्ध वस्तुओं की बारीकी से जांच की गई। इस व्यापक जांच अभियान के कारण यात्रियों में कई घंटे तक भय का माहौल बना रहा, हालांकि पुलिस की सतर्कता से कोई अवांछित घटना नहीं हुई।

इधर, धमकी भरी बातचीत करने वाले तीन युवकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और उनकी कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच कराई जा रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि धमकी सिर्फ मजाक थी या किसी साजिश का हिस्सा। पुलिस उनकी हाल की लोकेशन, संपर्क में रहे लोगों और सोशल मीडिया गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

सिटी एएसपी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि कुचामन और डीडवाना इलाके से भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी, जिसके कारण सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया। उन्होंने बताया कि अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की बरामदगी नहीं हुई है। बम की सूचना केवल बातचीत के आधार पर थी, जिसकी गंभीरता की जांच की जा रही है। घंटों चली कार्रवाई के बाद दादर एक्सप्रेस को आगे के लिए रवाना कर दिया गया। फिलहाल तीनों संदिग्ध युवक पुलिस की हिरासत में हैं और पूछताछ जारी है। रेलवे प्रशासन ने सभी स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

# पूर्व मुख्यमंत्री को खुली चुनौती! अविनाश गहलोत बोले- कोई योजना नहीं बंद की, सब सुधारी और लागू की

जोधपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खुला चैलेंज दिया है। मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार ने किसी भी योजना को बंद नहीं किया है, बल्कि सभी योजनाओं में सुधार कर उन्हें नए सिरे से लागू किया गया है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अधिकारी सरकार के होते हैं, किसी के नहीं, और अब प्रभावी मॉनिटरिंग के चलते भ्रष्टाचार पर पूरी तरह नियंत्रण है।

अविनाश गहलोत आज जोधपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निरंतर प्रयास से सभी विभागों की प्रभावी मॉनिटरिंग हो रही है और आम नागरिक, गरीब और हितग्राही योजनाओं का लाभ समय पर पा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं का जिक्र किया और कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बच्चों की स्कॉलरशिप और अन्य फ्लैगशिप योजनाएं सही समय पर लाभार्थियों तक पहुंच रही हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा उनकी सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाने पर अविनाश गहलोत ने कहा कि एक भी योजना का नाम बताएं जिसे राजस्थान सरकार ने बंद किया हो। मंत्री ने बताया कि पेंशन में 15% की वृद्धि उनके सरकार ने की और कई योजनाओं में सुधार कर उन्हें जनता के लिए और अधिक प्रभावी बनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी लाभ के लिए घोषित योजनाओं का फायदा कांग्रेस को नहीं मिला और जनता ने समझदारी दिखाई।

अविनाश गहलोत ने कहा कि उनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर पूर्ण नियंत्रण है और किसी अधिकारी या विभाग पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग के तहत काम कर रहे हैं और जनता को सभी योजनाओं का लाभ समय पर मिल रहा है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि राजस्थान सरकार ने किसी भी योजना को बंद नहीं किया है और अगर पूर्व मुख्यमंत्री या किसी कांग्रेस नेता को इस बात का विरोध है, तो वह खुले तौर पर एक भी योजना का नाम बताएं। उन्होंने यह चैलेंज दोहराया कि उनके नेतृत्व में सरकार सभी योजनाओं में सुधार कर उन्हें सुचारू रूप से लागू कर रही है।

# 'किसी भी पात्र की पेंशन नहीं रुकनी चाहिए' मुख्य सचिव का अफसरों को निर्देश

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जीवित प्रमाण पत्र नहीं आने के कारण किसी भी पात्र व्यक्ति की पेंशन रुकनी नहीं चाहिए। श्रीनिवास ने सचिवालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता, आर्थिक एवं सांख्यिकी, श्रम विभाग, अल्पसंयक मामलात तथा जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभागों की योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के सशक्तिकरण और सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सभी अधिकारी अपने अपने विभागों से संबंधित योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, जिससे प्रत्येक जरूरतमंद को समय से योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने योजनाओं की क्रियान्विति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम विकसित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता, आर्थिक एवं सांख्यिकी, श्रम विभाग, अल्पसंख्यक मामलात तथा जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभागों की योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की प्रगति एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने विभागों की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा उनकी बेहतर तथा समयबद्ध क्रियान्विति के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीवित प्रमाण पत्र समय से प्राप्त नहीं होने के चलते किसी भी पात्र व्यक्ति की पेंशन रुकनी नहीं चाहिए। मुख्य सचिव श्रीनिवास ने कहा कि ऑटिज्म और न्यूरो मसक्यूलर डिसऑर्डर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों की सहायता के लिए पब्लिक हैल्थ लैक्चर आयोजित किये जाएं। मुख्य सचिव ने पोषण ट्रेकर एप के बारे में भी जानकारी ली और कुपोषण के शिकार बच्चों की उचित देखभाल के लिए बडी मदर्स कार्यक्रम का अध्ययन करने के लिए विभाग कहा।

मुख्य सचिव श्रीनिवास ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को अभियान चलाकर क्रियान्वित करने के लिए निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सहरिया जनजाति परिवारों को दिये जाने वाले राशन किट की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मातृ वंदन और जननी सुरक्षा योजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

# पूर्व विधायक के भाई पर गिरी गाज

## जमीनों के सौदेबाजी और अवैध प्लॉटिंग के लगे थे आरोप

अलवर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। यूआइटी के अधीक्षण अभियंता तैयब खान को सरकार ने एपीओ करते हुए नगर विकास विभाग जयपुर में अटैच किया है। इस आशय के आदेश उप शासन सचिव तृतीय डॉ. राष्ट्रदीप यादव ने जारी किए हैं। आदेश में कार्रवाई का आधार प्रशासनिक कारण बताए गए हैं। इधर, चर्चा है कि जमीनों की सौदेबाजी के आरोप लगने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

दिल्ली रोड पर सहारा की 50 बीघा जमीन थी, जिसे ए कंपनी ने खरीदा और फिर बी कंपनी को बेच दिया। इस बी कंपनी के पांच खरीदार रामगढ़, अलवर शहर, महाराष्ट्र व कर्नाटक के रहने वाले हैं। दावा किया जा रहा है कि इसी में एक व्यक्ति तैयब खान का रिश्तेदार है।

सूत्रों का कहना है कि खरीदी गई जमीन पर महीनों से बिना भू-रूपांतरण के अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी, जिसे यूआइटी के कुछ लोग संरक्षण दे रहे थे। राजस्थान पत्रिका ने यह खबर प्रकाशित की, तो सरकार ने तैयब खान को एपीओ कर दिया।

**रामगढ़ से कांग्रेस विधायक रहे जुबेर खान के भाई हैं**

तैयब खान रामगढ़ से कांग्रेस विधायक रहे जुबेर खान के भाई हैं। तैयब खान अलवर में ही जेईएन बने, यहीं से एईएन, एक्सईएन व अधीक्षण अभियंता के पद पर काबिज हुए। हालांकि कुछ माह के लिए भिवाड़ी गए, लेकिन वह हिस्सा पूर्व में अलवर का ही रहा था। करीब 20 साल से वे अलवर में ही जमे हुए थे।

यूआइटी के ठेकेदारों ने आरोप लगाए थे कि विकास कार्यों की फाइलें उनके पास बिना अधिकार के भेजी जा रही हैं, जिससे उनके पेमेंट अटक रहे हैं। हाल ही में उनकी ओर से ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग का भी ठेका किया गया था, जिसमें बड़ा खेल किया गया। पत्रिका ने मामला सार्वजनिक किया तो, इस पर रोक लग गई थी।

# होटल के बाहर खड़े 2 युवकों पर फायरिंग कर भागे बदमाश

अलवर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। बानसूर कस्बे के हरसौरा रोड पर 132 केवी जीएसएस के सामने फायरिंग करने का मामला सामने आया है। दो गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने होटल पर खड़े दो युवकों को टक्कर मारने का प्रयास किया और फायरिंग कर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम गुर्जर निवासी माजरा रावत और कालू मांची होटल के बाहर खड़े हुए थे।

इसी दौरान थार और स्विफ्ट कार में सवार होकर आए 4 से 5 बदमाशों ने टक्कर मारने का प्रयास किया और फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। हादसे में दोनों युवकों को चोट आई है। घटना की सूचना पर बानसूर डीएसपी मेघा गोयल व थाना प्रभारी राजेश यादव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए है। डीएसपी मेघा गोयल ने बताया कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नाकाबंदी करवा दी गई हैं। पुलिस की ओर से एफएसएल टीम को मौके पर बुलवाया गया है टीम साक्ष्य जुटा रही है।

# अजमेर रोड पर फिर से लगी भीषण आग

## छह दमकलें दौड़ीं, भरे हुए रखे थे तीन सिलेंडर

जयपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के सोडाला क्षेत्र में अजमेर रोड, पुरानी चुंगी के पास स्थित बीकानेरी रसगुल्ला, नमकीन भंडार में गुरुवार सवेरे भीषण आग लग गई। दुकान से शुरू हुई यह आग इतनी विकराल थी कि इसने पास ही स्थित एक मैरिज गार्डन को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दोनों जगहों पर भारी नुकसान हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। छह दमकलों ने आग पर काबू पाया ।

स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाके के कारण आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन प्रसिद्ध नमकीन भंडार और मैरिज गार्डन का लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया है।

पुलिस ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। दुकान में तीन सिलेंडर भी रखे थे। गनीमत रही कि वे नहीं फटे नहीं तो बड़ा नुकसान संभव था। उल्लेखनीय है कि पिदले कुछ दिनों से राजधानी जयपुर में खास तौर पर अजमेर रोड पर कई बड़े हादसे हो चुके हैं। सिलेंडरों से भरे हुए वाहनों में धमाकों के अलावा अजमेर रोड पर और भी कई बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं।

# एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग मामले में भी शामिल था रूलानिया हत्याकांड का आरोपी जीतू चारण

## पूछताछ में किए कई चौंकाने वाले खुलासे

कुचामन शहर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कुचामनसिटी शहर के कारोबारी रमेश रूलानिया की हत्या की साजिश रचने वाले कुख्यात अपराधी जीतू चारण को कुचामन पुलिस ने कोर्ट में पेश कर फिर से रिमांड पर लिया है।

थानाधिकारी सतपाल सिंह ने बताया कि आरोपी का पूर्व रिमांड पूरा होने पर उसे अदालत में पेश किया गया। अपराधी से और पूछताछ की आवश्यकता जताते हुए पुलिस ने पुनः रिमांड मांगा। अदालत ने इस पर सहमति जताते हुए जीतू चारण को 28 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है।

जांच में सामने आया कि रूलानिया की हत्या के लिए जीतू चारण ने ही शूटर गणपत गुर्जर को सुपारी दी थी। हथियार उपलब्ध करवाए थे और पूरी योजना को अंजाम देने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

जीतू चारण का आपराधिक नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है। वह बरेली स्थित एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग की घटना में भी शामिल रहा है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने उसे जैसलमेर जिले के पोकरण से गिरफ्तार किया था।

जिसके बाद कुचामन पुलिस ने उसे स्थानीय मामलों में गिरफ्तार किया। इसके अलावा चितावा पुलिस भी घाटवा के एक शराब कारोबारी को धमकी दिलवाने के मामले में जल्द ही उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार करेगी।

# पाक हैंडलर के जाल में फंसा राजस्थान का रॉकी

## खरीदे अवैध हथियार; लुधियाना में पकड़े आतंकी मॉड्यूल से कनेक्शन आया सामने

श्री गंगानगर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में पुलिस ने एक युवक से अवैध पिस्तौल और चार कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया है। यह आरोपी गांव हरीपुरा 26 जीबी निवासी राकेश उर्फ रॉकी नेहरा है। कोतवाली सीआई पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि इस आरोपी को केन्द्रीय बस स्टैंड पुलिस चौकी प्रभारी स्वर्ण सिंह की अगुवाई में पुलिस दल ने जस्सासिंह मार्ग से दबोचा है। आरोपी से पूछताछ जारी है। आरोपी के पंजाब में पकड़े गए रामलाल से कितने गहरे संबंध है, इसकी जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक डा. अमृता दुहन ने बताया कि पिछले सप्ताह लुधियाना में पंजाब पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो आंतकी घायल हुए थे। इसमें एक आरोपी श्रीगंगानगर के लालगढ थाना क्षेत्र गांव ताखरांवाली निवासी रामलाल था, जबकि दूसरा आंतकी अबोहर क्षेत्र गांव शेरेवाला निवासी दीपू था। आरोपी रामलाल मजदूरी करता था, लेकिन पैसों के लालच में वह पाकिस्तानी हैंडलर जसवीर सिंह उर्फ चौधरी के जाल में फंस गया। आरोपी रामलाल के कब्जे स पंजाब पुलिस ने दो हैंड ग्रेनेड व पांच पिस्टल जब्त की थी। रामलाल से बरामद किए गए अवैध हथियार की खेप आरोपी राकेश उर्फ रॉकी नेहरा के पास पाए गए हथियार जैसी है। प्रारंभिक पूछताछ में राकेश ने स्वीकारा कि उसने रामलाल के साथ हथियार खरीदे थे।

# गैंगस्टर का महिमामंडन करने वाले दो गिरफ्तार

## लॉरेंस बिश्नोई के नाम से बेच रहे थे जैकेट

जोधपुर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। शहर में सोशल मीडिया के जरिए कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम का जैकेट बेचकर उसका महिमामंडन करने की कोशिश करने वाले दो युवकों को बोरानाडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आयुक्त जोधपुर श्रीमान ओमप्रकाश और पुलिस उपायुक्त पश्चिम विनीत कुमार बंसल के निर्देशन में की गई यह कार्रवाई गैंगस्टर कल्चर के खिलाफ सख्त कदम मानी जा रही है। इस कार्रवाई का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम रोशन मीणा, एसीपी बोरानाडा आनंद सिंह राजपुरोहित और थानाधिकारी बोरानाडा शकील अहमद ने किया। 25 नवंबर को बोरानाडा पुलिस को सूचना मिली कि बोरानाडा बस स्टैंड स्थित स्टाइल वर्ल्ड नामक दुकान पर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से बने जैकेट सोशल मीडिया पर प्रचारित कर बेचे जा रहे हैं। सूचना पर एसआई हेमराज सिंह टीम के साथ दुकान पर पहुंचे और दुकान संचालक नवीन व उसके पार्टनर प्रेमाराम को मौके पर ही हिरासत में ले लिया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लॉरेंस नाम से प्रिंटेड जैकेट को ट्रेंडिंग उत्पाद की तरह प्रचारित कर रहे थे, जिससे अपराधियों के महिमामंडन और गैंगस्टर कल्चर को बढ़ावा मिलने की आशंका थी। पुलिस ने दुकान से लॉरेंस नाम लिखे कई जैकेट और अन्य बिना बिल की सामग्री जब्त की है।

# साइबर ठगों का भंडाफोड़, 21 किलो चांदी, 21 लाख नकद और दो लग्जरी गाड़ियों के साथ तीन गिरफ्तार

श्री गंगानगर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। गरीबों को 2-3 हजार रुपयों का लालच देकर उनके बैंक अकाउंट, आधार-पैन कार्ड, एटीएम और सिम लेना, फिर उन्हें किट बनाकर बड़े साइबर ठगों को 50-50 हजार रुपये में बेचना। राजस्थान के श्रीगंगानगर में पुलिस ने ऐसे खतरनाक गिरोह को पकड़कर पूरे खेल का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर और उनके पास से 21 किलो 500 ग्राम चांदी, 21 लाख नकद और दो लग्जरी गाड़ियों समेत भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं। एसपी अमृता दुहन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पकड़े गए आरोपी श्रीगंगानगर शहर के ही रहने वाले चंद्र कुमार (29), संदीप चौहान (25) और दीपक (25) हैं। ये लोग गरीब और असहाय लोगों को निशाना बनाते थे। उन्हें महज दो-तीन हजार रुपये देकर आधार कार्ड, पैन कार्ड, जनआधार, बैंक पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड और मोबाइल नंबर ले लेते थे। इसके बाद इन दस्तावेजों की किट तैयार कर बड़े साइबर अपराधियों को 50 हजार रुपये प्रति किट के हिसाब से बेचते थे। एसपी ने बताया कि ये किट मिलने के बाद बड़े ठग इन अकाउंट्स में साइबर फ्रॉड का पैसा ट्रांसफर करते थे। किसी कारण से जब बैंक अकाउंट होल्ड हो जाता था तो आरोपी फर्जी कंपनियों के लेटर हेड, जीएसटी नंबर और रबर स्टांप बनाकर बैंक पहुंच जाते थे और होल्ड हटवा लेते थे। इसके बाद फ्रॉड का पैसा आसानी से निकाल लिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 21 लाख रुपये नकद, 21 किलो 500 ग्राम चांदी, दो हूंडई क्रेटा लग्जरी गाड़ियां, 90 चेकबुक, 13 बैंक पासबुक, 64 एटीएम कार्ड, 44 एक्टिव सिम कार्ड, दर्जनों आधार, पैन, जनआधार कार्ड, 12 रबर स्टांप, 23 बिल बुक, लैपटॉप और फर्जी कंपनियों के दस्तावेज बरामद किए हैं।

# लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सहयोग से काम करें : भट्टी विक्रमार्क

## उपमुख्यमंत्री ने जर्मनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

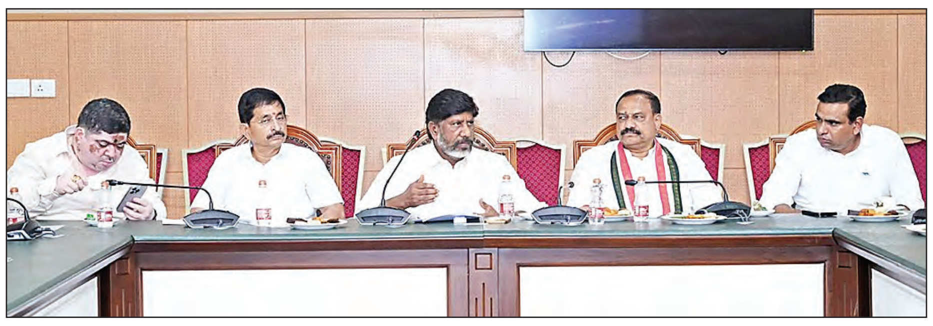

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के राजनीतिक दलों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से पूरी दुनिया को लाभ होगा। गुरुवार शाम उन्होंने प्रजा भवन में जर्मनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जर्मनी की प्रतिनिधि टीम द्वारा विभिन्न देशों के राजनीतिक दलों को एक मंच पर लाकर प्रगतिशील विचारधारा को आगे बढ़ाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने चेतावनी दी कि विकसित और विकासशील देशों में भी दक्षिणपंथी विचारधारा खतरनाक रूप ले रही है और यह लोकतांत्रिक संस्थाओं और उनके मूल्यों के लिए संकट उत्पन्न कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि स्वतंत्रता, न्याय और एकता के सिद्धांतों पर आधारित सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए दुनिया भर के दलों के साथ मिलकर प्रगतिशील सोच को बढ़ावा दे रही है, जो बहुत ही प्रशंसनीय है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी को 160 वर्षों का इतिहास प्राप्त है और कांग्रेस पार्टी भी 100 वर्षों की गौरवशाली परंपरा वाली पार्टी है, जिसने देश को स्वतंत्रता दिलाने और निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ मुलाकात करना हर्ष का विषय है। राहुल गांधी न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रगतिशील विचारधारा के प्रसार में सक्रिय हैं। उनके मार्गदर्शन में हाल ही में हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में 100 से अधिक देशों ने भाग लिया और गरीबी उन्मूलन और प्रगतिशील विचारों पर व्यापक चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि दक्षिणपंथी विचारधारा लोकतांत्रिक मूल्यों को खतरे में डाल रही है और स्वतंत्र विचार व्यक्त किए बिना अपनी राय को जबरन जनता पर थोपने का प्रयास हो रहा है।

इससे न केवल देश बल्कि दुनिया भर में अस्थिरता और तनाव बढ़ रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने जर्मनी की प्रगाढ़ ऐतिहासिक और औद्योगिक ताकत का उल्लेख करते हुए कहा कि विशेष रूप से धातुकर्म क्षेत्र में जर्मनी की विशेषज्ञता विश्व प्रसिद्ध है। भारत इस तकनीक और औद्योगिक विकास को भी स्वागत करता है और राज्य सरकार जर्मनी के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए उत्सुक है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार विजन 2047 योजना पर काम कर रही है, जिसमें राज्य की आर्थिक व्यवस्था को 3 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है।

इसके लिए स्पष्ट योजनाओं के साथ काम किया जा रहा है और राज्य में संसाधन एवं बुनियादी ढांचा पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। बैठक में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सांसद चामल किरण कुमार रेड्डी, मल्लू रवि, बलराम नायक, सुरेश शेटकर, और जर्मनी के प्रतिनिधि डॉ. सबीना, माइक्रो गैंथर, क्रिस्टोफस, मांडवी कुलक्षेत्र, अनुराग शंकर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

# पूर्व एमएलए की अगुवाई में मैराथन धरना

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज उप्पल हिल्स में बीजेपी के पूर्व एमएलए एनवीएसएस प्रभाकर की अगुवाई में मैराथन धरना हुआ। एसटीपी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू करने के लिए जो जगह बताई गई है, वह सही नहीं है क्योंकि यह रेजिडेंशियल एरिया में है। एसटीपी झील या नाले के ऊपर की तरफ बनाया जाना है। नालाचेरुवु भी उस जगह से बहुत दूर है। अगर एसटीपी को मूसी के पास उप्पल ले जाया जाता है, तो प्रोजेक्ट का खर्च अभी बताई गई जगह से आधा हो जाएगा। नरेंद्र मोदी सरकार ने झील और नाले के पानी को साफ करने के लिए अमृत स्कीम के तहत करीब हजार करोड़ रुपये जारी किए थे। उप्पल हिल्स एसटीपी की जगह देखने के बाद फंड का बहुत गलत इस्तेमाल हो रहा है, इसे किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। बीजेपी इस मुद्दों को रोकने के लिए पूरी ताकत से लड़ेगी। धरना शाम 6.30 बजे तक चला और सुबह 10.30 बजे शुरू हुआ। एमडी वाटरवर्क्स के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ। इसमें हजारों लोग शामिल हुए।

## इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च में संविधान दिवस आयोजित

हैदराबाद, 26 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद के आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च में संविधान दिवस आयोजित किया गया। निदेशक डॉ. (श्रीमती) सी. तारा सत्यवती ने सभी कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं को संविधान दिवस की शपथ दिलाई। शपथ के बाद, डायरेक्टर ने स्टाफ और स्टूडेंट्स के ग्रुप को संबोधित किया और संविधान के ऐतिहासिक बैकग्राउंड के साथ-साथ अधिकारों, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इस शुभावसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जारी किए गए संदेश को संक्षेप में बताया। इस दौरान सोलापुर, महाराष्ट्र (रबी ज्वार का सेंटर) और गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान (बाजरा पर आरआरएस) में मौजूद रीजनल स्टेशनों ने भी संविधान दिवस मनाया।

## सिविल डिफ़ेंस प्रशिक्षण शिविर में स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिविल डिफ़ेंस ट्रेनिंग संस्थान, पुरानी हवेली, चेट्टाबाजार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आज 4340 स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। यह संस्थान 1977 से नागरिकों और होमगार्ड्स को आपात परिस्थितियों में सक्षम बनाने का प्रशिक्षण दे रहा है। डीसीपी कार मुख्यालय रक्षिता मूर्ति ने स्वयंसेवकों से उनके शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण में रुचि के बारे में बातचीत की। उन्होंने अनुभव साझा किया कि कई देशों में सैन्य सेवा अनिवार्य होती है, जिससे नागरिक तैयार रहते हैं, और कहा कि प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। प्रशिक्षण में फायर फाइटिंग, आपातकालीन बचाव, फर्स्ट एड, एयर रेड्स और विस्फोटक, तथा नैतिक मूल्यों का प्रशिक्षण शामिल था। प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवक 18 से 45 वर्ष की आयु के नागरिक हैं, जिनकी न्यूनतम शिक्षा 10वीं कक्षा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नागरिकों को युद्ध, प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी हमलों जैसी आपात परिस्थितियों में सक्षम बनाना और जनता का मनोबल बनाए रखना है।

## 'वूमेन्स लीडरशिप समिट 2025' का आयोजन

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई ) 28 नवम्बर को हैदराबाद के केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम में 'वूमेन्स लीडरशिप समिट 2025' का आयोजन करेगी। सुबह 9:30 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित इस समिट का उद्देश्य महिला नेतृत्व का जश्न मनाना, उद्योगों में उनके बढ़ते प्रभाव को उजागर करना और उभरते बदलावक नेताओं का पोषण करना है।

समिट को एक उच्च प्रभाव वाली, पूरे दिन चलने वाली कार्यक्रम के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें तेलंगाना और देश भर से उद्यमी, कॉर्पोरेट नेता, नवप्रवर्तनकर्ता, पेशेवर और छात्र शामिल होंगे। चर्चा के विषयों में नेतृत्व कौशल का विकास, व्यक्तिगत विकास, स्वास्थ्य और कल्याण, आत्मविश्वास, समावेशी कार्यस्थल, महिला संस्थापकों के लिए वित्तीय स्थिरता, प्रौद्योगिकी-संचालित नेतृत्व शामिल है।

मुख्य वक्ताओं में वनिता डातला, खुशबू होड़ा, तान्या चैतन्य, अर्चना नैडू, निसारी महेश, मिशेल डोमिनिका, राधिका युवराज इयंगर, अदिती नंदा शामिल है। सत्रों का संचालन और मॉडरेशन अरुणा रविकुमार, डॉ. नीदा फातिमा हज़ारी, बुलबुल साहा और रशी श्रीवास्तव जैसे प्रमुख नेताओं द्वारा किया जाएगा।

## उत्पीड़न से तंग नवविवाहिता ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले में बुधवार रात एक नवविवाहिता ने कथित उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली। धारूर मंडल की रहने वाली 21 वर्षीय सिरिशा की शादी करीब छह महीने पहले पारगी मंडल के शिव लिंगम से हुई थी। परिजनों के मुताबिक, शादी के बाद से ही शिव लिंगम किसी न किसी बात पर पत्नी को परेशान करता था। परिवार का आरोप है कि लगातार मानसिक प्रताड़ना के कारण सिरिशा अवसाद में चली गई थी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात सामने आई है। परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

# यह टीम शहर की सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होगी : सज्जनार

## हैदराबाद पुलिस ने शुरू किया नया निगरानी प्रोटोकॉल और सुरक्षा टीम

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने आज उन्नत नगर निगरानी प्रबंधन प्रोटोकॉल और 'आपकी सुरक्षा, आपकी जिम्मेदारी' टीम का शुभारंभ किया।

इस पहल का उद्देश्य शहर की सीसीटीवी निगरानी प्रणाली को आधुनिक बनाना और उसकी निरंतर कार्यक्षमता सुनिश्चित करना है। नई सुरक्षा टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर सीसीटीवी और अन्य निगरानी उपकरणों की रखरखाव और मरम्मत करेगी। प्रत्येक जोन में दो टीमें बनाई गई हैं, जो फील्ड दौरे करेंगी और तकनीकी खामियों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए विशेष वाहन और उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। इस प्रोटोकॉल में विभिन्न टीमें तकनीकी निरीक्षण टीम, सहायता केंद्र, भंडार टीम, मरम्मत केंद्र, नागरिक सहयोग प्रभाग और आंकड़ा विश्लेषण टीम शामिल है। ये टीमें उपकरणों की जांच, मरम्मत, आवश्यक पुर्जों की उपलब्धता, डेटा आधारित निर्णय और नागरिकों के सहयोग को सुनिश्चित करेंगी। हैदराबाद पुलिस के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि यह टीम शहर की सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वेच्छा से सीसीटीवी कैमरे दान करके सुरक्षा व्यवस्था में योगदान दें। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी और सभी जोन के अधिकारी उपस्थित रहे। शहर में अब 16,000 पुलिस संचालित सीसीटीवी कैमरे, 50,000 से अधिक सामुदायिक और निजी योगदान वाले कैमरे और 1 लाख 'नेनू सैतम' कैमरे कार्यरत हैं। भविष्य में पुलिस के नियंत्रित उड़नखटोला उपकरण भी निगरानी प्रणाली में शामिल होंगे। इस प्रोटोकॉल से सीसीटीवी प्रणाली की निरंतर कार्यक्षमता बढ़ेगी, तकनीकी विफलताओं में कमी आएगी, घटनाओं के प्रबंधन में सुधार होगा और नागरिकों के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

## इथेनॉल टैंकर-ट्रक टक्कर, चालक की जलकर मौत

महबूबनगर, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार सुबह हनवाड़ा के पिल्लीगुंडु क्षेत्र में एनएच-167 पर इथेनॉल ले जा रहे एक टैंकर और एक अन्य ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद टैंकर में भीषण आग लग गई, जिसमें इथेनॉल टैंकर चालक की जलकर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को बचाकर पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। आग पर काबू पाने के लिए तीन दमकल गाड़ियाँ लगाई गईं और लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद स्थिति नियंत्रित की जा सकी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दुर्घटना इथेनॉल टैंकर चालक की लापरवाही से हुई।

## जन-जागरूकता हेतु सूचनाप्रद आयुर्वेदिक स्टॉल की स्थापना

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एजी कार्यालय, सैफाबाद द्वारा लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा थीम के अंतर्गत आयोजित ऑडिट सप्ताह में प्रधान निदेशक ऑडिट (केंद्रीय), आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए एक प्रदर्शनी स्टॉल स्थापित किया।

इसका आयोजन संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस ज्ञानवर्धक पहल में आगंतुकों को सभी सुविधाएं निशुल्क थीं। प्रदर्शनी में आयुर्वेदिक शोध प्रकाशनों, संदर्भ पुस्तकों और संस्थान द्वारा विकसित वैज्ञानिक साहित्य का व्यापक प्रदर्शन किया गया। तुलसी, नीम, अश्वगंधा और एलोवेरा जैसे औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा, जिसके माध्यम से लोगों को घरेलू स्तर पर स्वास्थ्य संवर्धन और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों से अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण तथा आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परामर्श की सुविधाएं दिनभर सुचारु रूप से संचालित की गईं। आयुर्वेद की मूल अवधारणाओं तथा स्वस्थ आहार-विहार संबंधी जानकारी से देने के लिए पंपलेट, बुकलेट एवं सूचना पत्रक वितरित किए गए।

इसके सफल संचालन में डॉ.वी. सुभोस, सहायक निदेशक (आयु.), डॉ. संतोष एस. माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) तथा संस्थान के कर्मचारियों में के. श्रीनिवास राव, बी. विजय कुमार, जी. मधुसूदन रेड्डी और टी. शेखर का विशेष योगदान रहा।

## पंचायत चुनावों से पहले कई नेता बीआरएस में शामिल

मेदक, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को उस समय बड़ा राजनीतिक झटका लगा जब ग्राम पंचायत चुनावों से ठीक पहले कई प्रमुख नेता बीआरएस में शामिल हो गए। नरसापुर विधायक वी सुनीता लक्ष्मा रेड्डी के साथ पूर्व जेडपीटीसी अंजनेयुलु के नेतृत्व वाले समूह ने गुरुवार को हैदराबाद में वरिष्ठ बीआरएस नेता हरीश राव से उनके आवास पर मुलाकात की और बीआरएस की सदस्यता ग्रहण की।

हरीश राव ने सभी नेताओं को पार्टी स्कार्फ़ पहनाकर स्वागत किया और कांग्रेस पर लोगों को झूठे वादों से गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने छह गारंटियों के तहत 420 वादे करके सत्ता हासिल की थी, लेकिन दो साल गुजरने के बाद भी अधिकांश वादे पूरे नहीं किए गए। पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने गलत फैसलों और अनुभवहीन प्रशासन के चलते राज्य को अंधकार की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ऋतु भरोसा, कर्ज़ माफ़ी, फसल बीमा, बोनस सहित किसान समुदाय से किए गए कई वादों को पूरा करने में विफल रही है।

# यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के हैदराबाद स्थित अंचल कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में कारे भास्कर राव, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। मुंबई स्थित बैंक के केन्द्रीय कार्यालय से राजभाषा विभाग के प्रमुख विवेकानंद ने राजभाषा के कार्य में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस अवसर पर अरविन्द कुमार, उप महाप्रबंधक ने कहा कि तेलंगाना में उसमें भी विशेष रूप से हैदराबाद में हिन्दी भाषा के प्रति लोगों में लगाव और स्वीकार्यता है। विस्तृत चर्चा के बाद समिति ने निर्णय लिया कि कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने में सक्षम करने के लिए नियमित रूप से हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, शाखाओं का निरीक्षण कर राजभाषा अधिकारी कर्मचारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करें, शीघ्र ही कार्यपालकों के लिए साइबर सुरक्षा विषय पर हिन्दी में संगोष्ठी का आयोजन किया जाए। कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त स्टाफ सदस्यों को उन्नत पारंगत पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। देवकान्त पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने स्वागत किया और अनिल जोसेफ जकारिया, सहायक महाप्रबंधक (विधि) ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बंडलागुड़ा स्थित सीरवी समाज वेल्फेयर असोसिएशन समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित 12 दिसंबर को श्री आईमाताजी बडेर की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा के लिए बतौर मुख्य अतिथि बी.आर.एस.पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के.टी. रामाराव को निमंत्रण पत्रिका देकर आमंत्रित करते हुए अध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, सलाहकार जगदीश प्रसाद काग, खंगारराम सेपटा, भगाराम चोयल, शशी कुमार सोलंकी, सुरेश सोलंकी, देवाराम आगलेचा व समाज बन्धु।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की आरती-पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल पद्मकिरण दीया अग्रवाल संध्या रानी अग्रवाल संतोष देवी अग्रवाल विजया रेड्डी सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विनोद कुमार अग्रवाल डकोटिया,प्रवीण कुमार अग्रवाल अशोक अग्रवाल रूंगटा डॉ राधा कृष्ण किशन दास डागा राहुल सिंघल सुभाष अग्रवाल कैलाश दांडू आदि ना भाग लिया।

# पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 155वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 30 नवंबर को

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं हैदराबाद जायसवाल सेवा समिति के सहयोग से 155वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 30 नवंबर को सुबह 10 से 2 बजे तक जियागुड़ा के शांति नगर स्थित श्री श्लोक दि स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी एवं योग्य को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी।सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस.तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। अवसर पर फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर के डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी।

साथ ही श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लिप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। साथ ही किसी रोगी को यदि डायलिसिस की आवश्यकता होगी तो उनके लिए निशुल्क डायलिसिस व्यवस्था की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा।

यदि किसी जरूरतमंद रोगी के पूर्व में रोग से संबंधित स्वास्थ्य रिकार्ड है तो वे भी अपने साथ लाये ताकि उनका गहनता से जांच कर उचित परामर्श दिया जा सके। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, रेवंत जायसवाल, ब.राजेश, रमेश जायसवाल, राधा रमन से संपर्क किया जा सकता है।

## पीएनबी में अंचल प्रबंधक ने कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद अंचल के नव नियुक्त अंचल प्रबन्धक के रूप में श्रीमती वन्दना पाण्डेय, महाप्रबंधक द्वारा पदभार ग्रहण किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने स्टाफ सदस्यों से कहा कि हमारा बैंक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में स्थित अपने 6 मण्डल और 438 शाखाओं के माध्यम से ग्राहकों से निरंतर संपर्क, संवाद एवं उत्कृष्ट सेवा के माध्यम से बैंक के कारोबार को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु प्रतिबद्ध है। मतीपाण्डेय, एक अनुभवी बैंकर हैं जिनका करियर लगभग दो दशक से अधिक का है। अपनी बैंकिंग सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न केंद्रों पर स्थित शाखाओं के साथ ही कॉरपोरेट कार्यालय एवं नियंत्रक कार्यालयों में विभिन्न दायित्वों को संभाला है।

# प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

## ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ...

जो पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य द्वारा इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित अश्लील कंटेंट से जुड़े एफआईआरों को चुनौती देने के लिए दायर की गई हैं। इससे पहले बेंच ने ऑनलाइन अश्लीलता के खिलाफ दिशानिर्देशों पर विचार करने के लिए इस मामले के दायरे को बढ़ा दिया था। गुरुवार को इस मामले में सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार ने नए दिशानिर्देश प्रस्तावित किए हैं। स्टेकहोल्डर्स (हितधारकों) के साथ परामर्श की प्रक्रिया चल रही है।

**कोई न कोई तो जवाबदेह होना चाहिए :**

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि मुद्दा केवल अश्लीलता तक सीमित नहीं है, बल्कि यूजर्स द्वारा बनाए गए कंटेंट लोग अपने यूट्यूब चैनलों या अन्य प्लेटफॉर्म्स पर पब्लिश करते हैं। चीफ जस्टिस ने आश्चर्य जताया कि ऐसे कंटेंट क्रिएटर्स पर कोई रेग्युलेशन नहीं है? चीफ जस्टिस ने कहा कि अपना खुद का चैनल बना लूं और मैं किसी के प्रति जवाबदेह न रहूं? ऐसा कैसे हो सकता है? कोई न कोई तो जवाबदेह होना चाहिए। अदालत ने मीडिया संस्थानों द्वारा अपनाए जा रहे सेल्फ रेग्युलेशन मॉडल की प्रभावशीलता पर असंतोष जताया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है लेकिन यह विकृति का कारण नहीं बन सकती। सीजेआई ने कहा कि यदि किसी कार्यक्रम में एडल्ट कंटेंट है, तो पहले से चेतावनी अवश्य दी जानी चाहिए।

**ये नियम कई याचिकाओं में दिए गए हैं चुनौती :**

सीनियर एडवोकेट अमित सिब्बल, जो इंडियन ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल फाउंडेशन (जिसमें नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म शामिल हैं) की ओर से पेश हुए, ने बताया कि 2021 के सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमों के रूप में पहले से ही नियमन मौजूद है। ये नियम कई याचिकाओं में चुनौती दिए गए हैं, जिन्हें दिल्ली हाई कोर्ट स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ प्रावधानों पर रोक के बावजूद ओटीटी प्लेटफॉर्म स्वेच्छा से डिजिटल मीडिया आचार संहिता का पालन कर रहे हैं जैसे सामग्री की श्रेणी, प्रकृति और आयु-आधारित वर्गीकरण बताना।

## 10 राज्यों में ...

सूत्रों के अनुसार, ईडी इस कार्रवाई के जरिए कॉलेज प्रशासन और सरकारी अधिकारियों के बीच कथित भ्रष्टाचार नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने लाना चाहती है। यह कार्रवाई देशभर में मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच का फोकस न केवल संस्थागत परिसरों पर है, बल्कि व्यक्तिगत परिसरों पर भी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस तरह से रिश्वत और गोपनीय जानकारी का आदान-प्रदान किया गया। जल्द ही इस मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# डब्ल्यूपीएल नीलामी : खिलाड़ियों में सबसे महंगी रहीं दीप्ति शर्मा

## 3.2 करोड़ की बोली लगी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सत्र के लिए हुई मेगा नीलामी में मार्की खिलाड़ियों में भारत की दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं। दीप्ति को लेने के लिए शुरुआत में सिर्फ दिल्ली ने रुचि जताई, लेकिन यूपी वारियर्स ने राइट टू मैच (आरटीएम) का इस्तेमाल किया जिसके बाद दिल्ली ने दीप्ति का भाव बढ़ा दिया। हालांकि, यूपी ने इसे स्वीकार किया।

मेगा नीलामी में सबसे पहले मार्की खिलाड़ियों की बोली लगी। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली नीलामी में उतरीं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। हालांकि, पहली बार में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा और वह अनसोल्ड रहीं। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन दूसरे नंबर पर आईं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। डिवाइन के लिए टीमों ने रुचि जताई जिनमें आरसीबी और गुजरात के बीच शामिल रहीं। इन दोनों फ्रेंचाइजी के बीच डिवाइन को लेने की होड़ दिखी। बीच में दिल्ली कैपिटल्स भी दौड़ में शामिल हुई। गुजरात ने दो करोड़ रुपये की बोली लगाई और दिल्ली-आरसीबी पीछे हट गईं। डिवाइन को गुजरात जाएंट्स ने दो करोड़ रुपये में खरीदा।

भारत की दीप्ति शर्मा नीलामी में उतरीं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। उम्मीद की जा रही थी कि दीप्ति के लिए बड़ी बोली लगेगी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें आधार मूल्य पर लेने की इच्छा जताई। दीप्ति के लिए दिल्ली के अलावा किसी टीम ने रुचि नहीं जताई। हालांकि, यूपी वारियर्स ने राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल किया। दिल्ली ने यूपी के सामने दीप्ति को लेने के लिए 3.2 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा और यूपी वारियर्स ने दिल्ली का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। इस तरह यूपी ने दीप्ति को आरसीटीएम के जरिये 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। यूपी ने नीलामी से पहले दीप्ति को रिलीज कर दिया था। लेकिन अब एक बार फिर वह डब्ल्यूपीएल में यूपी वारियर्स का प्रतिनिधित्व करेंगी।

दीप्ति के बाद अमेलिया केर आईं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। अमेलिया को लेने के लिए मुंबई इंडियंस और यूपी वारियर्स में जंग चली। मुंबई ने अमेलिया के लिए तीन करोड़ रुपये की बोली लगाई। इस तरह अमेलिया को मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में शामिल कराया। भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर आईं जिनका आधार मूल्य 40 लाख रुपये था। रेणुका को गुजरात जाएंट्स ने 60 लाख रुपये में खरीदा। सोफी एक्लेस्टोन का आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। दिल्ली कैपिटल्स ने एक्लेस्टोन की 85 लाख रुपये की बोली लगाई। लेकिन यूपी वारियर्स ने फिर आरटीएम का इस्तेमाल किया। दिल्ली ने यूपी के सामने 85 लाख रुपये का ही प्रस्ताव रखा जिसे यूपी वारियर्स ने स्वीकार किया। इस तरह यूपी ने आरटीएम के जरिये एक्लेस्टोन को टीम में दोबारा शामिल किया।

**लेनिंग के लिए दिल्ली-यूपी के बीच दिखी होड़**

मेग लेनिंग का आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। उन्हें लेने के लिए दिल्ली और यूपी के बीच होड़ देखने मिली। यूपी ने 1.90 करोड़ रुपये की बोली लगाई और दिल्ली पीछे हट गई। यूपी ने इस तरह लेनिंग को खरीदा। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लॉरा वोलवार्ट का आधार मूल्य 30 लाख रुपये था। आरसीबी ने वोलवार्ट के लिए बोली की शुरुआत की और दिल्ली भी उन्हें लेने के लिए दौड़ में शामिल हुई। आरसीबी ने 90 लाख रुपये की बोली लगाई और दिल्ली पीछे हट गई, लेकिन जल्द ही तुरंत बोली में शामिल हुई। दिल्ली कैपिटल्स ने आखिर में वोलवार्ट को 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा।

# 19 साल के जवोखिमीर सिनदारोव ने रचा इतिहास

## सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व कप चैंपियन बने

गोवा, 27 नवंबर (एजेंसियां)। उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जवोखिमीर सिनदारोव ने इतिहास रचते हुए चीन के वेई यी को फाइनल में हराकर फिडे चेस विश्व कप अपने नाम कर लिया। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए।

**कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी किया क्वालिफाई**

सिनदारोव की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि वे इस मेगा इवेंट में 16वीं सीड के रूप में उतरे थे। वह पिछले एक साल में बड़ी चेस प्रतियोगिताओं को जीतने वाले तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए। 2024 में गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप जीती थी, जबकि दिव्या देशमुख ने इस साल महिला चेस विश्व कप खिताब अपने नाम किया था। सिनदारोव और वेई यी दोनों ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इनके अलावा रूस के आंद्रे एसिपेंको ने तीसरा और अंतिम स्लॉट हासिल किया।

# भारत की पहुंच से और दूर हुआ डब्ल्यूटीसी फाइनल

## जीतने होंगे 9 में से 7 मैच

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका के हाथों 0-2 से क्लीन स्वीप होने के बाद भारत आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में पाकिस्तान से नीचे पहुंच गया है। पाकिस्तान 50% पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि भारत 48.15% पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गया।

साउथ अफ्रीका ने भारत को दूसरी पारी में 140 रन पर समेट दिया और 408 रन से जीत दर्ज की। यह भारत की टेस्ट में रन के अंतर से सबसे बड़ी हार रही। इस जीत के साथ अफ्रीकी टीम ने डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल के दूसरे नंबर पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

**भारत के फाइनल में पहुंचने के चांस**

| सिनेरियो | पॉइंट्स | टोटल पॉइंट्स | पॉइंट पर्सेंटेज |
|---|---|---|---|
| सभी 9 मैच जीते | 108 | 160 | 74.1% |
| 7 जीत, 1 ड्रॉ, 1 हार | 88 | 140 | 64.8% |
| 7 जीत, 0 ड्रॉ, 2 हार | 84 | 136 | 62.9% |
| 6 जीत, 2 ड्रॉ, 1 हार | 80 | 132 | 61.1% |
| 6 जीत, 1 ड्रॉ, 2 हार | 76 | 128 | 59.3% |

नोट- WTC में एक मैच जीतने पर 12 और ड्रॉ करने पर 4 पॉइंट्स मिलते हैं। हारने पर कोई पॉइंट नहीं मिलता।

भारत अब तक 9 मैच खेल चुका हैं। इसमें उसके 4 जीत और एक ड्रॉ के साथ 52 पॉइंट्स हैं।

**फाइनल में पहुंचने के लिए 9 टेस्ट में से 7 जीत जरूरी**

भारत को इस डब्ल्यूटीसी साइकल में 18 टेस्ट खेलने हैं। टीम 9 खेल चुकी हैं और अभी 9 टेस्ट मैच बाकी हैं। भारत के पास 48.15% परसेंटेज पॉइंट्स हैं।

पिछले डब्ल्यूटीसी साइकल को देखें तो फाइनल में पहुंचने के लिए आमतौर पर 55%-65% के बीच का पॉइंट्स चाहिए होते हैं। इसका मतलब है कि भारत को बचे हुए 9 टेस्ट में कम से कम 6 या 7 जीत जरूरी होगी। कुछ मैच ड्रॉ खेलने से भी भारत को फायदा हो सकता है, लेकिन 3 से ज्यादा मैच हारने पर टीम बाहर हो जाएगी।

**एक भी सीरीज हारने का जोखिम नहीं उठा सकता भारत**

गणित के हिसाब से भारत फाइनल रेस में अभी भी बना हुआ है। लेकिन गुवाहाटी की हार ने भारत की राह बेहद कठिन कर दी है। अब एक और खराब सीरीज हुई, तो अंत में चाहे घरेलू मैदान पर प्रदर्शन कितना भी अच्छा हो। 2027 फाइनल का टिकट बचाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। भारत की अब डब्ल्यूटीसी में 3 सीरीज बची हैं। साउथ अफ्रीका के बाद टीम 2027 में घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया से 5 टेस्ट खेलेगी। वहीं न्यूजीलैंड और श्रीलंका में 2-2 टेस्ट की सीरीज होगी।

**साउथ अफ्रीका चैंपियन, भारत 2 बार फाइनल हारा**

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप को आईसीसी ने 2019 में शुरू किया। इसमें 9 टीमों को 6 टीमों के खिलाफ 2 से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होती हैं। इनमें 3 अपने घर और 3 सीरीज विदेश में रहती हैं। सभी टीमों के मैच खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप-2 पोजिशन पर रहने वाली टीमों के बीच फाइनल होता है।

भारत ने 2021 और 2023 में 2 बार फाइनल में जगह बनाई, लेकिन टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताबी मुकाबला हार गई। साउथ अफ्रीका ने 2025 में फाइनल खेला और टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर चैंपियन भी बनी।

## लोगों को खुश करने के लिए मत खेलो

# गौतम गंभीर ने हार के बाद ऋषभ पंत पर उठाए सवाल?

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत को शर्मनाक हार मिली। टीम 0-2 से टेस्ट सीरीज हार गई। पिछली तीन में से दो टेस्ट सीरीज में उसका क्लीन स्वीप हो गया है। इस हार के बाद से हाहाकार सा मचा हुआ है लोग हेड कोच गौतम गंभीर को सबसे ज्यादा कोस रहे हैं। हार के बाद गौतम गंभीर ने इस हार की जिम्मेदारी ली और कहा कि ये पूरी टीम की हार है। हालांकि उन्होंने मीडिया से बातचीत में इशारों ही इशारों में ऋषभ पंत पर निशाना साध दिया। गौतम गंभीर ने यहां तक कह दिया कि कुछ खिलाड़ियों को लोगों को खुश करने की जगह टीम के लिए खेलना चाहिए।

**गौतम का पंत पर 'गंभीर' बयान**

भारतीय कोच गौतम गंभीर ने दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका से मिली 408 रन की करारी हार के बाद किसी एक खिलाड़ी को दोष नहीं दिया लेकिन इतना जरूर साफ कर दिया कि वो ऋषभ पंत के आउट होने के तरीके से बेहद खफा थे। भारत एक विकेट पर 95 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था लेकिन इसके बाद टीम ने लगातार विकेट गंवा दिए और स्कोर सात विकेट पर 122 रन हो गया जिसमें मार्को यानसन की गेंदबाजी अहम रही। पंत ने यानसन पर आक्रामक होकर खेलने की कोशिश की जबकि उस वक्त उन्हें संयम दिखाने की जरूरत थी और इसी शॉट को सबसे खराब माना जा रहा है।

मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में गंभीर से पूछा गया कि क्या उन्हें पंत से बेहतर की उम्मीद थी तो उन्होंने कहा, 'आप किसी एक शॉट या किसी एक खिलाड़ी को दोष नहीं दे सकते। मैं कभी भी किसी एक खिलाड़ी पर बात नहीं करता, आज भी नहीं करूंगा। लेकिन सबसे जरूरी ये है कि गैलरी को खुश करने के लिए नहीं खेलना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर आप मैदान में जाकर हमेशा खुद को टीम से आगे रखेंगे, कहेंगे कि मैं ऐसे ही खेलता हूं और मेरे पास प्लान बी नहीं है तो बैटिंग ऑर्डर इसी तरह ढहता रहेगा।'

**ऋषभ पंत हार के बाद क्या बोले?**

ऋषभ पंत ने माना कि टीम इंडिया ने खराब प्रदर्शन किया और वो काफी निराश हैं। पंत ने कहा कि साउथ अफ्रीका ने काफी अच्छा खेल दिखाया।

पंत ने कहा, 'हमें इससे सीख लेकर एक टीम के तौर पर आगे बढ़ना होगा। हमें अपनी मानसिकता स्पष्ट रखनी होगी। हमें इससे सीखना होगा और बेहतर बनना होगा।'

# गौतम गंभीर पर भड़कने वालों को सुनील गावस्कर ने दिखाया आईना, बताया शर्मनाक हार के लिए कौन जिम्मेदार

मुंबई, 27 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के हाथों दो मैचों की टेस्ट सीरज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। गुवाहाटी में टीम का बैटिंग ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। 25 साल बाद प्रोटियाज टीम भारत की सरजमीं पर टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही। हार के बाद इंडियन क्रिकेट में हाहाकार मच गया है। हेड कोच गौतम गंभीर हर किसी के निशाने पर आ गए हैं और उन्हें हटाने की मांग की जा रही है।

हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर गंभीर के सपोर्ट में उतरे हैं। गावस्कर का कहना है कि क्या चैंपियंस ट्रॉफी या फिर एशिया कप का खिताब जीतने के लिए गंभीर को क्रेडिट दिया गया था, जो हार के लिए सिर्फ उन्हें जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

गंभीर के सपोर्ट में उतरे

गावस्कर

सुनील गावस्कर ने इंडिया टुडे के साथ बातचीत करते हुए कहा, "गंभीर कोच हैं। कोच सिर्फ टीम तैयार कर सकता है, लेकिन मैदान पर प्लेयर्स को प्रदर्शन करके दिखाना होता है। जो लोग इस हार के लिए गंभीर को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं उन सभी से मेरा सवाल है कि गंभीर की अगुवाई में टीम इंडिया ने जब चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी तब आपने क्या किया था? आपने क्या किया जब भारतीय टीम ने उनकी देखरेख में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया? अब आप कह रहे हैं कि उनको पोजीशन से हटा दीजिए। क्या आपने तब कहा था कि गंभीर के कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ा देना चाहिए और उन्हें वनडे और टी-20 का हमेशा के लिए कॉन्ट्रैक्ट दे देना चाहिए? आपने ऐसा कुछ भी नहीं कहा। जब टीम खराब प्रदर्शन करती है तभी आपकी नजर कोच पर जाती है।"

**टीम इंडिया को मिली सबसे बड़ी हार**

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब टीम इंडिया को किसी टेस्ट मैच में 350 से ज्यादा रनों के अंतर से हार का मुंह देखना पड़ा है। दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने भारतीय टीम को 408 रनों से रौंद डाला। रनों के लिहाज से यह भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी हार रही।

# वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 350 स्ट्राइक रेट से ठोके रन

## फिर भी टीम को मिली हार

इंदौर, 27 नवंबर (एजेंसियां)। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 की शुरुआत हो चुकी है और 14 साल के स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने टूर्नामेंट का धमाकेदार आगाज किया। आईपीएल 2025 और राइजिंग स्टार्स एशिया कप में तूफानी शतक के बाद वैभव का एसएमएटी में भी विस्फोटक बल्लेबाजी देखने को मिला। चंडीगढ़ के खिलाफ अपने पहले मैच में उन्होंने बिहार के लिए 350 के स्ट्राइक रेट से रन ठोके और सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा।

**वैभव सूर्यवंशी ने 350 स्ट्राइक रेट से बनाए रन**

चंडीगढ़ के खिलाफ मैच में वैभव सूर्यवंशी ने मैदान पर उतरते ही धमाकेदार बल्लेबाजी की और पारी की पहली तीन गेंदों में उन्होंने दो छक्के और एक डबल लगाकर 14 रन कूट डाले। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 350 का रहा। लेकिन वैभव का यह आक्रामक शुरुआत ज्यादा देर नहीं चला और उनकी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के साथी खिलाड़ी संदीप शर्मा ने चौथी ही गेंद पर उन्हें LBW कर पवेलियन भेज दिया। बिहार के कप्तान सकीबुल गनी के साथ ओपनिंग करने उतरे वैभव ने 4 गेंदों पर 14 रन बनाए।

**बिहार को चंडीगढ़ के हाथों मिली हार**

वहीं, मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने 20 ओवर में 7 विकेट पर सिर्फ 157 रन बनाए थे। कप्तान गनी और बिपिन सौरभ दोनों ने 36-36 रन की पारी खेली।

बिहार के बल्लेबाज तेजी रन नहीं बना सके और टीम का स्कोर 160 तक भी नहीं पहुंच पाया। वहीं, चंडीगढ़ के लिए राज अंगद बावा ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट चटकाए। जबकि संदीप शर्मा ने 2 विकेट लिए, लेकिन 4 ओवर में 48 रन लुटा दिए। वहीं, 158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडीगढ़ टीम को मनन वोहरा और अर्जुन आजाद ने दमदार शुरुआत दिलाई।

दोनों ने पहले विकेट के लिए 72 रन जोड़े और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वोहरा ने 50 रन की पारी खेली, जबकि अर्जुन ने 21 गेंद पर 31 रन बनाए। इनके बाद, राज बावा ने बल्लेबाजी में भी कमाल करते हुए 22 गेंद पर 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

चंडीगढ़ ने 18।4 ओवर में ही 160 रन बनाकर मैच 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। बता दें कि, अब अगले मैच में चंडीगढ़ 28 नवंबर को गोवा से भिड़ेगा, जबकि बिहार की टीम मध्य प्रदेश से मुकाबला करेगी।

# पर्थ टेस्ट की पिच आईसीसी से 'वेरी गुड' रेटेड: दो दिन में एशेज का पहला मुकाबला खत्म हो गया था; पहले दिन 19 विकेट गिरे

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ में खेले गए एशेज टेस्ट की पिच को आईसीसी ने 'वेरी गुड' रेटिंग दी है। यह मैच सिर्फ दो दिनों में खत्म हो गया था और पहले ही दिन 19 विकेट गिर गए थे।

मैच रेफरी रंजन मदुगल्ले की रिपोर्ट में कहा गया कि पिच पर गेंद अच्छी तरह बैट तक पहुंच रही थी, ज्यादा मूवमेंट नहीं था और उछाल भी एक जैसा रहा। इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को बराबर मौका मिला।

सीरीज के 137 सालों के इतिहास में पहली बार कोई मुकाबला सिर्फ 2 दिनों के अंदर ही खत्म हो गया था। यह ऑस्ट्रेलिया में खेला गया दूसरा सबसे छोटा पूरा हुआ टेस्ट (847 गेंदों में) रहा और 1888 के बाद से सबसे छोटा एशेज टेस्ट बना। पर्थ टेस्ट को ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीत लिया था।

इस मैच को के इतनी जल्दी खत्म होने के बाद पर्थ टेस्ट की पिच को लेकर पूरे वर्ल्ड क्रिकेट में इसको चर्चा की जा रही थी। सभी को आईसीसी की रेटिंग का भी इंतजार था।

इस मैच में पहले दिन से ही तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा। पहले ही दिन कुल 19 विकेट गिरे थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल ने इंग्लैंड की पहली पारी में 58 रन देकर 7 विकेट झटके। डेब्यू कर रहे ब्रेंडन डॉगेट को 2 विकेट मिले, जबकि स्कॉट बोलैंड को 1 विकेट मिला।इंग्लैंड की ओर से बेन स्टोक्स ने 5 विकेट लिए। उनके अलावा ब्रायडन कार्स और जोफ्रा आर्चर को दो-दो विकेट हासिल हुए।

पहले दिन इंग्लैंड चाय तक 160/5 पर था, लेकिन सेशन समाप्त होने से पहले ही टीम 172 रन पर ढह गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पारी भी लड़खड़ा गई और दिन के अंत तक उनका स्कोर 123/9 था।

**दूसरे दिन 13 विकेट गिरे, हेड ने शतक जमाया**

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के 3 और इंग्लैंड के 10 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने 129 से आगे खेले हुए पहली पारी में 132 रन ही बना सकी। वहीं इंग्लैंड की दूसरी पारी चाय तक 164 रन पर खत्म हो गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्कॉट बोलैंड ने चार विकेट लिए।

इसके अलावा ब्रेंडन डॉगेट और मिचेल स्टार्क ने 3-3 विकेट लिए। 205 रन का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 29 ओवर में हासिल कर लिया। उस्मान ख्वाजा की चोट के कारण ट्रैविस हेड को ओपनिंग में भेजा गया और उन्होंने 83 गेंदों पर 123 रन की आक्रामक पारी खेली और मार्नस लाबुशेन ने नाबाद 31 रन की पारी खेली।

# मोहम्मद सिराज को 4 घंटे करना पड़ा इंतजार तो फूट पड़ा गुस्सा, सरेआम सुनाई खरी-खोटी

गुवाहाटी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया को अपने घर में एक और टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। गुवाहाटी टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका के हाथों 408 रन के अंतर से मिली सबसे बड़ी और शर्मनाक शिकस्त के साथ ही सीरीज में भारतीय टीम का 0-2 से सूपड़ा साफ हो गया। टीम इंडिया के प्रदर्शन से फैंस गुस्से में हैं और खिलाड़ियों पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं इस सीरीज में भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे मोहम्मद सिराज एक अलग वजह से चर्चा में हैं क्योंकि उन्होंने सरेआम अपने गुस्से का इजहार किया है। उनका ये गुस्सा फूटा है एक एयरलाइन पर, जिससे उन्हें गुवाहाटी से अपने शहर हैदराबाद के लिए निकलना था।

बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच खत्म हुआ। ये इस मैच का आखिरी दिन भी था, इसलिए मैच खत्म होने के साथ ही सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ अपने-अपने घरों के लिए या वनडे सीरीज के लिए रवाना हो गए। तेज गेंदबाज सिराज भारत-साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए वो टेस्ट सीरीज खत्म होने के साथ ही अपने घर हैदराबाद लौटने लगे। मगर यहीं उनको एयरलाइन के कारण मुश्किल का सामना करना पड़ा।

असल में गुवाहाटी से हैदराबाद के लिए जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की जिस फ्लाइट में सिराज को जाना था, वो 4 घंटे लेट हो गई और इसके चलते सिराज बुरी तरह भड़क गए। भारतीय पेसर ने 'एक्स' अकाउंट पर अपने गुस्से का इजहार करते हुए एयरलाइन को खरी-खोटी सुनाई। सिराज ने रात 11:33 बजे की अपनी पोस्ट में लिखा, "गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया फ्लाइट 9-2884 को 7:25 पर निकलना था लेकिन एयरलाइन की तरफ से कोई भी जानकारी नहीं दी गई है और बार-बार पूछने पर उन्होंने बिना किसी वजह के फ्लाइट डिले कर दी है।"

# औद्योगिक नीति पर झूठे प्रचार से सावधान रहने की चेतावनी : मंत्री उत्तम

## 'मंत्रियों के साथ आमने-सामने' कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार चाहे जितना अच्छा काम करे या विकास गतिविधियाँ शुरू करे, विपक्षी दल हंगामा खड़ा कर देते हैं और उस पर कीचड़ उछालने की कोशिश करते हैं। गुरुवार को गांधी भवन में आयोजित 'मंत्रियों के साथ आमने-सामने' कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंत्री ने जनता से आवेदन प्राप्त किए और विभिन्न शिकायतों पर अधिकारियों के साथ बातचीत की।

बाद में गांधी भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि औद्योगिक नीति को लेकर झूठा प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस नीति का उद्देश्य हैदराबाद को प्रदूषण-मुक्त शहर बनाना है। उन्होंने कहा, इस नीति में किसी भी तरह के घोटाले की कोई गुंजाइश नहीं है। सरकार द्वारा लागू की गई यह नीति पूरी तरह पारदर्शी है।' उन्होंने कहा कि बीजेपी और बीआरएस के नेता इस नीति को समझ नहीं पाए हैं और सुझाव दिया कि उन्हें पहले इसे पूरी तरह समझ लेना चाहिए। मंत्री ने कहा कि विपक्ष जानबूझकर सरकार पर कीचड़ उछाल रहा है, जबकि उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी तरह का भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। सरकार की अच्छी पहल पर जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया को बर्दाश्त न कर पाने के कारण वे दुर्भावनापूर्ण प्रचार कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि हैदराबाद को प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए उद्योगों को बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के बाहर स्थानांतरित करने की मांग काफी समय से चली आ रही है और यह कोई नई मांग नहीं है। उन्होंने कहा, यह कोई नई नीति नहीं है जो हमने बनाई हो; यह पहले भी मौजूद थी। लेकिन विपक्षी दल ऐसा बर्ताव कर रहे हैं मानो हमने कुछ बिल्कुल नया पेश किया हो और बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि बीआरएस सरकार के समय भी इस नीति पर चर्चा हुई थी। उन्होंने बीआरएस पार्टी द्वारा यह कहे जाने पर कटाक्ष किया कि यदि वे सत्ता में आती है तो इस नीति को बदल देगी। उन्होंने कहा, वे सत्ता में आने नहीं वाले, और नीति भी नहीं बदली जाएगी।'

मंत्री ने कहा कि वे औद्योगिक नीति के निर्माण में शामिल रहे हैं और नई नीति राज्य के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष कांग्रेस सरकार के हर काम का सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध कर रहा है। बीआरएस द्वारा बिजली संयंत्रों के निर्माण में 50,000 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोपों का जिक्र करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि 50,000 रुपए का घोटाला भी नहीं हुआ है, 50,000 करोड़ की बात तो दूर है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासनकाल में निर्मित भद्राद्री कोठागुडेम पावर प्रोजेक्ट स्वयं एक बड़ा घोटाला था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने इंडिया बुल्स नामक कंपनी से बेकार और पुराना उपकरण खरीदकर सब-क्रिटिकल तकनीक से संयंत्र का निर्माण कराया, जिससे वह लगभग बेकार हो गया। उन्होंने पूछा कि भद्राद्री परियोजना के लिए पुरानी और बेकार तकनीक का उपयोग क्यों किया गया और इसकी आलोचना की कि यह तेलंगाना की जनता पर अनावश्यक बोझ था।

# 'तेलंगाना राइजिंग-2047' नीति दस्तावेज पर सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

## मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना की विकास नीति और भविष्य की योजना को दर्शाने वाले 'तेलंगाना राइजिंग-2047' नीति दस्तावेज़ पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए कि नीति दस्तावेज़ राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति दस्तावेज़ में 2034 तक तेलंगाना को 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने के लिए स्पष्ट रोडमैप शामिल होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्य की आर्थिक विकास योजना को तीन क्षेत्रों में कोर अर्बन रीजन इकॉनमी (सीयूआरई), पेरी अर्बन रीजन इकॉनमी (पीयूआरई), रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकॉनमी (आरएआरई) विभाजित किया जाए। इन तीन क्षेत्रों में प्रत्येक क्षेत्र में कौन-कौन से विकास कार्य होंगे, इसे नीति दस्तावेज में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में विकास की योजनाएं शामिल हों। इसके अलावा, बुनियादी ढांचा जैसे सड़क, बंदरगाह और कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि नीति दस्तावेज़ में कल्याण, मंदिर पर्यटन, इको टूरिज्म, ऊर्जा विभाग और प्रत्येक विभाग से संबंधित स्पष्ट दिशा-निर्देश मौजूद होने चाहिए। तेलंगाना की नीति और भविष्य की योजनाओं को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित करने वाला दस्तावेज तैयार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि नए बनाए जाने वाले हवाई अड्डों में केवल यात्री सेवाएं ही नहीं, बल्कि कार्गो सेवाओं की भी सुविधा सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही, सभी योजनाओं और डिज़ाइनों में वास्तविक दृष्टिकोण और व्यवहारिकता दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना में नीति में जमीनी बाधाएं या 'पॉलिसी पैरालिसिस' नहीं होने चाहिए और सभी निर्णय ठोस और कार्यान्वयन योग्य हों।

# राचकोंडा पुलिस का महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान, 110 गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सीपी जी. सुधीर बाबू ने बताया कि महिलाओं को परेशान करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे निर्भय होकर शिकायतें दर्ज कराएं। उन्होंने बताया कि राचाकोंडा शी टीम बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, स्कूल, कॉलेज, सब्जी मंडी और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मुस्तैदी से डिकॉय ऑपरेशंस चला रही है। महिलाओं और बालिकाओं का पीछा करके उन्हें परेशान करने वालों को पकड़कर सबूतों सहित अदालत में पेश किया जा रहा है और उनके माता-पिता की मौजूदगी में काउंसलिंग भी की जा रही है। राचाकोंडा महिला सुरक्षा विंग और शी टीम के नेतृत्व में आज कैंप कार्यालय में ईव-टीजिंग करने वालों की काउंसलिंग की गई। कमिश्नरेट क्षेत्र में महिलाओं को परेशान करने वाले कुल 110 व्यक्तियों (74 बालिग, 36 नाबालिग) को एलबी नगर वुमन सेफ्टी ऑफिस में काउंसलिंग दी गई। 1 से 15 तारीख तक कुल 135 शिकायतें प्राप्त हुईं। डिसीपी (महिला सुरक्षा) टी. उषा रानी ने बताया कि इनमें 34 शिकायतें फोन पर, 48 सोशल मीडिया पर और 53 सीधे तौर पर की गई छेड़छाड़ से संबंधित थीं। 1 से 15 तारीख के बीच शी टीम राचाकोंडा ने कुल 49 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लगभग 7,481 लोगों को महिला सुरक्षा कानूनों, अधिकारों और सावधानियों के बारे में बताया गया। शी टीम ने मेट्रो ट्रेनों में भी डिकॉय ऑपरेशंस चलाए और महिला कोच में अवैध रूप से यात्रा कर रहे 8 पुरुषों को पकड़कर उन पर मेट्रो अधिकारियों के जरिए जुर्माना लगवाया। इस कार्यक्रम में डीसीपी टी. उषा रानी, एसीपी पल्ले वेंकटेश्वरलु, इंस्पेक्टर एम. मुनि, जी. अंजैया, एडमिन एसआई राजू, शी टीम के कर्मचारी और काउंसलर्स शामिल हुए।

# कंबोडिया कनेक्शन वाले साइबर धोखाधड़ी गिरोह के 14 सदस्य गिरफ्तार

भीमावरम, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने कंबोडिया से संचालित एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन पर 75 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रोफेसर से व्हाट्सएप कॉल के जरिए 78 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने का आरोप है। इसकी जानकारी पश्चिम गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक अदनान नईम असमी ने गुरुवार को दी। घोटालेबाजों ने 17 नवंबर को खुद को बेंगलुरू पुलिस अधिकारी बताकर पीड़ित से संपर्क किया और सुप्रीम कोर्ट का एक फर्जी दस्तावेज दिखाकर उन्हें डराया। पुलिस के अनुसार, यह ठगी कार्ड डील नाम की नई तकनीक के जरिए की गई, जिसमें भारतीय सहयोगियों के माध्यम से नियंत्रित बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर कराया जाता था। भीमावरम सब-डिवीजन की पुलिस टीमों ने कई जिलों में छापेमारी कर गन्नावरम और विजयवाड़ा के पास से इन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

### हैदराबाद में औद्योगिक भूमि आवंटन पर विवाद तेज

# बीआरएस का आरोप-कांग्रेस ने रेवंत रेड्डी के रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई नई नीति

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार की नई औद्योगिक भूमि हस्तांतरण नीति (एचआईएलटीपी) को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि नई नीति गैर-औद्योगिक उद्देश्यों के लिए बेशकीमती सरकारी भूमि आवंटित करने का माध्यम बन गई है और इसका सबसे बड़ा लाभ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के लगभग 40 परिजनों तथा करीबी सहयोगियों को मिल रहा है।

तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए रेड्डी ने मांग की कि सरकार तुरंत सभी लाभार्थियों के नाम सार्वजनिक करे। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग जानना चाहते हैं कि आखिर किन व्यक्तियों के लिए सरकार ने हजारों करोड़ की सार्वजनिक संपत्ति जोखिम में डालने का साहस किया। रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार एक ओर मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना के नाम पर हजारों गरीब परिवारों के घर तोड़ रही है, जबकि दूसरी ओर उन्हीं रेवंत रेड्डी के करीबी लोगों को बेहद सस्ती दरों पर कीमती औद्योगिक भूमि आवंटित की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने ऐसी भूमि को कभी निजी लाभ के लिए नहीं दिया और इसे पार्क, अस्पताल व सार्वजनिक सुविधाओं के लिए सुरक्षित रखा। बीआरएस नेता ने चेतावनी दी कि सत्ता में वापसी होने पर अवैध रूप से हस्तांतरित सभी भूमि को वापस लिया जाएगा और जिम्मेदार लोगों को छोड़ा नहीं जाएगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार एचआईएलटीपी के तहत सभी आवंटियों की सूची तत्काल जारी करे। रेड्डी ने आरोप लगाया कि यह नीति हैदराबाद की हजारों एकड़ सरकारी भूमि को कौड़ियों के दाम पर सौंपने का सबसे बड़ा माध्यम बन गई है। नचाराम और बालानगर जैसे क्षेत्रों में जहां बाजार दर लगभग 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ग गज है और ओआरआर के पास भूमि की कीमत 137 करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच चुकी है, वहां सरकार मात्र 10,000 रुपये प्रति वर्ग गज की दर से भूमि आवंटित कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे सरकार को प्रति एकड़ 50-70 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व का नुकसान हो रहा है, जबकि चुनिंदा लाभार्थियों को प्रति एकड़ लगभग 30 करोड़ रुपये का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने नीति को जल्दबाजी में लागू करने और आवेदन अवधि केवल सात दिन तथा भुगतान की समयसीमा 45 दिन रखने को 'सार्वजनिक संपत्ति लूटने वालों की गति' बताया। कांग्रेस सरकार ने इस नीति का बचाव यह कहते हुए किया है कि इसका उद्देश्य ठप पड़े उद्योगों को पुनर्जीवित करना और रोजगार सृजन करना है। लेकिन बीआरएस का आरोप है कि इस नीति के जरिए 'दुनिया का सबसे बड़ा जमीन घोटाला' किया जा रहा है और इसे ऐतिहासिक पहल बताने वाले नेता वास्तव में 'जमीन घोटाले की पहल' चला रहे हैं।

# हैदराबाद बीआरएसवी प्रेरणादायक गीत का अनावरण

## > छात्र शक्ति को लेकर केटीआर का संदेश

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को नंदीनगर स्थित अपने आवास पर पार्टी की छात्र शाखा, भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी (बीआरएसवी) के लिए तैयार किए गए एक नए प्रेरणादायक गीत का अनावरण किया। इस गीत की संकल्पना और संगीत बीआरएसवी के राज्य महासचिव नागरराम प्रशांत ने तैयार किया है, जबकि इसे मद्देला संदीप गौड़ और मनुकोटा प्रसाद ने स्वर दिया है। अनावरण कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेताओं और छात्र कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उपस्थित नेताओं में तुंगतुर्थी के पूर्व विधायक गदरी किशोर कुमार, एमएलसी दासोजू श्रवण, बीआरएसवी के राज्य उपाध्यक्ष पडाला सतीश, बीआरएस के युवा राज्य नेता वल्लमल्ला कृष्णा, बीआरएसवी के राज्य महासचिव बोरुगु नवीन गौड़, मिथुन प्रसाद, संतोष सहित अन्य बीआरएसवी और बीआरएस पदाधिकारी शामिल रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना और देश के भविष्य को मजबूत बनाने में छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह नया प्रेरक गीत राज्यभर के बीआरएसवी सदस्यों में उत्साह और एकजुटता को बढ़ावा देगा।

# गांधीनगर के बुजुर्ग से ओटीपी ठगी

## फर्जी अमेजन हेल्पलाइन नंबर बना वजह

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांधीनगर के 62 वर्षीय व्यक्ति को ओटीपी आधारित बैंकिंग धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ा, जब उन्होंने गूगल पर मिले एक नकली अमेजन ग्राहक सेवा नंबर पर कॉल कर दिया। साइबर अपराध पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने 14 नवंबर को एक ई-कॉमर्स साइट से उत्पाद का ऑर्डर दिया था। 18 नवंबर को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि गलत पते के कारण ऑर्डर रद्द हो गया है। इस पर उन्होंने नया ऑर्डर दे दिया।

दूसरा ऑर्डर भी समय पर नहीं पहुंचा तो 22 नवंबर को उन्होंने ऑनलाइन ग्राहक सहायता नंबर खोजा और एक टोल-फ्री नंबर पर कॉल किया, जो फर्जी था। पुलिस ने बताया कि कुछ ही देर में जालसाजों ने व्हाट्सएप कॉल कर स्वयं को कंपनी का अधिकारी बताया और कहा कि ऑर्डर रद्द होने से बचाने के लिए उन्हें 10 रुपये का सत्यापन शुल्क जमा करना होगा। इसके लिए उन्होंने पीड़ित से ओटीपी साझा करने पर जोर दिया। बातों में आकर पीड़ित ने ओटीपी दे दिया, जिसके बाद 1.3 लाख रुपये के कई अनधिकृत लेनदेन हो गए। पुलिस ने लोगों को सतर्क करते हुए कहा है कि कोई भी प्रतिष्ठित कंपनी ओटीपी, बैंक विवरण या पैसे की मांग नहीं करती और ऐसी कॉल या नंबरों से सावधान रहना चाहिए।

# हैदराबाद में अयप्पा भक्तों का प्रदर्शन

## पुलिस सब इंस्पेक्टर को धार्मिक पोशाक पहनने की अनुमति न मिलने पर नाराजगी

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डीजीपी कार्यालय के पास गुरुवार दोपहर उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब अयप्पा स्वामी के सैकड़ों भक्तों ने पुलिस विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि पुलिस ने कंचनबाग थाने में कार्यरत एक सब इंस्पेक्टर को ड्यूटी के दौरान 'अयप्पा पोशाक' पहनने और 'अयप्पा दीक्षा' के नियमों के अनुसार बिना चप्पलों के रहने की अनुमति नहीं दी।

करीब 50 भक्त लकड़ी का पुल स्थित डीजीपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस व कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भक्तों का कहना था कि अधिकारी धार्मिक आस्था का सम्मान नहीं कर रहे हैं। विवाद की शुरुआत एडिशनल डीसीपी (दक्षिण पूर्व) के. श्रीकांत के उस ज्ञापन से हुई, जिसमें सब इंस्पेक्टर को धार्मिक कारणों से ड्यूटी के दौरान काली सादी पोशाक पहनने, बाल-दाढ़ी बढ़ाने और बिना जूतों के घूमने की अनुमति देने से इनकार किया गया था। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया था कि अगर कोई पुलिसकर्मी दीक्षा लेना चाहता है, तो उसे इसके लिए अवकाश लेना चाहिए। इससे पहले सुबह भी सैदाबाद स्थित डीसीपी (पूर्व) कार्यालय पर भक्तों ने इसी मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस अधिकारियों ने विभागीय नियमों का हवाला देते हुए कहा कि वर्दी और ड्यूटी प्रोटोकॉल में बदलाव की अनुमति नहीं दी जा सकती।

# 'बरार स्क्वाड्रन' ने एयर फ़ोर्स एकेडमी में कमांडेंट का बैनर जीता

हैदराबाद, 27 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एयर फ़ोर्स एकेडमी (एएफए), डुंडीगल, हैदराबाद में गुरुवार को तेजस परेड ग्राउंड पर 'कमांडेंट्स बैनर प्रेज़ेंटेशन समारोह' का आयोजन किया गया। यह प्रतिष्ठित बैनर कुल उत्कृष्टता का प्रतीक है और विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं शारीरिक गतिविधियां, खेल, वाद-विवाद, क्विज़, क्रॉस-कंट्री रन, फ़ील्ड कैंप, ड्रिल प्रतियोगिता और अकादमिक प्रदर्शन में कड़ी टक्कर के बाद प्रदान किया जाता है। एयर फोर्स एकेडमी समारोह का मुख्य आकर्षण इंटर स्क्वाड्रन ड्रिल प्रतियोगिता रही, जिसमें देसा स्क्वाड्रन ने शानदार ड्रिल, प्रभावशाली कमांड और बेहतरीन तालमेल के साथ जीत हासिल की। परेड में फ़्लाइट कैडेट्स और अंडर ट्रेनिंग फ़्लाइंग ऑफिसर्स (यूटीएफओ) की अनुशासित मार्च-पास्ट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आईएएफ बैंड की मार्शल धुनों के साथ तालमेल बिठाते हुए उनका प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा। ऑटम टर्म 2025 का चैंपियन स्क्वाड्रन ब्रार स्क्वाड्रन घोषित किया गया। इस गौरवपूर्ण क्षण में ब्रार स्क्वाड्रन के स्क्वाड्रन कैडेट कैप्टन, फ़्लाइट कैडेट आदित्य कुमार दुबे ने सटीक कदमताल के साथ आगे बढ़कर एयर मार्शल प्रवीन केशव वोहरा, कमांडेंट एएफए से यह प्रतिष्ठित बैनर ग्रहण किया। इस उपलब्धि के प्रतीक के रूप में चैंपियन स्क्वाड्रन के फ़्लाइट कैडेट्स आगामी टर्म में अपने बाएं कंधे पर विशेष लेनयार्ड धारण करेंगे। अपने संबोधन में कमांडेंट ने फ़्लाइट कैडेट्स और यूटीएफओ की टीम भावना, भाईचारे, उत्साह, खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक जज़्बे की सराहना की। उन्होंने सभी को शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से चुस्त रहने की प्रेरणा दी और कहा कि उन्हें अकादमी के उन उच्च मानकों को कायम रखना है, जिसने एएफए को 'द प्राइड ऑफ ट्रेनिंग कमांड' का गौरव दिलाया है। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षकों को भी बधाई दी, जिन्होंने कैडेट्स को आत्मविश्वासी और सक्षम भविष्य के अधिकारियों में रूपांतरित करने में अहम भूमिका निभाई।

# हैदराबाद में 16 सरकारी सलाहकारों की नियुक्ति पर विवाद

हैदराबाद, 27 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा कैबिनेट मंत्री का दर्जा और भत्तों के साथ 16 सरकारी सलाहकारों की नियुक्ति को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। बीआरएस नेता एरोला श्रीनिवास समेत कई नेताओं ने इस नियुक्ति को चुनौती देते हुए तेलंगाना उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की है। तेलंगाना भवन में प्रेसवार्ता के दौरान एरोला श्रीनिवास ने इन नियुक्तियों को असंवैधानिक और जनता के धन का दुरुपयोग बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर समानांतर गुप्त कैबिनेट चलाने और भारतीय संविधान की भावना कमजोर करने का आरोप लगाया। बीआरएस नेता का कहना है कि कैबिनेट रैंक दिए गए यह 16 (कुछ बयानों में 14) सलाहकार न तो चुनाव लड़कर आए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.